RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 3
नई दिल्ली, मंगलवार, 5 नवंबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

शर्मीले, संकोची लोगों के लिए बॉलीवुड में जगह नहीं: तारा सुतारिया
विविध-16

www.dailypioneer.com

महाराष्ट्र की राजनीति में लिखी जा रही नए इतिहास की इबारत

भाजपा-शिवसेना की खींचतान से आया अनदेखा मोड़, गैर भाजपा सरकार बनाने को सोनिया से पवार और राज्यपाल से मिले संजय राउत

- पवार तैयार, सोनिया आशंकित-भाजपा से नाता तोड़ने पर ही सेना को समर्थन की शर्त
- विपक्षी खेमे में बढ़ी हलचल के बीच फड़णनवीस भी पहुंचे दिल्ली-शाह से की चर्चा

नई दिल्ली में पत्रकारों से वार्ता करते एनसीपी नेता शरद पवार

मुंबई में राज्यपाल से मिलते शिवसेना नेता संजय राउत व रामदास कदम

पीएनएस/टीएन रघुनाथ। नई दिल्ली/मुंबई

भाजपा-शिवसेना की जबर्दस्त खींचतान सोमवार को, महाराष्ट्र की राजनीति को एक ऐसे मोड़ पर ले आई जहां नए इतिहास की इबारत लिखी जा रही है। शिवसेना के दोस्ताना संदेश और भाजपा के सामने इस बार घुटने नहीं टेकने की उसकी जिद को बाखूबी परख लेने के बाद, राकांपा प्रमुख शरद पवार दिल्ली पहुंचे और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ मुलाकात की। बैठक के बाद पवार ने ऐसा कुछ नहीं कहा जिससे शिवसेना के मुख्यमंत्री की कुर्सी के पास पहुंचने का आभास मिलता हो लेकिन, उनके इस बयान को कि वे फिर सोनिया से मिलेंगे इस बात का संकेत माना जा सकता है कि सूबे में भाजपा विहीन सरकार बनाने में मराठा क्षत्रप की भूमिका निर्णायक होगी।

फिलहाल कांग्रेस अध्यक्ष ने कोई आश्वासन नहीं दिया है लिहाजा यह दावा करना कठिन होगा कि शिवसेना,राकांपा, कांग्रेस में गठबंधन सरकार बनाने के लिए ऐतिसाहिक समझौता आकार ले भी पाएगा या नहीं। पवार-सोनिया मुलाकात की जानकारी देते सूत्रों ने कहा कि राकांपा सुप्रीमो जहां भाजपा विरोधी गठबंधन करने को तैयार हैं वहीं शिवेसना से हाथ मिलाने को लेकर कांग्रेस बंटी हुई है। पार्टी के कई नेता यह आशंका जता रहे हैं कि शिवसेना से गठजोड़ से कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष साख बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। लगभग आधे घंटे तक चली बैठक के दौरान पवार और सोनिया ने वैकल्पिक सरकार के गठन की संभावनाओं पर चर्चा की। सूत्रों के अनुसार, शिवसेना को इस शर्त पर समर्थन देने पर बात हुई कि वह इससे पहले भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ लेगी।

सोनिया से मिलने के बाद शिवसेना के साथ हाथ मिलाने की संभावना को खारिज नहीं करते हुए पवार ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें विपक्ष में बैठने का जनादेश मिला है लेकिन यह पता नहीं कि आगे क्या होगा। सरकार बनाने की जिम्मेदारी भाजपा और उसके सहयोगी दलों की है।यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा एवं शिवसेना के बीच बार्गेनिंग गेम चल रहा है तो उन्होंने कहा कि यह बार्गेनिंग नहीं बल्कि सीरियस गेम है। इस सवाल पर कि क्या वह एक बार फिर से महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार हैं जवाब मिला- नहीं। सोनिया से फिर मिलने की जानकारी देते पवार ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष को महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीतिक स्थिति से अवगत कराया। उनके बीच केवल सरकार गठन पर ही चर्चा नहीं हुई। सूत्रों के मुताबिक, दोनों ही पार्टियों ने खासकर उस संभावना को टटोला जब शिवेसना भाजपा से नाता तोड़कर गठबंधन से बाहर निकलने का फैसला लेगी। इसका नतीजा शिवसेना द्वारा केंद की राजग सरकार से अपने मंत्रियों को वापस लेना भी होगा।

उधर मुंबई में, भाजपा बगैर सरकार बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाती शिवसेना ने सोमवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से भेंट की। बैठक के बाद राउत ने बताया कि यह शिष्टाचार भेंट थी। राज्यपाल से उन लोगों ने कहा कि नई सरकार के गठन को लेकर राज्य के मौजूदा राजनीतिक हालात के लिए शिवसेना जिम्मेदार नहीं है। वह कोई बाधा (शेष 10 पर)

श्रीनगर में ग्रेनेड हमला एक की मौत, 13 घायल

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

आतंकवादियों ने श्रीनगर के हरि सिंह हाई स्ट्रीट बाजार में सोमवार की दोपहर एक ग्रेनेड फेंका जिससे एक नागरिक की जान चली गई और 13 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायल लोगों को निकटवर्ती एसएमएचएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दो लोगों की हालत गंभीर है। हमला भीड़-भाड़ वाले हरि सिंह हाई स्ट्रीट बाजार में दोपहर करीब एक बजकर 20 मिनट पर हुआ। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है। गौरतलब है कि 12 अक्टूबर को हुए एक ऐसे ही ग्रेनेड हमले में पांच लोग घायल हो गए थे। केन्द्र सरकार ने पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान खत्म कर दिए थे और जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख दो केन्द्र शासित प्रदेश बनाने की घोषणा की थी। अधिकारियों ने बताया कि करीब तीन महीने बाद भी सोमवार को सामान्य जीवन प्रभावित रहा। दुकानें और कुछ व्यापारिक संस्थान सुबह खुले लेकिन दरबार मूव के कारण कम ग्राहक होने की वजह से उन्होंने दोपहर करीब 12 बजे उन्हें बंद कर दिया। घाटी के अधिकतर हिस्सों में सार्वजनिक वाहन सड़कों से नदारद रहे और निजी वाहन भी सामान्य की तुलना में कम दिखे क्योंकि अधिकतर सरकारी कर्मचारी जम्मू रवाना हो गए थे। घाटी में लैंडलाइन और पोस्टपेड मोबाइल सेवा शुरू हो चुकी है।

दिल्ली के घुटते दम पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

- पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उप्र को पराली जलाने पर तत्काल रोक लगाने के आदेश
- राष्ट्रीय राजधानी में हर तरह के निर्माण और उसे गिराने पर लगाई पाबंदी
- दिल्ली सरकार की योजना ऑड-ईवन पर भी उठाया सवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में दमघोंटू प्रदूषण के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को जमकर फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने कहा प्रदूषण की अति भयावह स्थिति की वजह से लोगों को मरने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता। यह स्थिति हर साल होती है और हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं। सभ्य देश में ऐसा नहीं हो सकता। यदि लोग दूसरों के अधिकारों का सम्मान नहीं करेंगे तो फिर उनके भी अधिकार नहीं होंगे। साथ ही न्यायालय ने पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश को तत्काल पराली जलाने पर रोक लगाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि दिल्ली-एनसीआर में बिजली कटौती न हो, जिससे कि आपात सेवाओं को छोड़कर किसी भी अन्य वजह से जनरेटरों का इस्तेमाल न हो।

न्यायालय ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अगले आदेश तक के लिए हर तरह के निर्माण और उसे गिराने की गतिविधियों और कचरा जलाने पर भी रोक लगा दी। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की पीठ ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में खतरनाक स्तर पर पहुंचे प्रदूषण पर अंकुश के लिए कई निर्देश दिए और लोगों को यहां नहीं आने और यहां से बाहर जाने की सलाह दिए जाने की खबरों के संदर्भ में कहा कि नागरिकों को राष्ट्रीय राजधानी से बाहर नहीं निकाला जा सकता है। (शेष 10 पर)

मौसम

अधिकतम	29.6°C (-1)
न्यूनतम	18.9°C (+4)

बाजार

सेंसेक्स	40,302	↑ 137	
निफ्टी	11,941	↑ 51	
सोना	39,263	↑ 78	/10g
चांदी	47,735	↑ 245	/kg

क्विक न्यूज

जवाहर पंडित हत्याकांड में करवरिया बंधुओं को उम्रकैद

प्रयागराज। सपा विधायक जवाहर पंडित की हत्या के मामले में जिला अदालत ने पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व विधायक उदयभान करवरिया, पूर्व विधान पार्षद सूरजभान करवरिया और उनके रिश्तेदार रामचंद्र त्रिपाठी को सोमवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पीड़िता विजमा यादव के वकील लल्लन यादव ने बताया कि विशेष न्यायालय (गैंगस्टर एक्ट) के अपर जिला जज बद्री विशाल पांडेय ने जवाहर पंडित हत्याकांड में करवरिया बंधुओं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यादव ने बताया कि चारों दोषियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302।149 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और एक-एक लाख रुपए जुर्माना लगाया गया। वहीं धारा 307 के तहत इन्हें 10-10 साल की सजा सुनाई गई और पचास-पचास हजार रुपए जुर्माना लगाया गया।

समान नागरिक संहिता को लेकर सुनवाई 15 को

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बनाने की मांग करने वाली सभी याचिकाओं को एक साथ जोड़ दिया। संविधान के अनुच्छेद 44 में राष्ट्रीय एकता, लैंगिक न्याय, समानता और महिलाओं की गरिमा को बढ़ावा देने के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की बात की गई है। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की पीठ ने 15 नवंबर को यूसीसी की मांग करने वाली चार याचिकाओं पर सुनवाई करने का फैसला किया है। समान नागरिक संहिता की मांग करने वाली पहली याचिका भाजपा नेता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने इस साल मई में दाखिल की थी और उच्च न्यायालय ने 31 मई को केंद्र को नोटिस जारी कर उससे चार सप्ताह में इसपर जवाब मांगा था। इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से अब तक जवाब दाखिल नहीं किया गया है। इसके बाद अगस्त में एक अन्य वकील ने ऐसी ही एक याचिका दाखिल की थी।

आरसीईपी समझौते में शामिल नहीं होगा भारत

- वार्ताओं में भारत द्वारा उठाए गए मुद्दों और चिंताओं को दूर नहीं किया जा सका: मोदी

एजेंसी। बैंकॉक

बैंकॉक में जापानी समकक्ष शिंजो आबे से मुलाकात करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझौते में शामिल नहीं होगा। भारत द्वारा उठाए गए मुद्दों और चिंताओं का संतोषजनक ढंग से समाधान नहीं होने पर उसने 16 देशों के बीच होने वाले इस समझौते से बाहर रहने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने आरसीईपी शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान ही समझौते में शामिल नहीं होने की घोषणा की। इस सम्मेलन में दुनिया के कई नेता उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरसीईपी समझौते को लेकर चल रही वार्ताओं में भारत द्वारा उठाए गए मुद्दों और चिंताओं को दूर नहीं किया जा सका है। इसके मद्देनजर भारत ने इससे अलग रहने का फैसला किया है।

मोदी ने कहा, आरसीईपी करार का मौजूदा स्वरूप पूरी तरह इसकी मूल भावना और इसके मार्गदर्शी सिद्धान्तों को परिलक्षित नहीं करता है। इसमें भारत द्वारा उठाए गए शेष मुद्दों और चिंताओं का संतोषजनक समाधान नहीं किया जा सका है। ऐसे में भारत के लिए आरसीईपी समझौते में शामिल होना संभव नहीं है। सूत्रों ने बताया कि चीन की ओर से शिखर बैठक के दौरान आरसीईपी समझौते को पूरा करने को लेकर काफी दबाव बनाया जा रहा था। चीन के लिए यह उसके अमेरिका के साथ चल रहे व्यापार युद्ध के प्रभाव के बीच व्यापार में संतुलन बैठाने में मददगार साबित होता। साथ ही वह पश्चिमी देशों को क्षेत्र की आर्थिक ताकत का भी अंदाजा करा पाता। भारत अपने उत्पादों के लिए बाजार पहुंच का मुद्दा काफी जोरशोर से उठा रहा था। भारत मुख्यतौर पर अपने घरेलू बाजार को बचाने के लिए कुछ वस्तुओं की संरक्षित सूची को लेकर भी मजबूत रुख अपनाए हुए था। देश के कई उद्योगों को ऐसी आशंका है कि भारत यदि इस समझौते पर हस्ताक्षर करता है तो देश में चीन के सस्ते कृषि और औद्योगिक उत्पादों की बाढ़ आ जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत व्यापक क्षेत्रीय एकीकरण के साथ मुक्त व्यापार और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का पक्षधर है। आरसीईपी वार्ताओं की शुरुआत के साथ ही भारत इसके साथ रचनात्मक और अर्थपूर्ण तरीके से जुड़ा रहा है। भारत ने आपसी समझबूझ के साथ लो और दो की भावना के साथ इसमें संतुलन बैठाने के लिए कार्य किया है।

सूत्रों ने कहा कि आरसीईपी में भारत का रुख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व और दुनिया में भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है। भारत के इस फैसले से भारतीय किसानों, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) और डेयरी उत्पाद का हित संरक्षित होगा। सूत्रों ने कहा कि यह पहला मौका नहीं है जबकि प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में भारत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और उससे संबंधित वार्ताओं में कड़ा रुख अख्तियार किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मोदी को मुश्किल वार्ताकार करार दे चुके हैं। हालांकि, ट्रंप को खुद भी सख्त रुख अपनाने के (शेष 10 पर)

दिल्ली की सड़कों पर नहीं उतरीं 15 लाख कारें

ऑड-ईवन पहला दिन:

- मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पहले दिन की कवायद को कामयाब बताया, कारपूल कर पहुंचे सचिवालय

नई दिल्ली पोस्टर और बैनरों के जरिए लोगों को जागरूक करते वालंटियर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दमघोंटू प्रदूषण के बीच राष्ट्रीय राजधानी में ऑड-ईवन (सम-विषम) योजना सोमवार को अमल में आ गई। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पहले दिन की कवायद को 'कामयाब' बताया क्योंकि 15 लाख कारें आज सड़कों पर नहीं चलीं। नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में भाजपा नेता विजय गोयल समेत 233 लोगों पर जुर्माना किया गया। गोयल ने 'प्रतीकात्मक विरोध' दर्ज कराने के लिए ऑड नंबर की अपनी एसयूवी लेकर सड़क पर उतरे थे। उनकी पार्टी ने योजना को 'चुनावी स्टंट' करार दिया।

सोमवार को नागरिक सुरक्षा के दो हजार स्वयंसेवकों, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, राजस्व और परिवहन विभाग कर्मचारियों की 465 टीमों को तैनात किया गया था। इस दौरान अतिरिक्त यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए 650 निजी बसों समेत छह हजार बसों को भी सेवा में लगाया गया था। (शेष 10 पर)

प्रदूषण में कुछ कमी पर वायु गुणवत्ता अब भी गंभीर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को हवा की गति में मामूली वृद्धि होने से प्रदूषण के स्तर में कुछ कमी आई है लेकिन वायु गुणवत्ता अब भी गंभीर की श्रेणी में बनी हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान महा और एक पश्चिमी विक्षोभ से बुधवार और बृहस्पतिवार को राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तरी मैदानी हिस्सों में बारिश के आसार हैं जिससे स्थिति में और सुधार होगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार सोमवार को प्रदूषण के स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हुआ। शाम चार बजे राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 416 दर्ज किया गया जो अब भी गंभीर श्रेणी में है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक्यूआई फरीदाबाद में 414, नोएडा में 446, गाजियाबाद में 464, ग्रेटर नोएडा में 444 और (शेष 10 पर)

रिटायर्ड सैन्य अफसरों के मुंह बंद करने की तैयारी

सेवानिवृत्त फौजियों की मुखर आलोचना झेलती सेना आचार संहिता लाने के प्रस्ताव पर कर रही विचार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- रिटायरमेंट के वक्त सैन्य अफसरों को देना होगा आचार संहिता से बंधे रहने का शपथपत्र

विकलांगता पेंशन पर आयकर छूट वापस लेने, कैंट इलाके की सड़कों को आम लोगों के लिए खोलने और वन रैंक-वन पेंशन जैसे तमाम मुद्दों पर अपने सेवानिवृत्त अफसरों की आलोचना झेल चुकी सेना अब उनके लिए आचार संहित लागू करने जा रही है। विवादों में घिरा यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब पूर्व सैनिकों ने खुलकर मीडिया में अपनी शिकायतें रखीं-उसके साथ अपने दुख साझा किए जिससे सेना को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

विकलांगता पेंशन पर से आयकर छूट वापस लेने के अलावा हाल के दिनों में रिटायर्ड फौजियों ने सेवारत सैन्य कर्मियों खासकर शौर्य मेडल से सम्मानित जवानों के बच्चों को मिलने वाली छात्रवृत्ति समाप्त करने के फैसले पर भी नाराजगी जताई थी। उनके कड़े विरोध के चलते सरकार तत्संबंधी प्रावधानों को दोबारा लागू करने पर मजबूर हो गई थी।

प्रस्तावित आचार संहिता की जानकारी देते सूत्रों ने बताया कि सभी सेवारत अफसरों को रिटायरमेंट के वक्त यह शपथपत्र देना होगा कि अपनी सेवानिवृत्ति के बाद वे आचार संहिता का पूरी तरह पालन करेंगे। सूत्रों ने यह भी कहा ि अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि प्रस्तावित आचार संहिता का उल्लंघन करने पर किसी तरह का दंड भी भुगतना होगा या नहीं लेकिन इसमें शक नहीं कि सेना के कानून के दायरे में केवल सेवारत अधिकारी ही आएंगे अवकाश प्राप्त अफसर नहीं। सेना से रिटायर होने के बाद पूर्व सैनिक भी भारतीय दंड संहिता जैसे सामान्य कानूनों की जद में आ जाएंगे।

आचार संहिता लागू करने के फैसले को सही ठहराने की कोशिश करते सूत्रों ने कहा कि इसकी जरूरत तब महसूस की गई जब कुछ अवकाशप्राप्त सैन्य अफसरों ने सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियां कीं जिनसे सेना की छवि को धक्का लगा। आचार संहिता के बाबत सेवारत अधिकारियों के साथ सलाह मशविरे की प्रक्रिया जारी है और अंतिम चरण में रिटायर्ड फौजियों के विचार भी जाने जाएंगे। आचार संहिता पर अपने रुख के समर्थन में सूत्रों ने कहा कि जब एक अफसर सेना से रिटायर होता है तब अंतिम रैंक उसके साथ जुड़ी होती है, ऐसे में यह माना जा रहा है कि वे प्रस्तावित आदेश से बंधे रहेंगे। पिछले सप्ताह अवकाश लेने वाले भूतपूर्व सहायक जनरल अश्विनी कुमार ने कहा कि आचार संहिता पर बातचीत अग्रिम चरण में है। (शेष 10 पर)

नीतीश कटारा मामले में दोषी विकास को नहीं मिली पैरोल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा हत्याकांड में 25 साल का कारावास काट रहे विकास यादव को पैरोल देने से इनकार करते हुए सोमवार की उसकी याचिका खारिज कर दी। नीतीश कटारा की 2002 में हत्या कर दी गई थी। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि दोषी को 25 साल कैद की सजा सुनाई गई थी और यह कोई राहत दिए बिना पूरी की जानी है। पीठ ने यादव की उस याचिका को भी खारिज कर दिया जिसमें उसने बिना किसी राहत के 25 साल कैद की सजा सुनाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी थी। विकास यादव और उसके चचेरे भाई विशाल यादव को कटारा के अपहरण और हत्या के मामले में सजा सुनाई गई थी। वर्ष 2002 में 16 और 17 फरवरी की दरम्यानी रात अपहरण के बाद कटारा की हत्या कर दी गई थी। इस घटना (शेष 10 पर)

वकीलों ने दिखाई दबंगई, जगह-जगह की मारपीट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में सोमवार को प्रदर्शन करते अधिवक्ता

तीस हजारी कोर्ट में वकीलों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद यह विवाद अन्य अदालतों में पहुंच गया है। सोमवार को दिल्ली की कड़कड़डूमा और साकेत अदालतों में वकीलों ने पुलिसकर्मियों, आम लोगों और मीडिया कर्मियों पर हमले किए और पुलिस संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने तारीख पर आए लोगों को कोर्ट के अंदर जाने से रोका।

तीस हजारी अदालत परिसर में शनिवार दोपहर वकीलों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। इसमें 10 पुलिसकर्मी और कई वकील घायल हो गए। बवाल में 17 वाहनों में तोड़-फोड़ और कई में आग लगा दी गई थी। इस घटना के विरोध में वकीलों ने सोमवार को हाईकोर्ट समेत सभी जिला अदालत में कार्य का बहिष्कार किया।

प्रदर्शन के दौरान साकेत अदालत के वकीलों ने आम लोगों के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के साथ भी मारपीट की। लोगों पर डंडे बरसाए और एक ऑटो चालक के कपड़े फाड़ दिए। उन्होंने मोटरसाइकिल सवार एक पुलिसकर्मी को अदालत के गेट पर घेर कर बुरी तरह पीटा। यही नहीं, पुलिस की जिप्सी और अन्य वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया। कोर्ट परिसर में बने पुलिस बूथ में तोड़फोड़ की और पुलिस का बोर्ड तोड़ डाला।

कोर्ट के बाहर पुलिसकर्मी से मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें वकील एक बाइक पर सवार वर्दी पहने पुलिसकर्मी को पीट रहे हैं। जब पुलिसकर्मी घटना स्थल से भागने की कोशिश कर रहा था तो वकील ने उसके हेलमेट को पीछे से फेंककर मारा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने भी इस मारपीट की पुष्टि की। वकीलों ने साकेत अदालत के तीन नंबर गेट को बंद कर दिया, जहां से आम लोग अदालत के अंदर जाते हैं। इससे तारीख पर आए लोगों को खासी परेशानी हुई। बाद में सड़क पर उतर आए और वहां जमकर बवाल काटा। इसी तरह कड़कड़डूमा कोर्ट में भी वकीलों और पुलिस के बीच तीस हजारी कोर्ट जैसी ही झड़प हुई। यहां कोर्ट परिसर में तैनात एक पुलिसवाले को पीटा गया। (शेष 10 पर)

प्लास्टिक मुक्त शहर के लिए शुरू किया थैला बैंक

पहले दिन 100 थैले, 100 जोड़े डस्टबीन और 100 होम कंपोस्टिंग किट का किया वितरण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त कराने के लिए प्राधिकरण की ओर हर स्तर पर पहल की जा रही है। इसी कड़ी में सेक्टर-37 के वार्ड 16 में थैला बैंक को शुरू किया गया। इसका उद्घाटन विधायक पंकज सिंह ने किया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक केंद्र में 100 कपड़े के थैले, 100 जोड़े डस्टबिन व 100 होम कंपोस्टिंग किट वितरित कीं।

इससे पहले जन स्वास्थ्य विभाग की ओर से सेक्टर-21, 37, 67 व 115 में सफ ाईगीरी का आयोजन किया गया। बर्तन बैंक के बाद अब शहर में नोएडा थैला बैंक की शुरूआत हो गई है। यहां से शहरवासी बाजार में खरीदारी करने से पहले कपड़े का थैला निशुल्क ले सकते हैं। सामान आदि लाने के बाद इसे वापस जमा करना होगा।

पंकज सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने की अपील की। इस मौके पर एसीईओ प्रवीण मिश्रा, ओएसडी अवनीश त्रिपाठी, वरिष्ठ परियोजना अभियंता एससी मिश्रा, वरिष्ठ प्रबंधक सलिल यादव, राहुल शर्मा, योगेंद्र कुमार, सहायक निदेशक उद्यान आरके गुप्ता मौजूद रहे।

उधर, सफ ाईगारी के दौरान सेक्टर 21, 37, 67 व 115 में काफ ी संख्या में निवासियों व उद्यमियों ने सड़क पर उतरकर सफाई अभियान में हिस्सा लिया। सभी ने स्वच्छता की शपथ ली। सेक्टर-21 में परियोजना अभियंता विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधक एससी गुप्ता, आरपी सिंह, उप निदेशक उद्यान महेंद्र प्रकाश, सेक्टर-37 में सहायक परियोजना अभियंता जन स्वास्थ्य गौरव बंसल, मुकेश कुमार वैश्य, अमित कुमार, जितेंद्र कुमार, एके वरुण, सेक्टर-115 सोरखा गांव में परियोजना अभियंता आरके शर्मा, सतेंद्र, आर सिंह, गुरविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

इस मौके पर आदर्श सेवा समिति व डोर.टू.डोर कलेक्शन का काम देख रही एजेंसी एजी एंवायरो ने मौजूद लोगों से शहर को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की। लोगों को कूड़ा प्रबंधन के साथ ही डोर.टू.डोर कलेक्शन की जानकारी दी।

शहर में थैला बैंक का शुरूआत करते नोएडा के विधायक पंकज सिंह। साथ में मौजूद अन्य लोग।

अज्ञात व्यक्ति का लहूलुहान शव मिला

नोएडा। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र की सलारपुर कॉलोनी के रामलीला ग्राउंड में सोमवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का लहूलुहान शव मिला है। पुलिस के अनुसार व्यक्ति की हत्या करने के बाद उसके शव को ईंट से कुचला गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक नीरज मलिक ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि व्यक्ति की हत्या करने के बाद उसके चेहरे को ईंट से कुचलकर उसकी पहचान मिटाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि आसपास के लोगों की सहायता से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

वहीं थाना फेस-3 क्षेत्र में 15 अक्टूबर को सड़क पर लहूलुहान अवस्था में मिले अज्ञात व्यक्ति की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। घटना की सूचना जिला अस्पताल ने पुलिस को दी। थाना फेस-3 पुलिस के अनुसार 15 अक्टूबर को अज्ञात व्यक्ति सड़क पर लहूलुहान अवस्था में मिला था।

कोर्ट परिसर में हथियार लेकर घुसने पर दो युवक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सूरजपुर स्थित जिला न्यायालय परिसर में शनिवार शाम हथियार लेकर घुसने का प्रयास कर रहे दो बदमाशों को पुलिस ने धर दबोचा। बदमाशों के कब्जे से तमंचा व चाकू बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी मेटल डिटेक्टर से बचकर कोर्ट में दाखिल होना चाह रहे थे। आशंका है कि किसी साजिश के तहत हथियार लेकर कोर्ट में घुस रहे थे।

पकड़े गए बदमाश पेशी पर आए अपने साथी से मिलने के लिए कोर्ट आए थे। जांच में पता चला कि एक बदमाश लूट के मामले में एक साल से वांछित है और बीते साल बीटा.टू कोतवाली क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान फरार हो गया था। बदमाशों के तार कुख्यात गिरोह से जुड़े होने की आशंका है। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच हुई मारपीट, तोड़फ ोड़ व आगजनी की घटना के बाद गौतमबुद्धनगर जिला न्यायालय परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

सूरजपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह दीक्षित ने बताया कि शनिवार शाम कोर्ट परिसर में दो युवक गेट पर लगी मेटल डिटेक्टर मशीन से बचकर अंदर घुसने का प्रयास कर रहे थे। युवकों की गतिविधि पर शक होने पर पुलिस ने दोनों को जांच के लिए रोका तो भाग निकले। इस पर पुलिस ने पीछा कर दोनों आरोपियों को धर दबोचा। इनके पास से तमंचा, कारतूस व चाकू, बरामद किया गया है। आरोपियों की पहचान रिशित उर्फ चीनू निवासी अल्फा.टू ग्रेटर नोएडा व विशाल शर्मा निवासी गांव बादलपुर के रूप में हुई है।

पत्नी की हत्या में पति गिरफ्तार, चाकू व खून से सना कपड़ा बरामद

नोएडा। शहर के सूरजपुर कस्बे में रहने वाली एक महिला की गत एक नवंबर को हुई हत्या के मामले में पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार कर उसके पास से हत्या में प्रयुक्त छुरी और खून से सने कपड़े बरामद किए हैं।

एसपी (ग्रामीण) रणविजय सिंह ने सोमवार को बताया कि एक नवंबर को सूरजपुर कस्बे में रहने वाली फूल माला अपने घर पर लहूलुहान अवस्था में मिली। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रही पुलिस ने सोमवार को मृतका के पति संजीव उर्फ संजय को गिरफ्तार किया है। सिंह के अनुसार, पूछताछ के दौरान संजीव ने पुलिस को बताया कि उसने पत्नी के अवैध संबंधों के चलते उसकी सब्जी काटने वाली छुरी से हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने संजीव के पास से छुरी और खून से सने कपड़े बरामद किए हैं।

महिला को बचाने पहुंची पुलिस पर तान की पिस्तौल

नोएडा। कथित मारपीट की शिकार महिला को बचाने पहुंची पुलिस पर, ससुराल वालों ने पिस्तौल तान दी। सीओ श्वेताभ पांडे ने बताया कि निठारी में रहने वाली आरती ने पुलिस को सूचना दी कि उसके ससुराल वाले उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दीपक अवाना को हिरासत में लेकर उसे थाने ले जाने लगी।

उन्होंने बताया कि स्पाइस मॉल के पास प्रदीप अवाना और अन्य लोग हथियार लेकर वहां पहुंचे व पुलिस वैन को घेर लिया। जब पुलिस ने इन्हें रास्ते से हटने के लिए कहा तो उन्होंने पुलिस वालों पर पिस्तौल तान दी। पुलिस ने प्रदीप अवाना तथा दीपक अवाना को गिरफ्तार कर लाइसेंसी रिवाल्वर, कारतूस बरामद किया है।

युवती के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● विरोध पर की गाली-गलौज, आरोपी फरार

थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के गोदावरी कॉम्पलेक्स में खरीदारी करने गई एक युवती के साथ एक व्यक्ति द्वारा अश्लील हरकत करने का मामला आमने आया है। पीड़िता महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने वाली एक संस्था में काम करती है।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक नीरज मलिक ने बताया कि सेक्टर 52 में रहने वाली एक युवती सेक्टर 37 स्थित गोदावरी कॉम्पलेक्स में बीती रात खरीदारी करने गई थी। युवती का आरोप है कि वहां पर सुमित चौधरी नामक युवक कार से आया और उसने उसके साथ अश्लील हरकत की। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने गाली-गलौज कर उसे जान से मारने की धमकी दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी फरार है उसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि पीड़िता दिल्ली स्थित महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने वाली एक संस्था में काम करती है।

बेरोजगारी से परेशान इंजीनियर ने की खुदकुशी

नोएडा। शहर की जेपी पवेलियन नामक सोसायटी में रहने वाले एक इंजीनियर ने सोमवार की सुबह दसवीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

पुलिस उपाधीक्षक (नगर) श्वेताभ पांडेय ने सोमवार को बताया कि एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र में स्थित जेपी पवेलियन नामक सोसाइटी में गगन गौतम नामक इंजीनियर रहता था। कई दिनों से बेरोजगार गगन कर्जे से परेशान था और वह अपने घर तथा कार की किस्त भी नहीं दे पा रहा था। पांडेय ने बताया कि कर्ज की वजह से तनावग्रस्त गगन ने अपने सोसायटी की दसवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। सीओ ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रेमिका ने मां-बाप के साथ मिलकर की थी एलएलबी छात्र की हत्या

बेसममेंट में गड्ढा खोदकर दबा दिया था शव

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साहिबाबाद पुलिस ने सोमवार को पिछले माह आईएमई लॉ कॉलेज के छात्र पंकज की हत्या के मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस संबंध में पंकज की प्रेमिका, उसके पिता व मां को गिरफ्तार किया है।

एसपी सिटी मनीष मिश्रा ने बताया कि 19 अक्टूबर को एलएलबी के छात्र पंकज की गिरधर एंक्लेव में हत्या कर दी गई थी। हत्यारों ने उसके शव को मकान के बेसमेंट में गड्ढे में दबा दिया था और ऊपर से उस पर सीमेंट का प्लास्टर कर दिया था। पुलिस ने गड्ढा खोदकर पंकज की लाश बरामद की थी ।

मिश्रा ने बताया कि मामला गंभीर होने के कारण थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह को इसके खुलासे के लिए लगाया गया था । पुलिस ने मौके से सीसीटीवी कैमरे व मोबाइल फोन की लोकेशन आदि की जांच पड़ताल की और हत्यारों तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह साहिबाबाद रेलवे स्टेशन से पास से मकान मालिक मुन्ना कुमार उसकी पुत्री अंकिता व पत्नी सुलेखा देवी को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब यह बिहार जाने की फिराक में थे।

उन्होने बताया कि पंकज ट्यूशन पढ़ाने का काम भी करता था और अंकिता पंकज से ट्यूशन पढ़ने जाती थी। इसी दौरान पंकज ने अंकिता को झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने शुरू कर दिए। इसकी जानकारी मुन्ना व उसके परिजनों को लगी तो वह बौखला उठे। उन्होंने अंकिता को विश्वास में लिया और पंकज की हत्या का प्लान बनाया। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर को अंकिता ने पंकज को यह कहकर बुला लिया कि घर पर कोई नहीं है। पंकज सुबह 10 बजे अंकिता के घर पर पहुंच गया और कमरे में चला गया। कमरे में जाते ही अंकिता ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और बाथरूम में छुपे सुलेखा देवी, मुन्ना देवी ने निकलकर पंकज की गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद घर के बेसमेंट में बने गड्ढे में उसके शव को दबा दिया और ऊपर से प्लास्टर कर दिया। बाद में पुलिस ने पंकज की लाश बरामद की थी।

पुलिस द्वारा पकड़े गए हत्या के आरोपी और इनसेट में मृतक की फाइल फोटो।

संक्षिप्त समाचार

पंखे से फंदा लगाकर की खुदकुशी

नोएडा। शहर में थाना सेक्टर 20 क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने रविवार की रात अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक राजवीर सिंह चौहान ने सोमवार को बताया कि सेक्टर 10 में रहने वाले राजेश सरोज की पत्नी कुसुम सरोज (40 वर्ष) ने सोमवार की देर रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया। उन्होंने बताया कि महिला की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

गश्त के दौरान पुलिस ने तस्कर को दबोचा

नोएडा। थाना सेक्टर 20 पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि बीती रात गश्त पर निकली थाना पुलिस ने सेक्टर 27 के पास से आनंद यादव नामक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 48 पौवा हरियाणा मार्का शराब बरामद की। वहीं थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में बीती रात को दो कारें आपस में टकरा गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब दुर्घटनाग्रस्त एक कार की तलाशी ली, तो उसमें उन्हें भारी मात्रा में हरियाणा मार्का शराब मिली। पुलिस ने कार व शराब को कब्जे में ले लिया है।

सेंट जूड की याद में निकाली शोभायात्रा

गाजियाबाद। केरल समाज के लोगों ने सेंट जूड की याद में साहिबाबाद में सोमवार को भव्य शोभा यात्रा निकाली। सुंदर झांकियों और बैंड बाजे के साथ यह यात्रा शालीमार गार्डन के विभिन्न हिस्सों से होती हुई वापस चर्च पर पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह प्रसाद का भी वितरण किया गया। यात्रा में शामिल लोगों ने बताया कि उनका मानना है कि सेंट जूड के माध्यम से वो जो भी दुआ करते हैं, वो दुआ उनकी जरूर पूरी होती है।

सोमवार को शहर में पूर्व विधायक गजराज सिंह के नेतृत्व में लोगों को मास्क बांटते कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता।

कांग्रेस सेवादल ने बांटे मास्क

हापुड़। जनपद में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए सोमवार को अतरपुरा चौपला स्थित नेहरू चौक पर कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं ने अभियान चलाकर लोगों को पोल्यूशन मास्क वितरित किए। करीब 500 की संख्या में लोगों को मास्क बांटे गए। इसके साथ ही सेवादल के कार्यकर्ताओं ने लोगों को जागरूक करते हुए संदेश दिया कि जब भी आप घर से बाहर किसी काम के लिए जा रहे हैं तो मुंह पर मास्क पहनकर अवश्य निकले। पूर्व विधायक गजराज सिंह ने कहा कि जनपद में प्रदूषण के चलते हालात बाद से बदतर हैं लेकिन, सरकार कोई भी ठोस कदम नहीं उठा पा रही है। कार्यवाहक शहर अध्यक्ष अभिषेक गोयल ने कहा कि प्रदेश में उसी पार्टी की सरकार है जिसने महाराष्ट्र में एक ही रात में 2300 पेड़ों को काट दिया था। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदूषण को लेकर सरकार कितनी गंभीर है।

सरकार की नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का आंदोलन आज से

गाजियाबाद। आर्थिक मंदी, केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ कांग्रेस आज से दस दिवसीय आंदोलन करने जा रही है। इसके लिए पार्टी हाईकमान ने पूरा खाका तैयार किया है। हर जनपद में चलने वाला यह आंदोलन चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा। आंदोलन में दस दिनों तक अलग-अलग तरीके से विरोध दर्ज कराया जाएगा।

किसी दिन कांग्रेसी शहर के मुख्य बाजारों में बर्तन पीटकर सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने का प्रयास करेंगे तो किसी दिन कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन करने के बाद ज्ञापन सौंपा जाएगा। आंदोलन का मुख्य उद्देश्य जनता के बीच जाकर सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाना है। आंदोलन में कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार की भी अग्निपरीक्षा होगी।

आज पांच नवंबर से इसकी शुरूआत हो रही है। 6 और 7 नवंबर को ब्लॉक, तहसील, कचहरी और कॉलेजों में पर्चे बांटे जाएंगे। पर्चे के जरिए बताया जाएगा कि किस तरह से सरकार की गलत नीतियों के कारण जनमानस को समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं।

दिल्ली पुलिस के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपने कलेक्ट्रेट पहुंचे गाजियाबाद बार एसोसिएशन से जुड़े वकील।

वकीलों ने की दिल्ली पुलिस पर कार्रवाई की मांग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बीते शनिवार यानी दो नवंबर को तीस हजारी कोर्ट में पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच हुए संघर्ष को लेकर गाजियाबाद बार एसोसिएशन ने एक बैठक का आयोजन किया। इसमें दिल्ली पुलिस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया।

इस अवसर पर समस्त अधिवक्ताओं ने एक स्वर में मांग की, कि दिल्ली पुलिस की बर्बरता पूर्ण कार्रवाई पर इस तरह एक्शन लिया जाए कि भविष्य में पुलिस ऐसा दुस्साहस कभी ना दिखा सके।

बैठक के बाद गाजियाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील दत्त त्यागी ने कहा कि मामूली विवाद को पुलिस ने अपनी दबंगता और हठधर्मिता के चलते बड़े विवाद में तब्दील कर दिया। साथ ही वर्दिधारियों ने बर्बरता की सारी सीमाएं तोड़ दी और अधिवक्ताओं को बंधक बनाया। साथ ही उन पर फायरिंग भी की। लोकतंत्र में इस तरह की तानाशाही का कोई स्थान नहीं है।

इस मौके पर बार एसोसिएशन ने जिलाधिकारी के माध्यम से भारत सरकार और दिल्ली सरकार को ज्ञापन सौंपा।

जिसमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरप्रीत सिंह जग्गी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अखिल कुमार त्यागी, कोषाध्यक्ष मुकेश पाल, सौरभ कुलश्रेष्ठ, महिम गुप्ता, जयचंद, वीरेंद्र कुमार, शोभित अग्रवाल, कपिल देव त्यागी, सौरभ गुप्ता, मिर्जा इकराम बैग, गुलाम मोहम्मद, दीपक कुमार जैन, कपिल कुमार त्यागी, परमानंद गौड़ सहित काफी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

एक्सप्रेसवे निर्माण में गतिरोध को जल्द करें दूर

जिलाधिकारी ने अधिकारियों संग किया कार्यस्थल का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के कार्य में तत्काल प्रभाव से गतिशीलता लाने के उद्देश्य से प्रथम चरण में कलेक्ट्रेट के सभागार में अपर जिलाधिकारी भूमि अध्याप्ति एवं एनएचआई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

इसके बाद जिलाधिकारी ने दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के पैकेज 4 के कार्यों में गतिशीलता लाने के उद्देश्य से डासना से लेकर रजापुर तक चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि भारत सरकार का यह बहुत ही महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है और इसमें किसी भी स्तर पर देरी को बहुत ही गंभीरता के साथ लेकर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कलेक्ट्रेट के सभागार में बैठक करते हुए अपर जिलाधिकारी भूमि अध्याप्ति एवं एनएचआई के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक्सप्रेसवे के संबंध में जो भूमि से संबंधित किसानों की समस्याएं एवं अन्य प्रकरण लंबित हैं उन्हें तत्काल प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित कर कार्य को आगे बढ़ाया जाए। जिलाधिकारी द्वारा इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का डासना से लेकर रजापुर तक गहन स्थल निरीक्षण किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि एक्सप्रेस वे के कार्य में यदि कहीं बिना कारण व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है तो उसमें पुलिस की व्यवस्था कर कार्य को आगे बढ़ाया जाए।

मेरठ एक्सप्रेस के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे।

समीक्षा बैठक में श्रम कल्याण की योजनाओं पर चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

श्रम मंत्रालय भारत सरकार एवं श्रम कल्याण परिषद श्रम मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं के संदर्भ में श्रम कल्याण परिषद अध्यक्ष पंडित सुनील भराला की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों, उद्यमियों एवं व्यापारी संगठनों के बीच समीक्षा बैठक नोएडा सर्किट हॉउस सेक्टर 38 में आहूत की गई।

बैठक का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों के उत्थान के लिए संचालित प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, लघु व्यापारी मानधन योजना सहित अन्य योजनाओं पर पर अब तक हुई प्रगति एवं प्रभावी तरीकों से लागू कराने की कार्य योजना के संदर्भ मे चर्चा की गई। योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा लाभार्थियों के पंजीयन के संबंध में और प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक व्यापारियों को लाभ पहुंचाने पर चर्चा की गई।

जिसमें सहायक श्रमायुक्त डॉ अनिल कुमार सिंह, सहायक निदेशक कारखाना बृजेश कुमार सिंह, आकाश सिंह, कमलेश चंद्र कन्नौजिया, रामबहादुर एवं समस्त श्रम प्रवर्तन अधिकारी, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष नरेश कुच्छल, उद्योग मंच अध्यक्ष अजय मल्होत्रा सहित अन्य संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बंदरों के आतंक से सहमे वसुंधरा इलाके के लोग

गाजियाबाद। ट्रांस हिंडन के वसुंधरा सेक्टर एक में लोग इन दिनों बंदरों के झुंड से डरे हुए हैं। बीते कुछ दिनों से यहां पर तीन बंदरों का एक झुंड घूम रहा है जो कभी भी किसी के घर में घुसकर वहां पड़ा सामान उठा ले जाता है और कॉलोनी में इधर-ऊधर फेंक देता है। बंदरों से परेशान स्थानीय लोगों ने इस संबंध में गाजियाबाद नगर निगम और वन विभाग को सूचना दी है लेकिन, अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है।

स्थानीय निवासी कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया है कि इस संबंध में सोसायटी के वाट्सएप ग्रुप पर भी लोगों को बंदरों से सतर्क रहने की सूचना डाल दी गई है। वहीं लोगों से अपील की गई है कि वह बालकनी में अपना कीमती सामान ना रखें बंदर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

25 हजार के दो इनामी बदमाश गिरफ्तार, कई मामले हैं दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● गिरोह के 5 शातिर पहले ही पकड़े जा चुके हैं

थाना फेस-2 पुलिस ने फैक्ट्रियों में डाका डालने वाले गिरोह के दो बदमाशों को सोमवार सुबह गिरफ्तार किया। इनकी गिरफ्तारी पर गौतमबुद्धनगर पुलिस ने 25 -25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

नगर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि सुबह एक सूचना के आधार पर थाना फेस-2 पुलिस ने वकील और जीतू को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि इनकी गिरफ्तारी पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौतमबुद्धनगर ने 25 -25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। एसपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाश शातिर अपराधी हैं। इनके दो साथियों को थाना सेक्टर 20 पुलिस मुठभेड़ के दौरान पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि तीन साथियों को इससे पूर्व थाना फेस-2 पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

उन्होंने बताया कि दोनों बदमाश मुठभेड़ में पुलिस पर गोली चलाते हुए मौके से भाग गए थे। उन्होंने बताया कि इस गैंग का एक सदस्य अब भी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। एसपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के ऊपर लूटपाट व चोरी के कई मामले दर्ज हैं।

3 सी बिल्डर निदेशक सुरप्रीत सूरी गिरफ्तार

नोएडा। सौ करोड़ रुपए की बकाया राशि नहीं चुकाने की वजह से 3 सी बिल्डर के निदेशक सुरप्रीत सूरी को सोमवार को उनके दिल्ली स्थित कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया गया। एसडीएम दादरी राजीव राय ने बताया कि 3 सी बिल्डर के ऊपर विभिन्न विभागों का 100 करोड़ रुपया बकाया है जिसकी रिकवरी के लिए आरसी जारी हुई थी।

बिल्डर को कई बार नोटिस देकर कहा गया कि वह अपनी देनदारी का भुगतान कर दे। उन्होंने बताया कि कई बार नोटिस देने के बावजूद भी बिल्डर ने बकाया राशि दादरी तहसील में जमा नहीं कराई। एसडीएम ने बताया कि सोमवार को कार्रवाई करते हुए 3 सी बिल्डर के डायरेक्टर सुरप्रीत सूरी को दिल्ली स्थित उनके कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया गया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

सीएम केजरीवाल मंत्रियों के साथ कार पूल कर पहुंचे दफ्तर

ऑड नंबर की कार होने पर साइकिल से दफ्तर पहुंचे सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ऑड-ईवन लागू होने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अन्य मंत्रियों के साथ कार पूल करके दफ्तर गए। ऑड नंबर की कार होने पर मनीष सिसोदिया साइकिल से दफ्तर पहुंचे। दोनों ने दिल्ली वालों से इस मुहिम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का अनुरोध किया।

दिल्ली में प्रदूषण पर लगाम लगाने के मद्देनजर सोमवार सुबह आठ बजे से शुरू हुई वाहनों की ऑड-इवन सम-विषम योजना के चलते सड़कों पर गाड़ियों की संख्या कम नजर आई। सोमवार को सिर्फ सम संख्या नंबर वाली गड़ियों के ही चलने की अनुमति थी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे अपने परिवार और बच्चों की खातिर इस योजना का पालन करें। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, श्रम मंत्री गोपाल राय के साथ कार पूल की और सचिवालय पहुंचे। केजरीवाल के अनुसार उन्हें जानकारी मिली है कि दिल्ली वाले इस योजना का करीब सौ फीसद पालन कर रहे हैं और केवल कुछ ही चालान काटे गए हैं। दिल्ली में 30 लाख कारें हैं। आज 15 लाख कारें सड़क पर नहीं उतरी। इससे प्रदूषण पर असर पड़ेगा। उन्होंने लोगों के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त जताया। उन्होंने कहा कि हाल ही में डेंगू को हराया है और अब बारी प्रदूषण कम करने की है।

सड़कों पर कम संख्या में यातायात पुलिस के कर्मियों की तैनाती पर सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा कि उन्हें इस पहल में मदद करनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर वह इस बारे में उपराज्यपाल से बातचीत कर सकते हैं।

इससे पहले सीएम ने ट्वीट कर कहा, नमस्ते दिल्ली प्रदूषण कम करने के लिए आज से सम-विषम शुरु हो रहा है। अपने लिए अपने बच्चों की सेहत के लिए और परिवार की सांसों के लिए सम-विषम का जरूर पालन करें। कार शेयर करें। इस से दोस्ती बढ़ेगी, रिश्ते बनेंगे, पेट्रोल बचेगा और प्रदूषण भी कम होगा। उन्होंने ऑटो और टैक्सी चालकों से भी अपील की कि वे यात्रियों से ज्यादा किराया न वसूलें। योजना का उल्लंघन पर चार हजार रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। दिल्ली यातायात पुलिस, परिवहन व राजस्व विभाग की 600 टीमों को दिल्ली भर में योजना के सख्ती से अनुपालन के लिए तैनात किया गया है।

अपने सहयोगी मंत्रियों के साथ कार पूल कर दफ्तर जाते मुख्यमंत्री केजरीवाल।

काम नहीं आया कोई बहाना पहले दिन 233 चालान कटे

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण कम करने के लिए राजधानी दिल्ली में सोमवार से ऑड-ईवन स्कीम लागू हो गई। पहले दिन ईवन (0, 2, 4, 6, 8) नंबर की गाड़ियों को चलने की ही अनुमति थी। इसके बावजूद कई लोग ऑड (1, 3, 5, 7, 9) नंबर की गाड़ियां लेकर निकले। सुबह से ही सड़कों पर तैनात पुलिस ने ऑड गाड़ियों के मालिकों का कोई बहाना नहीं सुना और चालान थमाया। पहले दिन नियम के उल्लंघन पर 233 चालान काटे गए।

उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पहले दिन ऑड ईवन को कामयाब करार दिया और नियमों का पालन करने के लिए दिल्ली के लोगों को धन्यवाद दिया। दिल्ली यातायात पुलिस ने 170 चालान जारी किए, जबकि परिवहन और राजस्व विभाग की टीमों ने क्रमश: 15 और 7 चालान जारी किए। सम-विषम नियम का उल्लंघन करने पर 4,000 रुपए का जुर्माना है। यह योजना 15 नवंबर तक सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक लागू रहेगी।

इंडिया गेट, आईटीओ, दिल्ली गेट समेत सभी प्रमुख मार्गों और बॉर्डर इलाकों में यातायात पुलिस कड़ी निगरानी कर रही है। दूसरे राज्यों की सीमा से दिल्ली में आने वाली सड़कों के किनारे बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर ऑड ईवन के प्रति लोगों को सचेत किया गया है। रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया के माध्यम से स्कीम की जानकारी दी जा रही है। आईटीओ, मथुरा रोड और इंडिया गेट पर ऑड नंबर की गाड़ी के साथ पकड़े गए लोग जुर्माने से बचाने के लिए तमाम बहाने भी बनाते दिखे।

अपने सरकारी आवास से साईकिल पर सचिवालय जाते डिप्टी सीएम सिसोदिया।

लोगों पर जबरदस्ती थोपी जा रही आड ईवन योजना : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बढ़ते प्रदूषण के लिए भाजपा ने केजरीवाल सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा नेता का कहना है कि वह राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर केजरीवाल गंभीर नहीं है। उल्टे पराली का बहाना बनाकर अपने ऊपर लगने वाले आरोपों से बचने का प्रयास कर रहे है।

दिल्ली सरकार के प्रचार विज्ञापनों पर तंज कसते हुए उनका कहना है कि आप सरकार अपने विज्ञापन के बजट में कटौती कर 20 करोड़ की पराली खरीद ले तो किसान भी मालामाल हो जाएं और प्रदूषण भी नहीं होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने ऑड-ईवन को दिल्लीवालों के जी का जंजाल बताते हुए कहा, यह तभी सफल और संभव होगा जब शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था दुरुस्त हो। इस प्रकार तो यह कमी को छिपाने की कोशिश भर है।

मुख्यमंत्री दिल्ली को गैस चैम्बर बनने देते हैं और जब प्रदूषण बढ़ जाता है तो इस तरह की योजनाओं को चलाकर अपना राजनीतिक चेहरा चमकाने की कोशिश करते हैं।

विशेष लोगों के लिए छूट

ऑड ईवन के दौरान राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर, चीफ जस्टिस, केंद्रीय मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता, सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट के जज, यूपीएससी के चेयरमैन, लोकायुक्त, सीएजी, इलेक्शन कमिश्नर, पुलिस कमिश्नर, दिल्ली के उपराज्यपाल, अन्य राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री को इस योजना से छूट दी गई है। इसके अलावा सेना, अर्धसैनिक बल, एंबेसी, दिल्ली पुलिस और ट्रांसपॉर्ट विभाग की एनफोर्समेंट विंग की गाड़ियां, ऐम्बुलेंस, फायर टेंडर, जेल वाहन, वीआईपी हस्तियों की सुरक्षा में तैनात जवानों के एस्कॉर्ट वाहन आदि शामिल हैं।

सांसद विजय गोयल के घर जाकर फूलों का गुलदस्ता देते मंत्री कैलाश गहलोत।

सांसद ने तोड़ा नियम, फूल लेकर घर पहुंचे मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदूषण कम करने के लिए लागू ऑड-ईवन स्कीम पर सियासत भी शुरू हो गई है। भाजपा के राज्यसभा सांसद विजय गोयल ने सोमवार को ऑड ईवन को नाटक करार देते हुए नियम को तोड़कर चार हजार रुपये का चालान भरा, तो इसके बाद केजरीवाल सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत उन्हें समझाने के लिए फूल लेकर घर पहुंच गए। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच ऑड-ईवन को लेकर तर्क-वितर्क भी हुआ।

गोयल के विरोध पर प्रतिक्रिया जताते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा के नेताओं का काम राजनीति करना है।

सिसोदिया व माकन ने की गोयल की निंदा

यदि गोयल को दिल्ली की चिंता है तो वह केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर को प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए राज्यों के साथ बैठक बुलाने को कहना चाहिए। दिल्ली सरकार के मंत्री गहलोत ने दावा किया कि ऑड-ईवन से प्रदूषण कम होगा। केंद्र को चाहिए कि वह किसानों को पराली जलाने से रोके। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी गोयल के कदम का विरोध किया।

इससे पहले, भाजपा उपाध्यक्ष श्याम जाजू और पार्टी के अन्य नेता भी उस एसयूवी में सवार थे, जिसे गोयल अशोक रोड पर अपने आवास से लेकर निकले थे। यातायात पुलिस कर्मियों ने जनपथ के पास उनकी गाड़ी को रोक दिया और चालान काटा।

गोयल की कार पर लिखा था प्रदूषण की जिम्मेदार केजरीवाल सरकार, ऑड-ईवन है बेकार। गोयल ने अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा कि वह केजरीवाल सरकार की नाकामी के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध कर रहे हैं, क्योंकि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए दिल्ली में पांच साल में कुछ नहीं हुआ। अब वह आगामी विधानसभा चुनाव के कारण सम-विषम योजना के जरिए नौटंकी कर रही है।

वायु प्रदूषण से बचने को खाएं गाजर : हर्षवर्धन

नई दिल्ली। दूषित हवाओं की धुंध में घिरी दिल्ली के लोगों को वायु प्रदूषण से सेहत को होने वाली परेशानियों से बचने के लिए स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन ने गाजर एवं अन्य पौष्टिक आहार लेने का मशविरा दिया है।

हर्षवर्धन ने ट्विटर के माध्यम से लोगों को सलाह दी है कि वायु प्रदूषण से सेहत को होने वाली व्याधियों से बचने के लिए गाजर और उच्च एंटी ऑक्सिडेंट से भरपूर भोजन लेना लाभप्रद होगा। उन्होंने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि विभिन्न प्रदूषकों से आक्सिडेटिव स्ट्रेस पैदा होता है जिसका मानव स्वास्थ्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

आशियाना बचाने के लिए उच्चतम न्यायालय पहुंचे फ्लैट मालिक

केरल के एर्नाकुलम स्थित गोल्डन कायालोरम टॉवर गिराने के आदेश के खिलाफ दाखिल की नई याचिका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जीवनभर की जमा पूंजी से खरीदे गए अपने आशियानों को खोने की आशंका से परेशान केरल के एर्नाकुलम जिले के गोल्डन कायालोरम टॉवर के निवासियों ने 'एक बार अपना पक्ष सुने जाने' के लिए अंतिम कोशिश करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनका कहना है कि हम चाहते है कि हमारी बात सुनी जाए।

पंद्रह मंजिला गोल्डन कायालोरम के निवासियों का कहना है कि उनके परिसर को गलत तरीके से अन्य तीन आवासीय परियोजनाओं से साथ जोड़ दिया गया है, जिन्हें तटीय नियमन क्षेत्र (सीआरजेड) के नियमों का उल्लंघन के कारण कोर्ट ने गिराने का आदेश दिया है।

इस अपार्टमेंट के निवासियों ने सुप्रीम कोर्ट में उपचारात्मक याचिका (क्यूरेटिव पिटिशन) दाखिल की है। शीर्ष अदालत ने आठ मई 2019 को मरदू पंचायत के तहत आने वाली उनकी बिल्डिंग के साथ तीन अन्य अपार्टमेंट परिसरों को गिराने का आदेश दिया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उपचारात्मक याचिका पर सुनवाई के लिए कोई तिथि नहीं तय की है। लेकिन याचिका पर प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, जस्टिस एसए बोबडे और एनवी रमन्ना के साथ दो अन्य जस्टिस अरुण मिश्रा तथा एस रविन्द्र भट्ट, जिन्होंने ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया था, की बेंच सुनवाई करेगी।

रंगबिरंगा गोल्डन कायालोरम टॉवर

सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्येक प्रभावित फ्लैट मालिकों को 25-25 लाख रुपये बतौर मुआवजा देने का आदेश दिया है लेकिन गोल्डन कायालोरम में करीब 40 परिवारों का कहना है कि उनका अपार्टमेंट कॉम्पलेक्स सीआरजेड नियमों का उल्लंघन नहीं करता और यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित जांच समिति थी जिसने 'कोर्ट को गुमराह' किया। गोल्डन कायालोरम रेजीडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कोमोडोर (सेवानिवृत्त) मैथ्यू वर्गीज कहते है यह आदेश हमारा पक्ष सुने बगैर या इस तथ्य को देखे बगैर कि हम सीआरजेड श्रेणी में नहीं आते, जारी किया गया है।'

उन्होंने कहा ' सीआरजेड के बारे में कुछ नहीं कहा गया। अदालत ने हमारे मामले को तीन अन्य रिहायशी भवनों-होली फेथ बिल्डर्स, अल्फा वेंचर्स और जैन बिल्डर्स के साथ जोड़ दिया। इन परियोजनाओं को सीआरजेड उल्लंघन के लिए जून 2007 में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। लेकिन गोल्डन कायालोरम को मरदू म्यूनिसपेलटी द्वारा केरल म्यूनिस्पल बिल्डिंग रूल्स के तहत नोटिस दिया गया था।'

संक्षिप्त समाचार

मुकेश शर्मा दिल्ली कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता नियुक्त

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने पार्टी के वरिष्ठ नेता मुकेश शर्मा को प्रदेश कांग्रेस का मुख्य प्रवक्ता और मीडिया कम्यूनिकेशन विभाग का चैयरमेन नियुक्त किया है। शर्मा हस्तसाल विधानसभा क्षेत्र का तीन बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह शीला सरकार में संसदीय सचिव के पद पर भी तैनात थे।

गोदाम में भीषण आग, तीन दमकलकर्मी घायल

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पीरागढ़ी इलाके में रविवार देर रात चार मंजिला रेक्सिन गोदाम में आग लग गई। बचाव अभियान के दौरान इमारत का एक हिस्सा ढहने से तीन दमकल कर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि दमकल विभाग को रविवार रात 12 बजकर 25 मिनट पर पीरागढ़ी स्थित गोदाम में आग लगने की जानकारी मिली थी। उन्होंने बताया कि तुरंत ही दमकल विभाग की 25 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आग लगने के बाद रात करीब ढाई बजे इमारत के पीछे का हिस्सा ढह गया था, जिससे तीन दमकल कर्मी घायल हो गए। घायलों की पहचान समर्थलाल मीणा और परवेश और धरमवीर के तौर पर हुई है।

सीएनजी वाहनों को छूट देने के लिए याचिका

नई दिल्ली। सम-विषम योजना से सीएनजी वाहनों को छूट देने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। भाजपा नेता नंद किशोर गर्ग ने इस संबंध में दो सप्ताह पहले याचिका दाखिल की थी, लेकिन उस समय अदालत ने यह कहते हुए याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया था कि उन्होंने याचिका में न तो दिल्ली सरकार को अभ्यावेदन भेजा है और न ही योजना का ब्यौरा दिया है। गर्ग ने नई याचिका में दावा किया कि इसके बाद उन्होंने 23 अक्टूबर को दिल्ली सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए अभ्यावेदन भेजा और अभी तक सरकार दवारा इस पर कोई कार्रवाई या निर्णय नहीं लिया गया, इसलिए उन्हें उच्च न्यायालय का रुख करना पड़ा। इस याचिका पर न्यायमूर्ति डी एन पटेल और न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की पीठ में सुनवाई होनी थी, लेकिन वकीलों की हड़ताल के चलते मामला टल गया। याचिका में कहा गया है कि सम-विषय योजना के तहत सीएनजी वाहनों को छूट देने के लिए अदालत दिल्ली सरकार को निर्देश दे।

मेट्रो पर गो एयर के यात्रियों के लिए चेक-इन सुविधा

नई दिल्ली। गो-एयर के यात्री अब नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर सामान चेक-इन की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सफर करने वाले गो-एयर के यात्री अब नई दिल्ली में अपना सामान चेक-इन के लिए दे सकते हैं और वहीं से बोर्डिंग पास भी हासिल कर सकते हैं। उड़ान सेवा गो-एयर ने एक बयान में कहा अबूधाबी, फुकेट, बैंकॉक, मस्कट और माले जाने वाले गो-एयर के यात्री अपनी उड़ान से छह घंटे पहले से अब नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर सामान चेक-इन की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। मेट्रो स्टेशन में गो-एयर के काउंटर पर सामान की चेक-इन के तुरंत बाद यात्रियों को बोर्डिंग पास जारी किया जाएगा।

पूर्व आईपीएस चतर सिंह पारचा आप में शामिल

नई दिल्ली। पूर्व आईपीएस व भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य चतर सिंह पारचा और सुंदर नगरी से सपा की पूर्व निगम प्रत्याशी रानी खान आम आदमी पार्टी में शामिल हो गई हैं। उन्होंने समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। गौतम ने दोनों नेताओं का पार्टी टोपी और टपका पहनकर स्वागत किया। आम आदमी पार्टी के अनुसार चतर सिंह पारचा दिल्ली से वाल्मीकि समुदाय से पहले आईपीएस अधिकारी बने थे। भारतीय पुलिस सेवा में इन्होंने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। आईबी में 25 वर्षों तक वरिष्ठ पदों पर जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश व अरुणाचल प्रदेश जैसे स्थानों पर कार्य करते हुए विशिष्ट सेवा के लिए भारतीय पुलिस पदक व राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किए गए। पारचा पश्चिम बंगाल से पुलिस महानिदेशक के पद से वर्ष 2008 में सेवानिवृत्त हुए।

द्वारका जिला पुलिस की एंटी कारकोटिक्स टीम द्वारा पकड़ा गया आरोपी।

डेढ़ करोड़ की कोकिन के साथ पकड़ा विदेशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

द्वारका जिला पुलिस के एंटी नारकोटिक्स स्क्वायड ने नशीले पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक अफ्रीकी नागरिग को सेवक पार्क द्वारका मोड़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी ओरजी यूजीनजीदेवफोर के कब्जे से 1.5 करोड़रुये की 150 ग्राहम कोकिन जब्त की गई है।

वह वर्ष 2015 में नाइजीरिया से तीन महीने के वीजा पर भारत आया था। वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद से वह गैर कानूनी तरीके से यहां रह रहा था। वह दिल्ली एनसीआर में नशीले पदार्थ की तस्करती करता था। पुलिस ने उने संबंधित कोर्ट में पेशा किया जहां से अदालत ने दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

दिल्ली एनसीआर में करता था आपूर्ति

पुलिस उपायुक्त एंटो एल्फोंस के अनुसार, जिले के उत्तम नगर, डाबड़ी और बिंदापुर में बड़ी संख्या में अफ्रीकी नागरिक रहते हैं। इसके मद्देनजर एंटी नारकोटिक्स स्क्वायड की इन लोगों पर पैनी नजर रहती है। इस बीच मुखबिर से यह जानकारी भी मिली थी कि कुछ विदेश नागरिक दूसरे कारोबार की आड़ में मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं। गत 2 नवंबर को इंस्पेक्टर राम किशन, एएसआई विनोद, हवलदार जगत, अमित, सिपाही विनोद अशोक और सुंदर की टीम ने द्वारका मोड़ पर बैरिकेड लगाकर वाहनों की जांच कर रहे थे। तभी सिपाही मनोज कुमार को एक संदिग्ध अफ्रीकी नागरिक हाथ में पोलिथीन बैग लिए पैदाल आता हुआ दिखाई दिया।

पुलिस ने रोक कर उसे दस्तावेज दिखाने के लिए कहा तो वह भागने की कोशिश करने लगा लेकिन वहां मौजूद अन्य पुलिस कर्मी दौड़ाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में उसके पास 150 ग्राम कोकीन बरामद हुई। इसके बाद उसके खिलाफ बिंदापुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सासंद हंसराज के ऑफिस के बाहर चलाईं गोलियां

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रोहिणी इलाके में सोमवार को भाजपा सांसद हंसराज हंस के कार्यालय के बाहर एक व्यक्ति ने कथित तौर पर दो-तीन गोलियां चलाईं। पुलिस के अनुसार इस घटना के सीसीटीवी फुटेज में भगवा कुर्ता और सफेद पायजामा पहना एक व्यक्ति सांसद के कार्यालय के बाहर गोलियां चलाता हुआ नजर आ रहा है।

पुलिस के मुताबिक संदेह है कि करीब 50 साल का वह व्यक्ति घटना के वक्त नशे की हालत में था। उसने गोलियां चलाने से पहले वहां बखेड़ा किया और गाली-गलौज की। उस वक्त ऑफिस में कोई मौजूद नहीं था। संदिग्ध की पहचान कर ली गई है।

राजस्थान-चंडीगढ़ में दो लोगों की हत्या करने वाला गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने कुख्यात बदमाश मनजीत उर्फ राहुल उर्फ मोटा को अंबरहाई मोड द्वारका से गिरफ्तार किया है। वह गैंगस्टर राजू बसोदी, संपत नेहरा और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य है। मनजीत कई अन्य जघन्य अपराधों समेत अन्य वारदातों में शामिल रहा है। इसके अलावा वह राजस्थान और चंडीगढ़ के दो सनसनीखेज हत्या के मामलों में वांछित था। उसके कब्जे से सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल, तीन कारतूस जब्त किए गए हैं।

पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव के अनुसार, गत 3 नवंबर को एसआई तरुण राणा को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि एसीपी संजय दत्त की निगरानी में राजू बसोदी गैंग का सदस्य हथियार से लैस मनजीत अंबरहाई मोड़ द्वारका आएगा।

इसके बाद इंस्पेक्टर चंद्र बिष्ट और रमेश चंदर डबास समेत अन्य की टीम बनाई गई और इलाके में तैनात कर दिया गया। काफी देर इंतजार करने के बाद एक युवक आता हुआ दिखाई दिया। मुखबिर ने लड़के की पहचान मनजीत बताने पर गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सेमी ऑटो पिस्टल और तीन जिंदा करतूस जब्त किया। उसकी गिरफ्तारी से सोनीपत, कुंडली सदर बाजार सोनीपत, कुंडली में कई आपराधिक केस दर्ज हैं।

निर्भया के 3 दोषियों ने बदली रणनीति, नहीं गए सुप्रीम कोर्ट

तिहाड़ जेल प्रशासन और दिल्ली सरकार के नोटिस का दाखिल किया जवाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्भया गैंगरेप और हत्याकांड के दोषियों ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की दरवाजा नहीं खटखटाया। मौत की सजा में कमी या उससे माफी के लिए चारों दोषी दया याचिका दाखिल करने से इनकार कर चुके हैं। दूसरी ओर, पहले से तय और आगे की सोची-समझी रणनीति के तहत जेल में बंद चार में से तीन दोषियों ने सोमवार को दिल्ली सरकार और जेल प्रशासन को उनके नोटिस का जवाब जरूर दाखिल कर दिया।

एजेंसी के मुताबिक, तिहाड़ जेल में बंद दो मुजरिमों (विनय कुमार शर्मा और अक्षय कुमार सिंह) व दिल्ली की मंडोली जेल में बंद पवन कुमार गुप्ता के वकील डॉ. अजय प्रकाश सिंह ने इसकी पुष्टि की। तिहाड़ प्रशासन ने 29 अक्टूबर को दोषियों को आगाह किया था कि उनके पास दया याचिका के लिए मात्र सात दिन बाकी बचे हैं। वे चाहें तो इन सात दिनों के अंदर राष्ट्रपति के सामने दया याचिका दाखिल कर सकते हैं।

वकीलों ने अपने-अपने मुवक्किलों से जेलों में जाकर कई घंटे गहन बातचीत की थी। इसके बाद तय हुआ कि चार में से तीन (चौथे आरोपी मुकेश की रणनीति का अभी खुलासा नहीं हुआ है) मुजरिम जेल से मिले नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे, न कि राष्ट्रपति के सामने दया याचिका दाखिल करेंगे।

तीनों (विनय, अक्षय, पवन) में से अक्षय की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल किए जाने की उम्मीद थी, जबकि बाकी दोनों मुजरिमों यानी विनय और पवन की तरफ से क्यूरेटिव पिटीशन सुप्रीम कोर्ट में डाले जाने की संभावना थी, लेकिन तीनों सजायाफ्ता मुजरिमों के वकीलों ने सोमवार को रणनीति बदल दी।

अक्षय कुमार सिंह और विनय कुमार शर्मा के वकील डॉ. अजय प्रकाश सिंह ने कहा कि कानून सबके लिए समान है। हमारे मुवक्किलों के लिए जब कई दिनों की एक साथ छुट्टियां पड़नी तय थीं तभी 29 अक्टूबर को जेल प्रशासन और दिल्ली सरकार ने राष्ट्रपति के यहां दया याचिका भेजने के लिए सात दिन का नोटिस दे दिया, यह सरासर कानून का मजाक था।

उन्होंने कहा कि पवन कुमार गुप्ता की उम्र को लेकर केस हाई कोर्ट में लंबित है जबकि विनय और अक्षय को लेकर भी याचिकाएं डालने का अधिकार बाकी है। ऐसे में सीधे-सीधे मुजरिमों को नोटिस देना कानूनन गलत है।

अधिवक्ताओं ने अदालतों में रखा वर्क सस्पेंड

प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा, गुरुग्राम।

गत सप्ताह देश की राजधानी स्थित तीसहजारी अदालत परिसर में पार्किंग को लेकर हुए विवाद व पुलिस कार्यवाही को लेकर अपना रोष प्रदर्शन करने के लिए सोमवार को पंजाब एंड हरियाणा बार काउंसिल के आह्वान पर जिला बार एसोसिएशन ने सभी अदालतों में वर्क सस्पेंड रखा, जिससे दूर-दराज से आने वाले मुवक्किलों के मामलों की सुनवाई अदालतों में नहीं हो सकी और वे काफी परेशान भी दिखाई दिए। प्रॉक्सी अधिवक्ताओं ने मुवक्किलों को जिला अदालतों से उनके मामलों में सुनवाई के लिए अगली तारीखें दिलवाईं।

जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मीर सिंह यादव व सचिव कमलजीत कटारिया ने बताया कि अधिवक्ताओं ने काली पट्टी बांधकर अपना रोष प्रकट किया और पूरे देश में एडवोकेट्स प्रॉटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग करते हुए तीसहजारी अदालत के अधिवक्ताओं को न्याय दिलाने का आग्रह भी सरकार से किया। जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष कुलभूषण भारद्वाज, संतोख सिंह, पर्वत सिंह ठाकरान, पूर्व उपाध्यक्ष जितेंद्र कौशिक व पूर्व सचिव पंडित अरुण शर्मा बार के सदस्यों के साथ उपायुक्त को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देने के लिए भी पहुंचे और उन्होंने उपायुक्त को ज्ञापन देते हुए मांग की कि न्याय दिलाने वालों के साथ ही जब पुलिस बर्बरता से पेश आती है तो आम जनता के साथ पुलिस का क्या बर्ताव होता होगा। इसलिए मामले की जांच कर दोषी पाए गए पुलिस अधिकारियों व कर्मियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के सभी अधिवक्ता तीसहजारी अदालत के अधिवक्ताओं के साथ हैं। प्रदेश की सभी बार एसोसिएशनें उनको हरसंभव सहयोग करेंगी। अधिवक्ता अदालत परिसर में एकत्रित होकर नारे लगाते हुए दिखाई दिए।

सोहना अदालत में अधिवक्ताओं ने वर्क सस्पेंड रखा

सोहना। दो दिन पहले दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट परिसर में पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच हुए झगड़े को लेकर स्थानीय अदालत व तहसील परिसर में वकीलों ने कामकाज ठप रखा। वकीलों ने सोमवार को वर्कआउट रखते हुए किसी भी प्रकार के केस पर सुनवाई व बहस नहीं की। अदालतों में केसों की आगामी तारीखें ली गईं। सोमवार को सोहना की उपमंडलीय न्यायिक परिसर में अधिवक्ताओं ने अपना कामकाज ठप रखा। जिसका कारण दो दिन पहले दिल्ली के तीस हजारी न्यायिक परिसर में दिल्ली पुलिस व अधिवक्ताओं के बीच हुई झड़प रहा। अधिवक्ताओं ने कोर्ट परिसर के अलावा तहसील परिसर में भी वर्कआउट रखा। जहां पर किसी प्रकार का कामकाज नहीं किया। उपमंडलीय न्यायिक परिसर में अधिवक्ता राजकुमार कनौजिया ने बताया कि सोमवार को अदालतों में लगे केसों पर तारीख ली गई। किसी प्रकार की कोई बहस या जिरह नहीं की गई। सोहना बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान रजनीश अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली तीस हजारी कोर्ट में गोली चलाने वाले पुलिस कर्मियों पर कानूनी कार्रवाई की जाए।

खेतों में कूड़ा व पराली जलाने वालों पर होगा केस दर्ज

नूंह। हरियाणा की मुख्य सचिव केसनी आनंद अरोड़ ने कहा कि पर्यावरण को लेकर राज्य सरकार बहुत गंभीर है। जिलों के उपायुक्त यह सुनिश्चित करें कि खेतों में अवशेष पर आग लगाने वालों पर तुरंत एफआईआर दर्ज हो। जहां भी कूड़े में आग लगाने की सूचना मिलती है तो उस पर भी तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। श्रीमती अरोड़ा सोमवार को पर्यावरण विषय पर जिलों के उपायुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग में बोल रही थीं।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर रोज दोपहर बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से भेजे गए निर्धारित प्रफोर्मा में संबंधित विभाग रिपोर्ट देंगे। इसमें निर्माण, मिक्स प्लांट्स, टूटी सड़कों, पराली, कूड़ा, वाहन के जाम, अवैध पार्किंग व अन्य किसी तरह से हुए प्रदूषण की रिपोर्ट शामिल है। इसमें हर रोज अधिकारियों ने कितना निरीक्षण किया तथा कितने डिफॉल्टर मिले तथा उन पर जुर्माने व एफआईआर आदि की क्या कार्यवाही की गई, इस सबकी जानकारी देनी होगी।

बदलते-बढ़ते गुरुग्राम में पूर्वांचली लोगों का खास योगदान : शर्मा

पायनियर समाचार सेवा, गुरुग्राम।

हरियाणा डेयरी विकास सहकारी प्रसंघ के चेयरमैन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जीएल शर्मा ने कहा कि गुरुग्राम की संस्कृति में छठ पूजा पूरी तरह रच-बस गई है। यही कारण है कि यहां की संस्कृति में छठ पूजा का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि दिनों-दिन बढ़ते-बदलते गुरुग्राम में पूर्वांचली लोगों का खास योगदान है। पूर्वांचली लोगों ने गुरुग्राम को अपनी कर्मभूमि बनाने के साथ ही यहां की तरक्की में अपना पूरा योगदान दिया है। मौजूदा परिप्रेक्ष्य में देखें तो हरियाणवीं और पूर्वांचली संस्कृति एक दूसरे की पूरक लगती है।

श्री शर्मा छठ पूजा समिति सेक्टर 45 (कन्हैई) की ओर से लॉन टेनिस ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय छठ पूजा महोत्सव के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। कार्यक्रम में पहुंचने पर छठ पूजा समिति के संरक्षक पीएन सिंह, दीपक वर्मा, अध्यक्ष रमन कुमार, महासचिव दीपक श्रीवास्तव, स्वाभिमान भारत के सजन सिंह यादव सहित अन्य ने पुष्प गुच्छ देकर श्री शर्मा का स्वागत किया। अपने संबोधन में जीएल शर्मा ने कहा कि छठ पूजा शहर के श्रेष्ठ आयोजनों में से एक है।

उन्होंने समिति की तारीफ करते हुए कहा कि लगातार नौ वर्षों से समिति यहां लोगों को छठ पूजा का अवसर प्रदान कर रही है। यहां पुराने और नए गुरुग्राम के करीब 15 हजार लोग सामूहिक रूप से छठ पूजा में शिरकत करते हैं। यह अपने आप में अनूठा है। समिति के महासचिव दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि समिति की और से यह नौवां छठ पूजा महोत्सव था। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृखंला में भजन संध्या का आयोजन किया गया। पहले दिन मथुरा के कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन दिल्ली, मुंबई और पूर्वांचल के कलाकारों ने विभिन्न भाषाओं में अपनी प्रस्तुतियां दीं।

गुर्जर महासम्मेलन में देशभर के प्रतिष्ठित लोग लेंगे हिस्सा

गुरुग्राम सेक्टर 61 में 6 नवंबर को आयोजित होगा महासम्मेलन

पायनियर समाचार सेवा, गुरुग्राम।

समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ राष्ट्रीय गुर्जर महासम्मेलन का आयोजन आगामी छह नवंबर को गुरुग्राम के सेक्टर 61 में आयोजित किया जाएगा। इसमें गुर्जर समाज से जुड़े सभी संगठन व सभा, बुद्धिजीवी, राजनेता, प्रसिद्ध इतिहासकार, अभिनेता व समाजसेवी सहित हजारों की संख्या में गणमान्य लोग पहुंचेंगे। उक्त जानकारी गुर्जर नेता अनंतराम तंवर ने देते हुए बताया कि यह राष्ट्रीय गुर्जर महासम्मेलन समाज में फैली बुराइयों को लेकर आयोजित किया जा रहा है। इस महासम्मेलन में देश के सभी प्रदेशों से प्रतिष्ठित लोग हिस्सा लेंगे। इस दौरान स्वर्गीय राजेश पायलट गुर्जर धर्मशाला का भी उद्घाटन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि समाज में दहेज प्रथा, बाल विवाह, शराब के बढ़ते चलन सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। पूरे देश का गुर्जर समाज एकजुट होकर बुराइयों के खिलाफ सहमति बनाएगा। इस महासम्मेलन में गुर्जर समाज से जुड़े विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता पहुंचेंगे। महासम्मेलन की सभी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। समाज के लोग इस महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं। सभी प्रमुख लोगों को निमंत्रण पत्र पहुंचा दिए गए है तथा सभी ने महासम्मेलन में पहुंचने की सहमति दे दी है।

गोपाष्टमी का पर्व मनाया गया धूमधाम से

गुरुग्राम। शहर के विभिन्न क्षेत्रों स्थित गोशालाओं में गोपाष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में गोप्रेमी शामिल हुए। गोप्रेमियों ने प्रात: गोमाता का पूजन कर उन्हें गुड़, चना, हरा चारा आदि खिलाया। गोचारण शोभायात्रा भी निकाली गई। पंडित मुकेश शर्मा का कहना है कि गाय को माता यानी लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। गोमाता के पृष्ठदेश में ब्रह्म का वास है, गले में विष्णु का, मुख में रुद्र का, मध्य में समस्त देवताओं और रोमकूपों में महर्षिगण, पूंछ में अनंत नाग, खूरों में समस्त पर्वत, गोमूत्र में गंगादि नदियां, गोमय में लक्ष्मी और नेत्रों में सूर्य-चन्द्र विराजित हैं। कार्तिक माह की प्रतिपदा तिथि को भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रज वासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत उठाया था। इसलिए श्रीकृष्ण का नाम गोविंद पड़ा।

शिक्षा विभाग के आदेशों की निजी स्कूलों ने उड़ाईं धज्जियां

मौसम खराबी के कारण घोषित किया था दो दिन का अवकाश

पायनियर समाचार सेवा, सोहना।

शिक्षा विभाग के आदेशों की एक बार फिर निजी स्कूल संचालकों ने अनदेखी करते हुए धज्जियां उड़ाने का काम किया। शिक्षा विभाग द्वारा मौसम खराबी के कारण सोमवार और मंगलवार को दो दिन के लिए सरकारी अवकाश घोषित कर दिया गया था। इसके बावजूद सोमवार को खंड में दर्जनभर निजी स्कूल खुले रहे।

निजी स्कूल संचालक एक तरफ मान्यता के दौरान शिक्षा विभाग के सभी नियमों की पालना करने का दावा करते हैं। वहीं दूसरी और शिक्षा विभाग के आदेशों को सबसे पहले धज्जियां उड़ाने में ही निजी स्कूल संचालक आगे रहते हैं। पिछले तीन दिन से मौसम में चल रही खराबी के कारण रविवार को सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों को मंगलवार तक बंद रखने के आदेश जारी कर दिए गए थे। उक्त आदेश सरकारी स्कूलों के अलावा खंड व जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के तरफ से निजी स्कूल संचालकों को भी जारी कर दिए गए। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर भी उक्त आदेश बिजली की गति से भी तेज जारी हो गए थे। इन सबके बावजूद सोहना खंड में दर्जनभर निजी स्कूल खुले। जिन्होंने शिक्षा विभाग के आदेशों की परवाह तक नहीं की।

क्या कहना है अधिकारी का

सोहना के कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी अनिल मेहता का कहना है कि ऐसे स्कूलों की जांच की जा रही है, जो विभाग के आदेश के बावजूद खुले हैं। उनके खिलाफ जिला शिक्षा अधिकारी को लिखित में शिकायत की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

पेंशनधारकों की पेंशन बैंक खाते से जोड़ने की मांग

सोहना। सोहना के सामाजिक संगठन पचनंद स्मारक ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने पेंशनधारकों को हो रही परेशानी से निजात दिलाने के लिए मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ट्रस्ट द्वारा पेंशन वितरण का कार्य बैंक खातों से जोड़े जाने की मांग प्रमुखता से की गई थी। पिछले करीब 20 दिनों से सोहना डाकघर से जुड़े पेंशनधारकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 20 दिन बीत जाने के बावजूद सभी पेंशनधारकों को पेंशन नहीं मिली है। जिसका कारण डाकघर में तैनात कर्मचारियों के पद रिक्त होना तथा सर्वर डाउन की समस्या के कारण पेंशनधारकों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। इस समस्या का समाधान के लिए सोहना की पंचनंद स्मारक ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने सोहना एसडीएम डॉक्टर चिनार को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें मुख्य रूप से पेंशन को डाकघर से हटाते हुए बैंक खातों से जोड़ा जाए। ट्रस्ट के स्थानीय प्रधान तरूण कुमार का कहना है कि इसके अलावा पेंशन लेने के दौरान जो फार्म भरा जाता है, उस पर पार्षद की गवाही जरूरी न की जाए। जो बुजुर्ग पेंशन लेने के लिए डाकघर में आने के लिए असमर्थ हैं, उनकी पेंशन पार्षद या डाकघर विभाग कर्मचारी माध्यम से उसके घर पर दी जाए। एसडीएम डॉक्टर चिनार ने ट्रस्ट की उक्त मांगों को मुख्यमंत्री तक जल्द से जल्द पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

विद्याज्ञान के 2020-21 सत्र के लिए एडमिशन शुरू

नई दिल्ली। विद्याज्ञान लीडरशिप एकेडमी ने 2020-21 के एकेडमिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसकी प्रारंभिक लिखित परीक्षा 24 नवंबर को आयोजित होगी। विद्याज्ञान उत्तरप्रदेश के प्रतिभाशाली, आर्थिक रूप से कमजोर, ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए एक निशुल्क आवासीय स्कूल है। विद्याज्ञान में दो राउंड की प्रतियोगी परीक्षा के बाद हर साल प्रवेश के लिए 400 विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। आवेदन करने के लिए, https://www.vidyagyan.in/ पर एप्लाई किया जा सकता है।

पात्रता के मापदंड:

1- आवेदक किसी ग्रामीण स्कूल के ग्रेड पांच में अध्ययनरत हो।

2- लड़कियों की आयु 13 वर्ष या उससे कम हो तथा लड़कों की आयु 12 वर्ष या उससे कम हो।

3- विद्यार्थी ग्रामीण, कम आय वाले परिवारों से हों (जिनके परिवारों की संयुक्त आय एक लाख रुपये प्रतिवर्ष से ज्यादा न हो)

महाराजा दक्ष प्रजापति महासभा की बैठक आयोजित

गुरुग्राम। सामाजिक संस्था महाराजा दक्ष प्रजापति महासभा की बैठक का आयोजन जिले के गांव शिकोहपुर स्थित कार्यालय में संस्था के बलवीर सिंह की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें संस्था से जुड़े पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। सस्था के यशपाल प्रजापति ने बताया कि बैठक में संस्था द्वारा निर्णय लिया गया कि आगामी 29 जनवरी को संस्था द्वारा सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन शिकोहपुर में किया जाएगा। यह आयोजन पूरे रीति-रिवाजों के अनुसार किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा भी की गई। बैठक में संस्था के रामहेर बारावाल, त्रिलोक चंद, जय भगवान, कौशल किशोर, लखी राम, मनु देव, राजपाल, राजपाल, सुखबीर, चंदगीराम, बनवारी लाल आदि शामिल रहे।

उपायुक्त की माता ने गो-कल्याण महोत्सव का किया शुभारंभ

गुरुग्राम। उपायुक्त एवं नगर निगम के आयुक्त अमित खत्री की माता कृष्णा खत्री ने कार्टरपुरी स्थित कामधेनू धाम गोशाला में चार से 11 नवंबर तक चल रहे भारतीय गो कल्याण महा-महोत्सव 2019 के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कृष्णा खत्री ने पंडित कृष्ण मुरारी शास्त्री का आशीर्वाद लिया तथा कार्यक्रम में होने वाली कलश यात्रा सहित अन्य आयोजनों में भागीदारी की। लगातार 11 नवंबर तक चलने वाले इस महा-महोत्सव में भव्य कलश यात्रा, कथा, हवन, गोपाष्टमी गोभागवत, गोपूजन आदि के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में वृंदावन के प्रसिद्ध भजन गायक व श्याम परिवार के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भजन प्रस्तुति की जाएगी। श्रीमती खत्री ने गोशाला में गायों को भोजन करवाया तथा गोपूजन कर गो-माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से धर्मलाभ प्राप्त होता है।

वार्ड तथा सब-एरिया कमेटियों को दोहराने के बारे में आदेश पारित

पायनियर समाचार सेवा, गुरुग्राम।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा 22 दिसंबर 2018 गठित की गई वार्ड कमेटी/एरिया कमेटी/सब-एरिया कमेटियों को नगर निगम आयुक्त अमित खत्री द्वारा आदेश जारी करके दोहरा दिया है।

ज्ञात हो कि हरियाणा नगर निगम भागीदारी अधिनियम 2008 के प्रावधानों के अनुसार नगर निगम द्वारा 22 दिसंबर 2018 को वार्ड कमेटी, एरिया कमेटी और सब-एरिया कमेटी गठित की गई थी। वार्ड कमेटी का गठन वार्ड स्तर पर स्थानीय निगम पार्षद की अध्यक्षता में किया गया था तथा एरिया कमेटी क्षेत्र एवं कॉलोनी स्तर पर जबकि सब-एरिया कमेटी गली एवं मोहल्ला स्तर पर बनाई गई थी।

क्या हैं कार्य: एडीशनल म्यूनिसपल कमिश्नर वाईएस गुप्ता ने बताया कि एरिया कमेटी और सब-एरिया कमेटी क्षेत्र में लागू होने वाली योजनाओं और विकास कार्यों की प्राथमिकता निर्धारित करने एवं प्रस्ताव तैयार करके वार्ड समिति को भेजेंगी। इसके साथ ही स्ट्रीट लाइट, सड़कों, कम्यूनिटी वाटर टेप, स्वच्छता और क्षेत्र के भीतर ऐसी अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए स्थानों का सुझाव देंगी। क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं में कमी की पहचान करके उपचारात्मक उपायों का सुझाव देंगी तथा विकास कार्यक्रमों के लिए स्वैच्छिक श्रम और राशि में योगदान करने के साथ ही स्वयंसेवी टीमों के माध्यम से ऐसे विकास कार्यों की निगरानी करेगी। नागरिकों को टैक्स तथा यूजर चार्जिज का भुगतान करने के लिए प्रेरित करेंगी तथा टैक्स मैपिंग का पालन एवं समर्थन करेंगी। क्षेत्र में स्वच्छता और कचरा और कचरा संग्रहण कार्य, जलापूर्ति में अपनी भूमिका निभाएंगी तथा हॉकर्स विनियमन, पैदल चलने वालों और वाहन पार्किंग के लिए सुझाव देंगी। इसके सड़कों एवं सड़कों के किनारों, पार्क, पब्लिक गार्डन, फुटपाथ और बरसाती पानी निकासी के रख-रखाव के लिए सुझाव देंगी तथा स्ट्रीट फर्नीचर और बस स्टॉप की स्थापना एवं रख-रखाव में अपनी भूमिका निभाएंगी। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन के समय नगर निगम और उपायुक्त द्वारा आवंटित किए जाने वाले कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। नगर निगम द्वारा तय की गई सार्वजनिक सुरक्षा, जन स्वास्थ्य और सार्वजनिक सुविधाओं से संबंधित कोई अन्य मामलों में अपना सहयोग देंगी।

निगम भागीदारी अधिनियम 2008 के प्रावधानों के अनुसार वार्ड कमेटी/एरिया कमेटी/सब-एरिया कमेटी का गठन किया गया है, ताकि शहरी पर्यावरण में सुधार और सिविल सेवाओं के वितरण में निर्वाचित प्रतिनिधियों, नागरिकों और स्वैच्छिक समूहों की भागीदारी को सुनिश्चित हो सके। यह नागरिकों की संतुष्टि के लिए निवासियों की भागीदारी में एक लंबा सफर तय करेगी।

अमित खत्री, आयुक्त नगर निगम, गुरुग्राम

आरडब्ल्यूए ने किया खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन

गुरुग्राम। सेक्टर 40 क्षेत्र में निवास करने वाले परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाली सेक्टर 40 आरडब्ल्यूए द्वारा क्षेत्र के निवासियों व बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष आरएस यादव ने बताया कि संस्था इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर करती आ रही है। खेलकूद प्रतियोगिताओं में विभिन्न आयुवर्ग के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संस्था ने गत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें संस्था के सदस्य सपरिवार शामिल हुए। संस्था के कार्यों में सहयोग देने वाले लोगों को पुरस्कृत भी किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया था, जिसमें बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों के जीत लिया। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रतिभागियों को भी संस्था द्वारा पुरस्कृत किया गया।

मामला न्यायाधीश की पत्नी व पुत्र की हत्या का

अदालत में आज होगी गवाही

पायनियर समाचार सेवा, गुरुग्राम।

जिला अदालत में कार्यरत तत्कालीन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णकांत की पत्नी व पुत्र की उनके ही सुरक्षाकर्मी द्वारा गोली मारकर हत्या कर देने के मामले की सुनवाई मंगलवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर परमार की अदालत में होगी। जिला उप न्यायवादी अनुराग हुड्डा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अदालत इस मामले से संबंधित गवाहों की गवाहियां कराएगी, जिसके लिए अदालत ने गवाहों को गवाही के लिए नोटिस भेजकर अदालत में तलब किया हुआ है। गवाहों से आरोपी के अधिवक्ता जिरह भी करेंगे।

गौरतलब है कि गत वर्ष 13 अक्टूबर को सेक्टर 49 स्थित आर्केडिया मार्किट में खरीदारी करने के लिए जिला अदालत में कार्यरत तत्कालीन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णकांत की पत्नी रितु व पुत्र ध्रुव न्यायाधीश के सुरक्षाकर्मी महीपाल के साथ कार में गए थे। जब वे खरीदारी कर वापस आए तो सुरक्षाकर्मी महिपाल उन्हें कार के पास नहीं मिला था। काफी देर बाद जब महिपाल आया तो मां-बेटे ने नाराजगी जाहिर की थी। बताया जाता है कि तभी महिपाल ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से दोनों के ऊपर गोलियां चला दी थीं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रितु ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था, जबकि उपचार के दौरान गंभीर रूप से घायल ध्रुव की कई दिन बाद अस्पताल में मौत हो गई थी।

राजपूत समाज को सरकार में दिया जाए उचित प्रतिनिधित्व

बैठक में शामिल संस्था के सदस्य।

पायनियर समाचार सेवा, गुरुग्राम।

सामाजिक संस्था राजपूत महासभा की बैठक का आयोजन दिल्ली रोड स्थित कार्यालय में किया गया, जिसमें संस्था के सदस्य व पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। संस्था के प्रवक्ता आरपीएस चौहान ने बताया कि बैठक में सोहना विधानसभा क्षेत्र से संजय सिंह के विधायक बनने पर खुशी व्यक्त करते हुए राजपूत समाज ने सभा में प्रस्ताव पारित कर मुख्यमंत्री मनोहर लाल से आग्रह किया कि प्रदेश सरकार में राजपूत समाज को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। संस्था ने निर्णय लिया कि विधायक संजय सिंह के सम्मान में समारोह का आयोजन किया जाएगा। बैठक में संस्था के सतेन्द्र सिंह चौहान, जतनबीर राघव, रतन सिंह राघव, अनिल चौहान, कुलदीप चौहान, अशोक राघव, अरुण चौहान, संतोष छोंकर, महेश चौहान, सुभाष राघव, राजकुमार, रामनिवास चौहान, राजेंद्र राघव, हंसराज राघव, राम किशन चौहान, मान सिंह चौहान, बीर सिंह तंवर, हरिश चौहान, उदय वीर राघव आदि मौजूद रहे।

हारमनी महोत्सव में कलाकार दिखाएंगे प्रतिभा

23 नवंबर से एक दिसंबर तक करनाल में मनाया जाएगा

पंकज शर्मा। करनाल

देश ओर विदेश के सांस्कृतिक क्षेत्र में करनाल को एक नई पहचान देने वाले महोत्सव हारमनी 2019 के लिए काउंटडाऊन शरू हो चुका है। वर्ष 2007 में शुरू हुए इस कार्यक्रम की लोकप्रियता हर वर्ष बढ़ती नजर आई और अब तो देश ही नहीं विदेश में भी करनाल के इस सांस्कृतिक महोत्सव की चर्चा जोरों पर रहती है। उभरते हुए कलाकारों के साथ-साथ जाने माने कलाकार व कला ग्रुप हारमनी में भाग लेकर खुशी महसूस करते हैं।

सामाजिक व सांस्कृतिक क्षेत्र में छह बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवा चुकी जानी मानी संस्था नेशनल इंटीग्रेटिड फोरम ऑफ आर्टिस्टस एण्ड एक्टिविस्ट्स (निफा) के इस प्रसिद्द कार्यक्रम का आयोजन इस बार 23 नवंबर से एक दिसंबर तक करनाल के केन्द्र में बनाए गए डॉ. मंगलसेन सभागार में होगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए निफा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रितपाल सिंह पन्नु ने बताया कि हारमनी 2019 में पूरे देश से सामाजिक कार्यकर्ता व युवा कलाकार पहुंच रहे हैं व 9 दिन तक करनाल के नागरिकों को जहां पूरे देश की विभिन्नता में निहित एकता के दर्शन मंच की प्रस्तुतियों के माध्यम से देखने को मिलेंगे, वहीं 25 नवंबर को राष्ट्रीय एकता रैली के माध्यम से सभी प्रतिभागी अपनी अपनी पारंपरिक वेशभूषा में करनाल की सड़कों पर रैली के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का संदेश देंगे।

उन्होंने बताया कि हारमनी 2019 में विगत वर्षों की भांति विदेशी कलाकार भी पहुंच रहे हैं व उन्हें रूस, जापान, बांग्लादेश, नेपाल के कला-ग्रुपों की सहमती प्राप्त हो चुकी है व इसके अतिरिक्त कुछ और देशों के कलाकार भी इस आयोजन में भाग लेकर विदेशी कलाओं की प्रस्तुति देंगे। निफा के संयोजक एडवोकेट नरेश बराना ने बताया कि इस बार हारमनी में उभरते हुए कलाकारों को मौका देने के लिए सांस्कृतिक महोत्सव के साथ-साथ प्रतियोगिताएं भी रखी गई हैं, जिनमें गायन, नाटक व नृत्य के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के लिए मंच तलाश रहे कलाकार भाग ले सकते हैं। हर विधा के प्रतिभागियों को सर्टीफिकेट के साथ-साथ पहले दूसरे व तीसरे स्थान पर रहने पर नगद पुरस्कार भी दिए जाएंगें व साथ ही निफा की ओर से अन्य देशों में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर भी प्राप्त होगा।

निफा महासचिव प्रवेश गाबा ने बताया कि जिस प्रकार हारमनी 2017 में कई राज्यों के राज्यपाल, हरियाणा के मुख्यमंत्री, अन्य देशों के राजदूत, बॉलीवुड, सामाजिक व खेल जगत की बड़ी हस्तियों जिसमें प्रसिद्द गायक सोनू निगम, यशपाल शर्मा, अभिनेता सुरेन्द्रपाल, दर्शन, अमन वर्मा शामिल रहे, उसी प्रकार इस वर्ष भी राजनीति, बालीवुड, सामाजिक व खेल जगत की नामचीन हस्तियां हारमनी के मंच की शोभा बढ़ाएंगी।

भाजपा प्रत्याशी नागेंद्र के दफ्तर में तोड़फोड़ पर दो हुए गिरफ्तार

पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश कर लिया रिमांड पर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा प्रत्याशी नागेंद्र भड़ाना के कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ करने वाले दो आरोपियों को अपराध शाखा बड़खल की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया है। पुलिस पूछताछ कर अन्य आरोपियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

थाना सारन में दर्ज मामले के मुताबिक पर्वतीय कालोनी निवासी विरेंद्र ने गत 25 अक्टूबर को पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि वह भाजपा प्रत्याशी नागेंद्र भडाना के 60 फुट रोड पर स्थित कार्यालय में चौकीदार है। 20 अक्टूबर की रात को वह कार्यालय में दो गाड़ियों पर सवार होकर कुछ लोग आए। इन लोगों ने आते ही गाली-गलौच करते हुए कार्यालय में तोड़फोड़ शुरू कर दी। सभी हमलावर हथियारों से लैस होकर आए थे। तोड़फोड़ करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। बाद में पुलिस आयुक्त केके राव ने मामले की जांच अपराध शाखा बड़खल को सौंप दी थी।

अपराध शाखा ने जांच पड़ताल के दौरान पिछले दिनों कांग्रेसी विधायक नीरज शर्मा के बड़े भाई मुनीश शर्मा और उनके समर्थकों से पूछताछ की थी। अपराध शाखा ने अब मामले में कार्रवाई करते हुए दयालपुर निवासी गौरव व एक अन्य युवक को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा प्रभारी विमल राय ने बताया कि दोनों को मामले में नामजद कर अदालत में पेश किया गया। जहां से उन्हें रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर अन्य आरोपियों का सुराग लगाने का प्रयास कर रही है।

अधिवक्ता को फोन पर दी जान से मारने की धमकी

फरीदाबाद। यहां के गांव लहडोला निवासी एक अधिवक्ता को कुछ लोगों ने फोन कर लगातार हाथ-पैर तोड़ने और जान से मारने की धमकी दी है। ये लोग अधिवक्ता को अपनी पुश्तैनी जमीन पर खेतीबाड़ी करने से रोकना चाहते हैं। अधिवक्ता ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है।

थाना छांयसा पुलिस के मुताबिक लहडोला गांव निवासी एवं जिला पार्षद पूनम अधाना के जेठ सुरजीत अधाना एडवोकेट ने अपनी शिकायत में कहा है कि उनकी मौजाबाद गांव में पुस्तैनी जमीन है। जिस पर वह खुद काश्तकार हैं। आरोप है कि एक नवंबर की रात को पम्मी नामक व्यक्ति की तरफ से उसे फोन पर धमकी दी गई है। पम्मी ने धमकी में कहा है कि वह उस जमीन पर काश्त करने के लिए न जाए। अन्यथा उसके हाथ-पैर तोड़ दिए जाएंगे। आरोप है कि उन्हें लगातार यह धमकी मिल रही है। जांच अधिकारी उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर जांच पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद मामला दर्ज किया जाएगा।

पुलिस के खिलाफ वकीलों ने की हड़ताल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में पार्किंग को लेकर हुए विवाद में पुलिस द्वारा वकीलों के बीच हुए संघर्ष में दर्जनों वकील घायल हुए हैं। इस घटना के विरोध में सोमवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया के आदेश पर जिला न्यायालय फरीदाबाद में वकीलों ने हड़ताल कर दी। हड़ताल के कारण काम के सिलसिले में कोर्ट आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सैकड़ों वकील सुबह 10 बजे ही लॉबी में कुर्सियां बिछाकर बैठ गए और बार एकता जिन्दाबाद व दिल्ली पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाते रहे। बार एसोसिएसन फरीदाबाद के जनरल सैक्टरी नरेन्द्र पाराशर व सिनियर वाइज प्रेजिडेन्ट नीरज सचदेवा ने बैठक कर सभी कोर्ट रूमों में हड़ताल की सूचना दी।

उल्लल्लेखनीय है कि एक वकील की कार दिल्ली हजारी कोर्ट में जेल वैन से टकरा गई थी। इस पर पुलिस ने वकीलों को लॉकअप में ले जाकर पीटा। जजों के कहने पर भी पुलिस ने वकीलों को बाहर नहीं निकाला। पुलिस ने कई राउंड गोलियां भी चलाईं, जिसमें एक वकील को गोली लगी। वरिष्ठ अधिवक्ता शिवदत्त वशिष्ठ ने कहा कि पुलिस ने चैंबरों में जाकर भी दर्जनों वकीलों को लाठी-डंडों से मारा। सभी अधिवक्ताओं ने पुलिस की इस कार्यवाही की निन्दा की और पुलिस के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग की। इस मौके पर बार काउंसिल के पूर्व सदस्य ओपी शर्मा, जेपी अधाना, सतेन्द्र भड़ाना, एमएस नागर, अनिल पाराशर, जोगिन्द्र चौहान, आरपी नाहर, दलपत सिंह, राधे श्याम पाराशर, आरसी पाराशर आदि सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद थे।

टैक्सेशन के वकीलों ने भी की हड़ताल

दूसरी तरफ से घटना के विरोध में एक्साईज एंड टैक्सेशन विभाग के अधिवक्ताओं ने भी सोमवार को कामकाज ठप रखा। अधिवक्ता ने इस दौरान पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिला टैक्स बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप सेठी ने लाठीचार्ज व गोलीबारी की कठोर निंदा की एवं एकजुट होकर तीस हजारी बार अधिवक्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने का आश्वासन दिया। इस दौरान मुख्य रूप से एचएस भाटी, संजय डिन्डे, सत्यवान नरवाल, डीआर चौधरी, बीएस शेखावत, सत्येन्द्र यादव, राजेश गुप्ता, बलबीर चौधरी, दीपक छाबरा, विजय शर्मा, महेश शर्मा, एसएन त्यागी, एके चौधरी, केके मिश्रा, एमएस शेखावत, टीएस शेखावत एवं अन्य कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

एस्टेट अफसर की स्थाई नियुक्ति के लिए ज्ञापन सौंपा

फरीदाबाद। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यालय में संपदा अधिकारी की स्थाई नियुक्ति की मांग को लेकर फरीदाबाद इस्टेट एजेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सोमवार नगराधीश बेलिना राणा को एक ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन का कहना है कि स्थाई संपदा अधिकारी नियुक्त न होने की वजह से प्लॉट धारकों के साथ उनके काम-काज पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

एसोसिएशन के महासचिव गुरमीत सिंह देओल ने बताया कि हुडा कार्यालय में संपदा अधिकारी की स्थाई नियुक्ति न होने की वजह से प्रोपर्टी के व्यवसाय से जुड़े लोगों के साथ प्लॉट धारकों को भी हर रोज परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थाई अधिकारी न होने की वजह से सैकड़ों ऑन लाइन और ऑफ लाइन फाइलें लंबित पड़ी हुई हैं। दूर दराज के शहरों में रहने वाले प्लॉट धारक, प्लॉट क्रेता और विक्रेता अपने काम के सिलसिले में हर रोज यहां आते हैं। अधिकारी मौजूद न मिलने पर उन्हें खाली हाथ लौटने के मजबूर होना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस समस्या की वजह से इस महंगाई और मंदी में प्रोपर्टी के व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। पदाधिकारियों ने महासचिव गुरमीत सिंह देओल के नेतृत्व में नगराधीश बेलिना राणा को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर श्याम अरोड़ा, अभिषेक मनचंदा, राजीव गुप्ता, पुनीत कथूरिया, योगेश खुराना मौजूद थे।

गर्भवती ने रैंप पर दिया बच्ची को जन्म

कर्मचारियों की लापरवाही के कारण गर्भवती महिलाओं को झेलनी पड़ रहीं परेशानियां

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके सिविल अस्पताल में कर्मचारियों की लापरवाही के कारण गर्भवती महिलाओं को खासी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। सोमवार को कर्मचारियों की लापरवाही से एक गर्भवती महिला ने बच्ची को रैंप पर जन्म दे दिया। बाद में एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने गर्भवती की डिलीवरी करवाई।

पर्वतीया विमल कुमार ने बताया कि उसकी पत्नी फूल कुमारी देवी नौ माह की गर्भवती थी। वह अपनी पत्नी को प्रसव पीड़ा होने पर अपनी साली अंजीता के साथ बीके अस्पताल लेकर पहुंच गया। जहां प्रथम तल पर नौ बजे कुछ नर्सों ने उन्हें अल्ट्रासाउंड दिखाने को कहा। अंजीता ने उन्हें बताया कि गर्भवती एक महीने पहले गांव से यहां रहने आई है, इसलिए उसके पास कोई जांच की पर्ची या अल्ट्रासाउंड नहीं है। स्टाफ ने सीधे उन्हें बाहर निकलने के लिए कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया। स्टाफ ने उनकी एक न सुनी और बिना किसी जांच के बाहर जाने की बात कह दी।

फिर जांच के लिए उन्हें किसी ने तृतीय तल पर भेज दिया। वहां सुरक्षाकर्मी ने उन्हें वापस जाने को कहा। वह रैंप के माध्यम से वापस आने लगी, तो उसी समय उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। अंजीता तृतीय तल पर मदद के लिए भागी। 303 कमरे में मौजूद कर्मचारी को उसने बताया कि डिलीवरी होने वाली है।

कर्मचारी मौके पर पहुंची और वह उसे प्रथम तल पर ले जाने का प्रयास करने लगी, लेकिन उसी दौरान फूल कुमारी की डिलीवरी हो गई। कर्मचारी ने साहस करते हुए डिलीवरी करवाई और जच्चा-बच्चा को सुरक्षित प्रसव कक्ष में दाखिल करवाया।

मामले की जांच होगी

पीएमओ डॉ. सविता यादव ने पायनियर से कहा कि यदि स्टाफ व कर्मचारियों ने गर्भवती को यहां से वहां चक्कर कटवाए हैं, तो इसकी जांच की जाएगी। लापरवाही करने वाले स्टाफ को बख्शा नहीं जाएगा।

नारायण गोशाला में धूमधाम से मनी गोपाष्टमी

फरीदाबाद। श्री सिद्धदाता आश्रम द्वारा संचालित नारायण गौशाला में गोपाष्टमी पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। जगदगुरू स्वामी श्री पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज ने बताया कि गौ सेवा का फल अनुपम होता है। जो गौ सेवा करते हैं, उनको समस्त देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

स्वामी जी ने कहा कि गौ के घी में आक्सीजन उत्पन्न करने की अद्भुत शक्ति होती है। इसके एक चम्मच घी को जलाने पर एक टन आक्सीजन पैदा होती है। इसीलिए भारतीय संस्कृति में यज्ञ और गौ द्रव्यों का विशेष महत्व बताया गया है। हमारे घरों में गौ घृत से दीये जलाने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी ने कहा कि गौ सेवा के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। इससे पहले स्वामीजी ने विधिवत गौ पूजन कर गौओं को ग्रास भी दिया और भक्तों को भी प्रसाद एवं आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर अनेक लोगों ने गौ सेवा के लिए बढ़ चढ़कर सहयोग करने का वचन दिया। भक्तों के एक समूह ने 11 लाख रुपये का चैक, 1100 किलो गुड़, 25 क्विंटल बाजरा आदि गौओं के लिए दान किए।

सूचना

एतद्द्वारा सेबी (सूचीयन दायित्वं एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 29 के साथ पठित विनियम 47 के अनुसरण में सूचना दी जाती है कि कम्पनी के निदेशक मंडल की एक बैठक सोमवार, 11 नवम्बर, 2019 को आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य के साथ, 30 सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु कम्पनी के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम (प्रोव.) विचारित और अनुमोदित किए जाएंगे। इस सूचना में दी गई जानकारी कम्पनी की वेबसाइट www.cubicalrealtors.com पर तथा स्टॉक एक्सचेंज नामतः बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर भी उपलब्ध है।

वास्ते क्यूबिकल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
हस्ता./-
अश्वनी कुमार गुप्ता
प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 04-11-2019

PUBLIC NOTICE

My Client N.P.Singh S/o Late Leela Singh R/o D1/77A, Om Vihar, Ph-V, Uttam Nagar, ND59 has disowned his daughter Mragnaini W/o Vijay Kumar R/o H.No.22-B-1, Extn. Sevak Park,ND-49 from his movable & immovable Property of my client, due to misbehaviour, disobedient & harmful towards my client. My Client has also severed all his relations with her. If anybody deals with her in any manner he or she all do so at his/her own risk. My Client shall not be responsible for the same in any manner.

Ramesh Anand (Advocate), Ch-68 Tis Hazari

PUBLIC NOTICE

Late **Mrs Baljeet Kaur** was the member of **Nirman Cooperative Group Housing Society Limited** having address at Plot Number 1 Mayur Vihar Phase 1 extension Delhi 110091 and was holding flat no 128 in the building of the society. she had nominated her husband Mr Jagmohan Singh who died on 05-08-2017. Mrs Baljeet Kaur died on 10-03-2018 without making any further nomination The Society hereby invites claims or objections from the heir or heirs or other claimants/objector or objections to the transfer of the said shares and interest of the deceased member in the capital/ property of the Society within period of 21 DAYS from the publication of this notice, with copies of such documents and other proofs in support of his/her/their claims/objections or transfer of shares and interest of the deceased member in the capital/property of the Society. If no claims/objections are received within the period Prescribed above the society shall be free to deal with the shares and intrest of the deceased member in the capital / property of the society in such manner as is provided under the bye- laws of the society. The claims / objections, if any, received by the society for transfer of shares and intrest of thedeceased member in the capital / property of the society shall be dealt with in the manner provided under the bye-laws of the society. A copy of the registered bye laws of the society is available for inspection by the claimants / objectors, in the office of the society/ with the secretary of the Society between 10:00 AM to 05:00 PM from the date of publication of this notice till the date of expiry of its period.

For & On Behalf Of
Nirman Cooperative Group Housing Society Limited
Sd/-
Hony Secretary

Place- New Delhi
Date : 01.11.2019

PUBLIC NOTICE

Be it known to all Concerned that my Client Sh. Lala Das S/o Sh. Babu Lal & her wife Kewal Wati both R/o O-49-50, Bhagat Singh Road, Chander Shekar Azad Colony, Kishan Ganj, Delhi have disowned and severed their all relations with their son Sh. Sanjay & his family. My client has also debarred them from their all moveable and immoveable properties and hereafter shall not be responsible for their acts, deeds and things whatsoever.

Arvind Bansal (Advocate)
Ch. No. 25, Old Court,
Kashmere Gate, Delhi-110006

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public that I Mr. Jitender Aggarwal owner of Left Portion of Property No. 1202, Area 50 Sq.Yds., Gali No. 10, Khasra No. 600/93 Govind Puri, Kalkaji, New Delhi, by virtue of Sale Deed dated 13.02.2018, Registeration No. 790, have misplaced SMC stating legal heirs of Late Mr. Tara Singh. All persons are hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone on the basis of the said missing SMC. If anyone has already carried out or being carried out kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 7 days of the present.

For Kumar & Associates
(Advocate & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg,Moti Nagar, New Delhi-15 Ph : 011-41112527-28
kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that my client IndusInd Bank Limited, having its branch at Plot No. 2E/1, 2nd floor, Jhandewalan Extension, New Delhi-55 is inclined to grant Loan facility to Sh. Sanjeev Bansal **against Entire Ground Floor along with 50% undivided** proportionate ownership rights in the land underneath along with the right to passage, easement and benefits (hereinafter referred as "Said Portion") out of Property bearing No. 9, in Block F, having area measuring 345 Sq. Yds situated in the residential colony known as Geetanjali Enclave, New Delhi (hereinafter referred as "Said Property"). Further Partition Deed was executed and registered between 1) Sh. Sanjeev Bansal & 2) Sh. Sunil Bansal vide duly registered as Document No. 8455, in Additional Book No.1, Volume No.6218 on 02.06.2006 in respect of the Said Property whereby Said Portion was Partition in favour of Sh. Sanjeev Bansal, but Sh. Sanjeev Bansal & Sh. Sunil Bansal omitted to execute and register additional Partition Deed in respect of the Said property. If any person(s) have any objection(s) of claim(s) with respect to the right, title or interest in the Said Portion/Said Property then contact us within 10 days from the date of this notice on the number mentioned herein below, failing which my client i.e. IndusInd Bank Limited, shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Himanshu (Advocate)
Ph.011-41830049, Em: ahuja61@hotmail.com

एटलस ज्वैलरी इंडिया लिमिटेड ATLAS
सीआईएन : L74140DL1989PLC131289
पंजी. कार्यालय : डीटीजे-719, सातवां तल, डीएलएफ टावर-बी, प्लॉट सं. 11, जासोला जिला, नई दिल्ली-110025
ई-मेल : info@atlasjewelleryindia.com फोन : 011-40541077 / 41041149
वेब : www.atlasjewelleryindia.com

सूचना

एतद्द्वारा सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 (एलओडीआर) के विनियम 29 के साथ पठित विनियम 47 के अनुसरण में सूचना दी जाती है कि कम्पनी के निदेशक मंडल की एक बैठक मंगलवार, 12 नवम्बर, 2019 को आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य के साथ 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त दूसरी तिमाही हेतु कम्पनी के अ-लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों तथा संगत अवधि हेतु सांविधिक लेखापरीक्षकों की सीमित पुनरीक्षण रिपोर्ट पर विचार और अनुमोदन किया जाएगा।

उक्त सूचना तथा अ-लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की प्रति कम्पनी की वेबसाइट www.atlasjewelleryindia.com तथा स्टॉक एक्सचेन्ज की वेबसाइट www.bseindia.com पर भी उपलब्ध होगी।

कम्पनी की अंतरंगी व्यापार रोकथाम आचार संहिता के अनुसरण में, कम्पनी की प्रतिभूतियों में लेन-देन हेतु व्यापार खिड़की, निदेशकों तथा संहिता के अधीन आवृत्त अन्य कर्मचारियों के लिए, सोमवार, 04 नवम्बर, 2019 से परिणाम सार्वजनिक किए जाने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते एटलस ज्वैलरी इंडिया लिमिटेड
हस्ता./-
चन्दन महापात्रा
(कम्पनी सेक्रेटरी एवं सीएफओ)

तिथि : 04.11.2019
स्थान : नई दिल्ली

होम्योपैथिक क्लीनिक में आग से लाखों रुपये का नुकसान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर सात-आठ की डिवाइडिंग रोड पर स्थित एक होम्यौपैथिक क्लीनिक में सोमवार की शाम अचानक आग लग गई। क्लीनिक के कर्मचारियों ने आग को बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी के साथ फैलती चली गई। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया।

पुलिस के अनुसार सेक्टर 7सी स्थित एक मकान में डॉ. एमएम अग्रवाल का निवास और बाहरी हिस्से में श्री बाला जी होम्यौपैथिक क्लीनिक है। क्लीनिक में काफी मात्रा में दवाई रखी हुई थीं। सोमवार शाम को अचानक क्लीनिक के एक हिस्से में आग लग गई। देखते ही देखते आग चारों तरफ फैलने लगी। क्लीनिक के कर्मचारियों ने आग को बुझाने का प्रयास भी किया, लेकिन आग ने थोड़ी ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने पर आस-पड़ोस के लोगों और क्लीनिक के कर्मचारियों ने पुलिस और फायर बिग्रेड को घटना की सूचना दी। सूचना पाकर फायर बिग्रेड की दो गाडियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने मकान के आस-पास खड़े लोगों को दूर किया। फायर बिग्रेड ने कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पा लिया। थाना प्रभारी अमन कुमार ने बताया कि अभी आग से हुए नुकसान के बारे में पता नहीं चल पाया है।

गैस कालाबाजारी में एजेंसी के दो कर्मचारी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पर्वतीय कालोनी स्थित एक खाली प्लॉट में बैठकर एक गैस एजेंसी के दो कर्मचारी सिलेंडरों से गैस चोरी कर नए सिलेंडर तैयार कर रहे थे। सूचना मिलने पर पर्वतीय कालोनी चौकी पुलिस ने छापा मारकर दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से गैस सिलेंडर भी बरामद किए हैं। दोनों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना सारन में दर्ज मामले के मुताबिक एयरफोर्स स्टेशन के पास स्थित बिंदु गैस एजेंसी में मूलचंद और प्रमोद नामक व्यक्ति सिलेंडरों की होम डिलिवरी करने का काम करते हैं। एजेंसी से गैस सिलेंडर लेने के बाद दोनों पर्वतीय कालोनी स्थित एक खाली प्लॉट में पर जाते थे। जहां आरोपी इन सिलेंडर से थोड़ी थोड़ी गैस चुराने के बाद नए सिलेंडर तैयार करते थे। इन सिलेंडरों को आरोपी ब्लैक में बेचने का धंधा काफी समय से चला रहे थे। सोमवार को भी दोनों खाली प्लॉट पर गैस चुरा रहे थे। तभी इसकी सूचना किसी ने पुलिस को दे दी। पर्वतीय कालोनी पुलिस चौकी प्रभारी राजकुमार ने अपनी टीम के साथ छापा मारकर दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया। चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक राजकुमार ने बताया कि मौके से 15 गैस सिलेंडर बरामद किए गए हैं। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

ऑर्थो डॉक्टर न होने पर नहीं हुआ हॉकी के खिलाड़ियों का मेडिकल

फरीदाबाद। देश के राष्ट्रीय खेल हॉकी के खिलाड़ियों को सोमवार को सिविल अस्पताल में चक्कर काटते हुए देखा गया। खिलाड़ियों ने बताया कि वे यहां अपना मेडिकल बनवाने आए हैं। उन्हें मेडिकल सर्टिफिकेट दस दिनों के भीतर कैथल में जमा करवाना है। ऑर्थो डॉक्टर न होने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है। सीही गांव निवासी भगत सिंह ने बताया कि उसके बेटे समेत 15 खिलाड़ी मेडिकल बनवाने के लिए पिछले कुछ समय से लगातार बीके सिविल अस्पताल के चक्कर काट रहे हैं। उनका मेडिकल टैस्ट ऑर्थो चिकित्सक न होने के कारण अधूरा पड़ा है। सोमवार को मेडिकल करवाने आए जुनैन, विकास, नितेश, यश, तरुण, देवराज, दीपू, सचिन, निहाल, योगेश, सन्नी, आदित्य, राकेश, देवेन्द्र, देव कुमार, देवराज, मयंक और कुणाल ने बताया कि वे सभी 23 से 24 अक्टूबर तक होने वाली सब जूनियर प्रतियोगिता में भाग लेने कैथल के पुंडरी गांव में गए थे। जहां से 25 अक्टूबर को वापस लौटे। उन्हें प्रतियोगिता के प्रमाण पत्र मेडिकल न होने के कारण नहीं दिए गए। अब उन्हें प्रमाण पत्र के लिए दस दिनों का समय दिया गया।

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड
Chola Enter a better life
पंजीकृत कार्यालय : प्रथम तल, 'डेयर हाउस' नंबर 2, एन.एस.सी. बोस रोड, चेन्नई-600 001
शाखा कार्यालय : प्लॉट नंबर 6, द्वितीय तल, मेट्रो पिलर नंबर 81 के सामने, पूसा रोड, करौल बाग, नई दिल्ली-110005

कब्जा सूचना (नियम 8(1) के तहत)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, इसमें आगे अधिनियम कहा गया है, के अधीन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली 2002 के नियम 9 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना(एं) कालम (सी) में वर्णित तिथियों को जारी की थीं, जिसमें कर्जदारों, जिनके नाम कालम (बी) में निदर्शित किए गए हैं, से कालम (डी) में निदर्शित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी। कर्जदार उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 9 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बैंक में बंधक रखी कालम (ई) में वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्जा कालम (एफ) में निदर्शित तिथियों को प्राप्त कर लिया है। कर्जदार को विशेष रूप से तथा जनसाधारण को कालम (ई) में वर्णित संपत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है और संपत्तियों के संबंध में कोई भी संव्यवहार चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड की कालम (डी) में निदर्शित बकाया राशि और उस पर ब्याज के प्रभाराधीन होगा।

क्र. सं.	कर्जदार का नाम एवं पता तथा ऋण खाता संख्या	मांग सूचना की तिथि	बकाया राशि	कब्जे में ली गई सम्पत्ति का विवरण	भौतिक कब्जा लेने की तिथि
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)
1.	(हमारी दिल्ली शाखा का ऋण खाता क्रमांक X0HEELD00001872221) श्री/सुश्री गोकुल अग्रवाल (कर्जदार), मधु अग्रवाल, मैसर्स कामाक्षी साड़ीज (सह-कर्जदार) सभी का पत्रव्यवहार हेतु पता : फ्लैट नंबर ए-703, 7वां तल,रोहिणी सम्राट, अशोक अपार्टमेंट, नई दिल्ली-110085 अन्य पता : प्लॉट नंबर 36/2, सेक्टर-9, रोहिणी, निकट मेन मार्केट, नई दिल्ली-110085 अन्य पता : ए-603, सेक्टर-9, रोहिणी सम्राट, अशोक अपार्टमेंट, दिल्ली-110085	24-05-2019	रू. 1,25,38,811.56 (रूपए एक करोड़ पच्चीस लाख अड़तीस हजार आठ सौ ग्यारह तथा पैसे छप्पन मात्र)	सम्पत्ति सुपर एचआईजी फ्लैट नंबर ए-703, सातवां तल, सम्राट अशोक सीजीएचएसएल अब अशोक अपार्टमेंट प्लॉट नंबर 36/2, सेक्टर-9, रोहिणी, दिल्ली चौहद्दी : उत्तर - रोड 45, दक्षिण - लेन 10, पूरब - सम्पत्ति सं. 227, पश्चिम - सम्पत्ति सं. 229	30-10-2019

स्थान : दिल्ली + एनसीआर तिथि : 05-11-2019 हस्ता./- (प्राधिकृत अधिकारी) वास्ते मैसर्स चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड

एडलवाइस रिटेल फाइनैंस लिमिटेड
Edelweiss Ideas create, values protect
पंजीकृत कार्यालय : टावर 3, विंग बी, कोहिनूर सिटी मॉल, कोहिनूर सिटी, किरोल रोड, कुर्ला (वेस्ट), मुंबई-400070

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3(1) के अधीन। अधोहस्ताक्षरी वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के तहत एडलवाइस रिटेल फाइनैंस लिमिटेड (ईआरएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी है। प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन मांग सूचनाएं जारी की थीं, जिनमें निम्नलिखित कर्जदार(रों) ("उक्त कर्जदार(रों)") से उनको जारी की गई संबंधित मांग सूचना(ओं) में वर्णित राशियां चुकाने की मांग की गई थी। उपरोक्त के संबंध में, एतद्द्वारा, उक्त कर्जदार(रों) को, एक बार पुनः, ईआरएफएल को यहां नीचे दी गई राशियों का भुगतान, उक्त कर्जदार(रों) द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेज/प्रलेख, यदि कोई, के साथ पठित ऋण अनुबंध के अधीन देय, नीचे वर्णित तिथि(यों) से, भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक, लागू दर पर आगे ब्याज सहित, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने हेतु सूचना दी जाती है। उक्त कर्जदार(रों) द्वारा ऋण की सम्यक वापसी के लिए प्रतिभूति के रूप में निम्नलिखित आस्तियां ईआरएफएल के पास बंधक रखी गई हैं।

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/सह-कर्जदार (रों) का नाम	मांग सूचना तिथि और राशि	प्रत्याभूत आस्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन
1.	(ऋण सं. : एलडीईएलएसएलई0000012911) मैसर्स मोदीनगर पेपर मिल्स लिमिटेड (कर्जदार) श्री अनुभव गुप्ता (सह-कर्जदार) श्री शुभम अग्रवाल (सह-कर्जदार) सर्वश्री ओंकार नाथ गुप्ता एचयूएफ (सह-कर्जदार) श्री भूपेन्द्र कुमार अग्रवाल (सह-कर्जदार) श्री विकास गुप्ता (सह-कर्जदार)	15-10-2019/ रू. 2,60,12,023.24/- (रूपए दो करोड़ साठ लाख बारह हजार तेईस तथा पैसे चौबीस मात्र)	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : सम्पत्ति विला नंबर एल-1, प्लॉट नंबर 170 एंव 171 भूमि परिमा 244.53 वर्ग मीटर, उसके ऊपर निर्मित मकान सहित, सुपर बिल्ट-अप एरिया 372.68 वर्ग मीटर (4010 वर्ग फीट) जिसमें भू तल : ड्राइंग कम डाइनिंग रूम + 2 बेडरूम + 2 टॉयलेट + किचेन + जीना + वरांडा, प्रथम तल : 3 बेडरूम + 2 टॉयलेट + फैमिली लाउंज + जीना + ओपन टेरेस, द्वितीय तल : 1 बेडरूम + 1 टॉयलेट + 2 यूटिलिटी रूम्स + जीना + ओपन टेरेस शामिल है, उसके साथ संबद्ध सभी उपभोग अधिकारों के साथ, जिसमें ग्राम सादिक नगर तथा डारगल, एनएच-58 मेरठ गाजियाबाद रोड, गाजियाबाद में "विला आनंदम" नामक कॉम्प्लेक्स में कॉमन एरियाज में आने तथा जाने और सेवाएं तथा सुविधाएं उपयोग करने का अधिकार शामिल है तथा जो नीचे दिए अनुसार परिबद्ध है : उत्तर : रोड, पूरब : प्लॉट नंबर 172-173, दक्षिण : अन्य भूमि, पश्चिम : ओपन/ग्रीन

यदि उक्त कर्जदार ईआरएफएल को उपरोक्तानुसार भुगतान करने में विफल रहेंगे, ईआरएफएल अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के अधीन उपरोक्त प्रतिभूत आस्तियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रारंभ करेगी, जिसकी लागत और परिणामों की जोखिम के लिए उक्त कर्जदार पूर्णरूपेण जिम्मेदार होंगे। उपरोक्त आस्तियों का अंतरण ईआरएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना बिक्री, पट्टा या अन्य प्रकार से करने के संबंध में उक्त कर्जदारों पर अधिनियम के तहत रोक लगी है। कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अधिनियम अथवा उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्ल

रक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय फायदे की भागीदारी पर भारत का जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र घरेलू तथा बाहरी बाजारों में उद्योग लगाने के लिए दोस्ताना संबंध वाले देशों के साथ द्विपक्षीय फायदे वाली भागीदारी करने की संभावनाएं तलाश रहा है। उन्होंने डिफेंस एक्सपो 2020 को लेकर राजदूतों की गोलमेज बैठक में कहा कि यह एक्सपो न सिर्फ भागीदार देशों को अपने उत्पाद का प्लेटफॉर्म प्रदर्शित करने का अवसर देगा, बल्कि वे परिचालन लक्ष्य को पाने के लिए भारत के रक्षा क्षेत्र की मजबूती तथा क्षमता जानने में भी सक्षम होंगे। यह प्रदर्शनी अगले साल उत्तर प्रदेश में आयोजित होगी। रक्षा मंत्रालय के वक्तरू में यह जानकारी दी गई है।

रक्षा मंत्री ने कहा, डिफेंस एक्सपो देशों के बीच भागीदारी को बढ़ाने तथा साझा समृद्धि का हिस्सा होने का अवसर देगा। ये मजबूत संबंध निवेश बढ़ाएंगे, विनिर्माण को विस्तृत करेंगे, प्रौद्योगिकी के स्तर को ऊपर उठाएंगे और संबंधित देशों की आर्थिक वृद्धि को गति देंगे। भारत का रक्षा क्षेत्र परिपक्व हो चुका है और घरेलू तथा बाहरी बाजार में उद्योग लगाने के लिए दोस्ताना देशों के साथ द्विपक्षीय फायदे वाली भागीदारियों की तलाश कर रहा है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विभिन्न देशों के दूतावास के प्रतिनिधियों को डिफेंस एक्सपो के लिए की गई तैयारियों की जानकारी देने तथा अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए उनसे सुझाव पाने के लिए इस बैठक का आयोजन किया गया। ग्यारहवां डिफेंस एक्सपो पांच से आठ फरवरी तक लखनउ में आयोजित होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम से 2025 तक विमानन एवं रक्षा क्षेत्र के माल एवं सेवाओं से 26 अरब डॉलर का टर्नओवर हासिल करने के सरकार के इरादे का पता चलेगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान उत्तर प्रदेश तथा तमिलनाडु में बनने वाले रक्षा उद्योग गलियारे को लेकर सरकार की योजनाओं का भी पता चलेगा। इन गलियारों के लिए पहले ही करीब एक अरब डॉलर के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा किए गए नीतिगत सुधारों के कारण सरकारी तथा निजी क्षेत्र दोनों में रक्षा उत्पादन 2018-19 में 80,502 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

आज रूस रवाना होंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को रूस की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री सिंह सेना और सैन्य तकनीकी सहयोग पर 19वें भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की सह अध्यक्षता करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। सिंह अपनी इस यात्रा के दौरान रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई शोइगू के साथ दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग और रक्षा औद्योगिक सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन विचार विमर्श करेंगे।

हैदराबाद में महिला तहसीलदार विजया रेड्डी की अपने परिवार के साथ फाइल फोटो, जिन्हें उनके कार्यालय में जलाकर मार दिया गया तथा (दाएं) विजया रेड्डी के कार्यालय में जले हुए कागजात, कुर्सी व अन्य सामान

महिला तहसीलदार की कार्यालय में जिंदा जलाकर हत्या की गई

एजेंसी। हैदराबाद

तेलंगाना में सोमवार को एक जघन्य घटना के तहत अब्दुल्लापुरमेट में एक महिला तहसीलदार को संदिग्ध भूमि विवाद के चलते उनके कार्यालय में दिनदहाड़े कथित रूप से एक व्यक्ति ने जिंदा जला दिया। पुलिस और राजस्व अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया विजया रेड्डी (30) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उन्हें बचाने की कोशिश में कार्यालय के दो अन्य कर्मचारी झुलस गए। साथ ही उन्होंने बताया कि हमलावर भी जल गया है।

घटना दोपहर करीब डेढ़ बजे हुई, जब विजया अपने कमरे में अकेली थीं। सुरेश नाम के एक स्थानीय व्यक्ति ने कथित रूप से वहां प्रवेश किया और उनके ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक उसका कोई भूमि विवाद था। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त महेश एम भागवत ने संवाददाताओं को बताया कि सभी तीन घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने बताया, किसी सरकारी कार्यालय में ऐसी घटना पहली बार हुई है। जिस व्यक्ति ने इस वारदात को अंजाम दिया, वह भी जल गया है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। वह हमारी हिरासत में है। वह करीब 50-60 प्रतिशत जल गया है। शुरुआती जांच के आधार पर उन्होंने बताया, ऐसा लगता है कि किसी जमीन विवाद के चलते हमला हुआ है। उसने ऐसा क्यों किया या किसी ने उसे ऐसा करने के लिए उकसाया, ये जांच के दौरान पता चलेगा।

दिनदहाड़े हुई इस घटना से तहसीलदार कार्यालय में कोहराम मच गया। घटना के समय विजया अपने कमरे में अकेली थीं। एक चश्मदीद ने बताया कि उनके कमरे से चीखने की आवाज आई और एक कर्मचारी दौड़कर तहसीलदार के कमरे में गया और उन्हें आग की लपटों से घिरा पाया। बाद में तहसील के कर्मचारियों ने घटना की जांच और न्याय के लिए विरोध प्रदर्शन किया जबकि तहसीलदार के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। तेलंगाना शिक्षा मंत्री पी सविता इंद्रा रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना की निंदा करते हुए मंत्री ने कहा कि घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

रिश्वतखोरी में अधिकारी के खिलाफ आरोपपत्र दायर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने करीब पांच साल पहले रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए कठुआ जिला अस्पताल के पूर्व चिकित्सा अधीक्षक के खिलाफ सोमवार को आरोपपत्र दायर किया।

कमलनाथ सरकार के खिलाफ भाजपा का किसान आक्रोश आंदोलन

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार पर किसानों से किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने सोमवार को किसान आक्रोश आंदोलन किया। भाजपा के आंदोलन के जवाब में कांग्रेस नेताओं ने भी प्रदेश के बाढ़ पीड़ित किसानों के लिए राहत पैकेज नहीं दिए जाने के विरोध में केन्द्र की भाजपा नीत राजग सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। भाजपा ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार के झूठे वादों के कारण किसान तनाव में हैं। विरोध प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार से बाढ़ और अतिवर्षा से प्रभावित किसानों को तुरंत राहत दिए जाने की मांग भी की। रीवा में विरोध प्रदर्शन करने से पहले प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जिले के पटना गांव में कथित तौर पर कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या करने वाले एक किसान के घर जाकर उसके परिजन से मुलाकात की।

हम असहाय हैं, पराली जलाने पर बोले पंजाब के किसान

एजेंसी। घरुआन (मोहाली)

पराली जलाने पर रोक के बावजूद राजधानी चंगडीढ़ से महज 20 किलोमीटर दूर पंजाब के इस गांव में खेतों में फसलों के अवशेष जलाने का क्रम अब भी जारी है। पराली को जलाए बिना उसके निस्तारण के उपकरणों की लागत का हवाला देते हुए एक किसान ने कहा, हम असहाय हैं। 35 वर्षीय किसान ने पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने पर रोक को लेकर प्रवर्तन एजेंसियों की कार्रवाई के डर से नाम नहीं बताया। माना जा रहा है कि पराली जलाने की इन घटनाओं की वजह से ही दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर बढ़ा है।

चार एकड़ जमीन पर खेती करने वाले किसान ने कहा कि वह अपने खेतों से पराली हटाने में देरी नहीं कर सकते क्योंकि अगली फसल बोनी होती है। उन्होंने कहा, अगर पराली नहीं जलाई तो गेहूं की बुवाई में देरी हो जाएगी और इससे अंतत फसल प्रभावित होगी। किसान ने कहा कि हैप्पी सीडर और अन्य ऐसी मशीनें उनके जैसे छोटे किसान के लिए फायदे का सौदा नहीं हैं। यह मशीन करीब डेढ़ लाख रुपए की आती है। इसके अलावा 65 हॉर्सपॉवर के ट्रैक्टर की जरूरत होती है। कुल मिलाकर आठ लाख रुपए का खर्च आता है जिसे वह वहन नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि इस तरह की मशीनों सहकारी समितियों द्वारा किराए पर दी जानी चाहिए। भारतीय किसान यूनियन (सिद्धूपुर) के किसान नेता मेहर सिंह थेरी ने पराली जलाए बिना उसके प्रबंधन के लिए सरकार से धान पर 200 रुपए प्रति कुंतल बोनस की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं हुआ तो किसान पराली जलाते रहेंगे।

थेरी ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार किसानों को जुर्माना लगाकर प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने हैप्पी सीडर जैसी मशीनों के इस्तेमाल पर संदेह जताया। थेरी ने कहा, हैप्पी सीडर का लगातार इस्तेमाल गेहूं की पैदावार को कम करेगा और यहां खेतों में यह बात सामने आई है। हालांकि राज्य सरकार का कृषि विभाग इस दावे को खारिज कर चुका है। गांव के एक किसान ने दावा किया कि पिछले साल इस मशीन के इस्तेमाल के बाद गेहूं की पैदावार 10 कुंतल प्रति एकड़ तक कम हो गई।

सिक्किम के मुख्यमंत्री और दो विधायकों ने ली सदस्यता की शपथ

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग उर्फ पी एस गोले और भाजपा के दो नव निर्वाचित विधायकों एस टी वेनचुंगपा तथा वाई टी लेपचा ने सोमवार को राज्य विधानसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष एल बी दास ने तीनों नए विधायकों को सदस्यता की शपथ दिलाने के लिए विधानसभा का एक दिन का सत्र बुलाया। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के प्रमुख तथा मुख्यमंत्री गोले ने 21 अक्टूबर को पोकलोक कामरांग विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में जीत दर्ज की। मुख्यमंत्री को कुल हुए मतदान में से 84 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने इस साल के शुरू में हुए विधानसभा चुनाव में दो सीटों से जीत हासिल की थी।

जम्मू में गार्ड ऑफ ऑनर परेड का निरीक्षण करते जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल जीसी मुर्मू

पुलिस जन विरोधी तत्वों से दृढ़ता से निपटे: जीसी मुर्मू

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल जी सी मुर्मू ने दरबार स्थानांतरण प्रक्रिया के तहत पुलिस मुख्यालय के सोमवार को पुनः खुलने के कुछ ही समय बाद उसका दौरा किया और अधिकारियों को सतर्क रहने एवं लोगों की सुरक्षा के विरोधी तत्वों से दृढ़ता से निपटने की सलाह दी। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लोक सचिवालय और सरकारी कार्यालय श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित हो गए और उनमें सोमवार से कामकाज शुरू हो गया। यह लगभग 150 साल पुरानी परंपरा है जिसके तहत सरकारी कामकाज गर्मियों में श्रीनगर से और सर्दियों में जम्मू से चलता है। इसे दरबार मूव (स्थानांतरण) कहा जाता है। गौरतलब है कि 31 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केन्द्र प्रशासित क्षेत्र के रूप में अस्तित्व में आए और इसके बाद लोक सचिवालय का यह पहला स्थानांतरण है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मुर्मू ने पुलिस, सेना, सशस्त्र सैन्य पुलिस बलों और असैन्य प्रशासन के बीच तालमेल की प्रशंसा की और उनसे नवगठित केंद्रशासित प्रदेश में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए इसी जोश से काम करने की अपील की। प्रवक्ता ने बताया कि उपराज्यपाल को पुलिस मुख्यालय में सलामी गारद पेश किया गया। उन्होंने पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। डीजीपी ने उन्हें कानून-व्यवस्था की स्थिति और पुलिस के सामने मौजूद विभिन्न चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मुर्मू ने पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने और लोगों की सुरक्षा के विरोधी तत्वों से दृढ़ता से निपटने की सलाह दी तथा आर्थिक अपराधों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्वाई करने पर जोर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि लोक सचिवालय में पारम्परिक सलामी गारद का निरीक्षण करने के बाद उपराज्यपाल ने प्रशासनिक सचिवों के साथ बैठक की।

17 अयोग्य विधायकों के इस्तीफे के मामले में भाजपा का हाथ होने से येदियुरप्पा का इनकार

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने 17 अयोग्य विधायकों के इस्तीफे के पीछे भाजपा का हाथ होने के आरोप से खुद को अलग करते हुए सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे जैसा चाहें वैसा कदम उठाने के लिए स्वतंत्र हैं। येदियुरप्पा ने विपक्षी दल कांग्रेस के नेता सिद्धरमैया के आरोपों पर यह प्रतिक्रिया दी जिन्होंने आरोप लगाया था कि बागी विधायकों के दलबदल और पूर्ववर्ती कांग्रेस-जद(एस) सरकार को अस्थिर करने के पीछे भाजपा का हाथ था। सिद्धरमैया ने एदियुरप्पा और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह से इस्तीफा देने की मांग की थी। येदियुरप्पा ने बेंगलुरु में पत्रकारों से कहाकि 17 अयोग्य विधायकों के इस्तीफे से हमारा कोई संबंध नहीं है। वे क्या करना चाहते हैं यह उन पर निर्भर करता है। गौरतलब है कि येदियुरप्पा की एक कथित ऑडियो सामने आई थी, जिसमें वह पांच दिसंबर को 15 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस-जद(एस) के बागी विधायकों को टिकट देने का विरोध करने वाले नेताओं के खिलाफ हुबली में हुई पार्टी की एक बैठक में नाराजगी प्रकट कर रहे थे। वह ऑडियो में यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि कांग्रेस-जद(एस) के अयोग्य विधायकों को गठबंधन सरकार के गठन के अंतिम दिनों के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की निगरानी में मुंबई में रखा गया था। गौरतलब है कि कर्नाटक में भाजपा सरकार से पहले कांग्रेस जद-एस की गठबंधन सरकार थी, लेकिन मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के विधानसभा में बहुमत साबित नहीं कर पाने के कारण वह सरकार 22 जुलाई को गिर गई थी।

छठ पर जारी निर्देश में आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विपक्ष हमलावर

एजेंसी। पटना

बिहार में मधेपुरा जिला प्रशासन द्वारा छठ पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था को लेकर जारी किए गए निर्देश में मुस्लिम समुदाय के बारे में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने राज्य सरकार की आलोचना की।

मधेपुरा के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित 30 अक्टूबर को छठ पर्व के दौरान कानून व्यवस्था को लेकर जारी किए गए निर्देश में कहा गया कि छठ घाट तक व्रतियों के आने-जाने वाले मार्गों में पड़ने वाले मुहल्लों में, खासकर मुस्लिम मुहल्लों में नाली का पानी गिराए जाने के कारण तनाव उत्पन्न होता है। मुस्लिम समुदाय के शरारती तत्वों द्वारा छठ व्रतियों के परिजनों तथा उनके साथ की महिलाओं के साथ छेड़खानी किए जाने पर तनाव पैदा होता है।

जल्द ही देहरादून में बनेगा सैन्य धाम : त्रिवेंद्र रावत

एजेंसी। देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सोमवार को कहा कि देहरादून में जल्द ही सैन्य धाम बनाया जाएगा। सेना और सैनिकों के सम्मान को देश का सम्मान बताते हुए मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के पांचवें धाम के रूप में सैन्य धाम का नाम लिया था और जल्द ही हम देहरादून में सैन्य धाम बनाने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए देहरादून नगर निगम ने 60 बीघा जमीन दे दी है और बजट का प्रावधान भी पहले ही किया जा चुका है।

राज्य स्थापना सप्ताह के तहत आयोजित मेरे सैनिक मेरा अभिमान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देश की सेना को विशिष्ट सेना बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सेना ने हमेशा शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए देश का मान बढ़ाया है और कारगिल जैसी कठिन लड़ाई को भी विपरीत परिस्थितियों में जीता है। रावत ने कहा कि जिस देश की सैन्य शक्ति मजबूत होती है उसे ही दुनिया सम्मान देती है। उन्होंने कहा कि सेना के मजबूत होने से ही देश मजबूत रहेगा। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कश्मीर में बहुत सी समस्याएं थीं, लेकिन अब विशेष दर्जा हटने से कश्मीरी खुली हवा में सांस ले रहे हैं और क्षेत्र विकास की ओर बढ़ रहा है। सैनिकों का हित सर्वोपरि बताते हुए रावत ने कहा कि उनके प्रति हम सबमें संवेदनाएं हैं। उन्होंने बताया कि सैनिकों और पूर्व सैनिकों की समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार ने शासन स्तर पर अपर मुख्य सचिव और जिला स्तर पर अपर जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी तैनात किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शहीद सैनिकों और अर्द्ध सैनिकों के एक परिजन को योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी में समायोजित कर रही है। इस अवसर पर रावत ने शहीद डिप्टी कमांडेंट भगवती प्रसाद भट्ट की विधवा स्वाति भट्ट को उत्तराखंड सरकार की ओर से नियुक्ति पत्र भी दिया। कार्यक्रम में भारतीय सैन्य अकादमी (आइएमए) के कमांडांट लेफ्टिनेंट जनरल एस के झा, डिप्टी कमांडर इन चीफ स्ट्रैटजिक फोर्सेज कमांड लेफ्टिनेंट जनरल जेएस नेगी तथा उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक अनिल रतूड़ी भी मौजूद थे।

कोलकाता में जम्मू-कश्मीर से बड़ी संख्या में वापस पहुंचे श्रमिक

सामाजिक, आर्थिक सुधार में उच्च शिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका : कोविंद

● राष्ट्रपति ने मेघालय के शिलांग में नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय (एनईएचयू) के 26 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

एजेंसी। शिलांग

उत्तर पूर्वी हिल विश्वविद्यालय के 26 वें दीक्षांत समारोह में एक छात्रा को प्रमाण पत्र प्रदान करते राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को कहा कि उच्च शिक्षण संस्थान मानव विकास सूचकांक में सामाजिक और आर्थिक बदलाव लाने के लिए बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

कोविंद ने मेघालय के शिलांग में नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय (एनईएचयू) के 26 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस दौरान विश्वविद्यालय और करीब 75 संबद्ध कॉलेजों के 14,500 छात्र-छात्राओं को विभिन्न डिग्रियां प्रदान की गईं। राष्ट्रपति ने कहा कि एनईएचयू जैसे उच्च शैक्षिक संस्थान सामाजिक और आर्थिक सुधार के संदर्भ में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। मानव विकास सूचकांकों में मेघालय के दर्जे को बेहतर बनाने में एनईएचयू मददगार साबित हो सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि मेघालय की 80 प्रतिशत से ज्यादा जनसंख्या खेती पर निर्भर है। कृषि उत्पादकता में सुधार लाने में मदद करके, एनईएचयू मेघालय और पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकता है। एनईएचयू के ग्रामीण विकास एवं कृषि उत्पादन , कृषि व्यवसाय और खाद्य प्रौद्योगिकी और उद्यान विभागों के शिक्षक और छात्र किसानों की आय बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने रोजगार और स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयासों को अत्यधिक प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता है।

स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों यू टिरोट सिंग, यू किआंग नांगबा और पा तोगन संगमा के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश, मेघालय में प्रगतिशील समाज से काफी कुछ सीख सकता है, जहां महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है। कोविंद ने कहा कि वह पूर्व में सांसद के तौर मेघालय आए थे और एशिया में साफ-स्वच्छ गांव बनने के लिए मावलिनोंग की सराहना की थी। राष्ट्रपति ने दिव्यांगों के उत्थान में योगदान और डिसेबल वेलफेयर ट्रस्ट ऑफ इंडिया की स्थापना में मदद करने वाले कनुभाई हसमुखभाई टेलर को डी लिट प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की। उन्होंने हितधारकों से सामाजिक दायित्व पर ध्यान केंद्रित करने का अनुरोध किया। विश्वविद्यालय के छात्रों को गांवों में समय गुजारने, ग्रामीणों की समस्याओं को दूर करने और शिक्षा की महत्ता, सफाई, बच्चों के टीकाकरण और पोषण के बारे में जागरूक बनाने को कहा।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते पश्चिमी हिमालय क्षेत्र एवं मध्य भारत में भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी। नई दिल्ली

मौसम विभाग ने पांच नवंबर की रात को पश्चिमी हिमालई क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना को देखते हुए देश के उत्तर पश्चिमी इलाकों एवं मध्य भारत में छह नवंबर से तेज बारिश का दौर शुरु होने की चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग द्वारा सोमवार को जारी मौसम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार पश्चिमी तट पर सक्रिय चक्रवाती तूफान महा के बीच मंगलवार की रात में पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में विक्षोभ की सक्रियता के कारण बुधवार को उत्तर पश्चिमी एवं मध्य भारत के मैदानी इलाकों में छह नवंबर को तेज बारिश की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर स्थित चक्रवाती तूफान महा पश्चिम और उत्तर की ओर बढ़ रहा है। आशंका है कि 5 नवम्बर की सुबह इसमें तेजी आएगी। इसके बाद वह कमजोर पड़ेगा तथा 6 नवंबर की रात और 7 नवंबर की सुबह को गुजरात और महाराष्ट्र से टकराएगा।

विभाग ने इसके मद्देनजर इन इलाकों में भारी बारिश और 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने की आशंका व्यक्त करते हुए समुद्र में डेढ़ मीटर तक की लहरें उठने की चेतावनी देते हुए मछुआरों से इस दौरान समुद्र में न जाने की सलाह दी है। विभाग ने अगले 48 घंटे के लिए मौसम का पूर्वानुमान जारी करते हुए चक्रवाती तूफान महा के कारण छह नवंबर को गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र तथा अंडमान निकोबार में कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश, तथा कोंकण, गोवा एवं मध्य महाराष्ट्र में तेज बारिश की आशंका जताई है। इसके अलावा पश्चिमी विक्षोभ के कारण बुधवार को जम्मू कश्मीर में तेज बर्फीली हवाएं तथा पंजाब और हिमांचल प्रदेश में ओलावृष्टि के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की है।

विभाग ने सात नवंबर को गुजरात में कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश के अलावा जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और अंडमान निकोबार में कुछ स्थानों पर भारी बारिश तथा इन इलाकों के अलावा हरियाणा में गरज चमक के साथ तूफानी हवाओं की चेतावनी दी है। मौसम के बिगड़ते मिजाज को देखते हुए कैबिनेट सचिव राजीव गाबा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) की बैठक में गुजरात, महाराष्ट्र और दमन एवं दीव में आने वाले महा चक्रवात से निपटने की तैयारी का जायजा लिया गया। बैठक में गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्य सचिवों ने बताया कि दोनों राज्यों में जरूरी तैयारियां कर ली गई है तथा आपदा प्रबंधन बल के दलों को तटरक्षक एवं नौसेना के पोतों के साथ तैनात कर दिया गया है। जिला प्रशासन को सतर्क करते हुए मछली पकड़ने की सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। दमन एवं दीव प्रशासन ने भी अपनी तैयारियों और बचाव कार्य का ब्यौरा पेश किया। बैठक में गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, मौसम विभाग और आपदा प्रबंधन आला अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

सात से पहले गुजरात में महा की ताकत हो सकती है कम

अहमदाबाद। गुजरात पहुंचने से पहले चक्रवात महा की ताकत कम होने की संभावना है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा था कि सात नवंबर से पहले देवभूमि-द्वारका जिले और केंद्र शासित प्रदेश दीव के क्षेत्रों में गुजरात तट पर चक्रवाती तूफान महा दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने संभावना जताई है कि सात नवंबर से पहले ही महा का प्रभाव कम हो सकता है। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 15 अतिरिक्त टीमों को तैयार रखा है और नौसेना इकाइयों को भी तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री विजय रूपानी ने सोमवार को तैयारियों की समीक्षा बैठक की और केंद्रीय कैबिनेट सचिव ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लिया। मौसम विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने कहा कि चक्रवाती तूफान महा गुरुवार सुबह पोरबंदर और दीव के बीच गुजरात तट तक पहुंचने से पहले चक्रवाती तूफान महा का प्रभाव कम हो जाएगा। राजस्व के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज कुमार ने गांधीनगर में संवाददाताओं से कहा कि एनडीआरएफ की 15 अतिरिक्त टीमों की आवश्यकता है और उन्हें राहत और बचाव कार्य के लिए तटीय क्षेत्र में तैनात किया जाएगा। कुमार ने कहा, एनडीआरएफ की 15 टीमें पहले से ही गुजरात में हैं। अतिरिक्त 15 टीमें जल्द ही राज्य पहुंचेंगी। हमने जिलों में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) टीमों को तैनात करना भी शुरू कर दिया है। समुद्र में गई 12,600 मछली पकड़ने वाली नावों में से केवल 600 को वापस लाना बचा है। हम उन्हें वापस लाने के प्रयास कर रहे हैं क्योंकि आने वाले दिनों में समुद्र की हालत बिगड़ सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक जयंत सरकार ने कहा कि महा को बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान की श्रेणी में रखा गया था। वर्तमान में महा पोरबंदर से लगभग 650 किलोमीटर दूर और दीव से 730 किलोमीटर दूर अरब सागर में केंद्रित है। उन्होंने कहा, यह कल गुजरात तट की ओर बढ़ेगा। हालांकि तट की ओर आते समय इसकी गति कम होगी। हवा की गति 80-90 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है। यह चक्रवाती तूफान गुजरात के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश लाएगा, जबकि कुछ स्थानों पर छह और सात नवंबर को भारी बारिश होने की संभावना है।

मराठी अखबार ने राउत की तुलना बेताल से की

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र गतिरोध

महाराष्ट्र में सरकार गठन पर गतिरोध के बीच आरएसएस की ओर झुकाव रखने वाला माने जाने वाले मराठी के एक दैनिक समाचार पत्र ने सोमवार को शिवसेना नेता संजय राउत की तुलना अपनी पहेलियों से राजा विक्रमादित्य को चुनौती देने वाले पौराणिक पिशाच बेताल से की और उन्हें विदूषक बताया।

राउत पर निशाना साधने की कोशिश करते हुए नागपुर के अखबार तरुण भारत ने कहा कि वह महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन को सत्ता में आने के मौके को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अखबार ने कहा कि राज्य में स्थाई सरकार होना महत्वपूर्ण है क्योंकि निकट भविष्य में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद मामले में उच्चतम न्यायालय का फैसला आने की संभावना है। राउत का नाम लिए बगैर उसने उन्हें विदूषक बताया और कहा, उनकी यह तस्वीर पेश करने की कोशिशें कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस भाजपा में अलग-थलग है, कुछ नहीं बल्कि बस शुद्ध मनोरंजन है।

तरुण भारत को संघ और भाजपा का करीबी माना जाता है। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य एवं उसके मुखपत्र सामना के कार्यकारी संपादक राउत सत्ता के समान बंटवारे और मुख्यमंत्री पद के बंटवारे को लेकर अपनी पार्टी की मांगों को उठाने में सबसे मुखर रहे हैं। उन्होंने आर्थिक मंदी पर बॉलीवुड ब्लॉकबास्टर शोले के मशहूर संवाद का इस्तेमाल कर ऐसे सवाल पूछकर कई मौकों पर भाजपा का मखौल उड़ाया कि इतना सन्नाटा क्यों है भाई। सोमवार को तरुण भारत ने उद्धव और बेताल नाम से एक संपादकीय को प्रकाशित किया। बेताल शब्द का इस्तेमाल मराठी में भी किया जाता है जहां उसका मतलब ऐसे व्यक्ति से होता है जो संयमित बातें नहीं करता है। अखबार ने कहा, दिवंगत बालासाहेब ठाकरे ने अपना पूरा जीवन कांग्रेस तथा राकांपा को सत्ता से बेदखल करने में बिताया लेकिन यह बेताल उनके सपनों को तोड़ने की कड़ी मशक्कत कर रहा है।

महाभारत का जिक्र करते हुए अखबार ने कहा कि शिवसेना नेता का पहला नाम - संजय इस महाकाव्य का एक किरदार भी था जिसने नेत्रहीन राजा धृतराष्ट्र को पांडवों और कौरवों के बीच युद्ध का आंखों देखा हाल सुनाया था। उसने व्यंगात्मक लहजा अपनाते हुए कहा, संजय का काम कीमती जानकारियां मुहैया कराना है लेकिन वह खुद आंखें मूंदे बैठे है इसलिए शिवसेना के भविष्य के बारे में चिंता करने की जरूरत है। उसने कहा, सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते भाजपा सरकार गठन के लिए हमेशा दावा जता सकती है और उसे दोनों सदनों के अगले सत्र तक विश्वास मत जीतने का समय मिलेगा। जनादेश महायुति (भाजपा-शिवसेना गठबंधन) के लिए है और सीटों की संख्या के लिहाज से लोगों ने फैसला किया कि उनमें से कौन बड़ा भाई है। अखबार ने कहा कि भाजपा के सरकार गठन के लिए दावा न जताने के पीछे संदेश है क्योंकि पार्टी जनादेश का मतलब जानती है।

मुंबई-पुणे राजमार्ग पर सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत, 40 घायल

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के पुराने मुम्बई-पुणे राजमार्ग पर सोमवार की सुबह एक निजी बस के खाई में गिर जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य 40 लोग घायल हो गए। खोपोली पुलिस थाने के निरीक्षक धनजी क्षीरसागर ने बताया कि हादसा सुबह पांच बजे अमृतगंज पुल सुरंग के पास हुआ। सतारा जिले के खराद से मुम्बई जा रही बस में 47 लोग सवार थे। उन्होंने बताया कि बस चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे वह 30 से 40 फुट गहरी खाई में जा गिरी। क्षीरसागर ने बताया, हादसे में कम से कम पांच लोगों की जान चली और चालक सहित 40 अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि ए लोग खराद से दिवाली की छुट्टियां मना लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घायलों का रायगढ़ जिले के खोपोली में खालापुर स्थित अस्पतालों में इलाज जारी है।

दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं में तीन लाख लोगों की जान गईः शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली में शहरी भूकंप खोज और बचाव (एससीओ जेटी एक्स) - 2019 में संयुक्त अभ्यास के उद्घाटन के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गृह सचिव अजय कुमार भल्ला

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि 1996 से पिछले दो दशकों में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के दौरान एससीओ देशों में तीन लाख से अधिक लोगों की जान चली गई जबकि अकेले भूकंपों के चलते दो लाख लोग मारे गए। उन्होंने यहां शहर भूकंप तलाश एवं बचाव विषय शंघाई सहयोग संगठन के संयुक्त कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि सामूहिक तैयारी में सुधार करना तथा भूकंप के बाद की कार्वाइयों में आपसी तालमेल के लिए अंतरराष्ट्रीय रूप से स्वीकृत प्रक्रियाओं की साझी समझ विकसित करना बहुत उपयोगी होगा। उन्होंने कहा, 1996-2015 के दौरान प्राकृतिक आपदाओं के चलते तीन लाख से अधिक लोग अपनी जान गंवा बैठे। भूकंपों ने दो लाख से अधिक जिंदगियां छीन लीं जो एसीसीओ देशों में आपदा में होने वाली मौतों का दो तिहाई है।

शाह ने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के साथ संयुक्त कार्यक्रम संबंधित टीमों के बीच व्यक्तिगत समझ विकसित करने में मददगार होगी जब वे किसी आपदा की स्थिति से निपटने में मिलकर काम करेंगी। उन्होंने कहा, अतएव, इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत बहुपक्षीय, राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और लोगों के बीच आपसी संबंध के क्षेत्रों में सदस्य देशों के प्रयासों में तालमेल कायम करने के लिए एससीओ को एक शानदार मंच के रूप में विशेष महत्व देता है।

नारायणसामी का बेदी से आग्रह, चुनी हुई सरकार का करें सम्मान

नई दिल्ली। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी और उपराज्यपाल किरण बेदी के बीच टकराव लगातार जारी है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बेदी ऐसा बर्ताव करती हैं कि वह देश की राष्ट्रपति हैं। उन्होंने उपराज्यपाल से समानांतर प्रशासन नहीं चलाने का अनुरोध किया। नारायणसामी ने पीटीआई-भाषा से फोन पर कहा कि बेदी से अपेक्षा थी कि वह कैबिनेट की सहायता और सलाह के साथ नियम, कायदे और संवैधानिक प्रावधानों का पालन करेंगी, लेकिन वह इसके उलट कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा, ध्यान दिला दूं मैडम, समानांतर प्रशासन मत चलाइए। इसकी बजाए निर्वाचित सरकार का सम्मान कीजिए और संविधान के अनुसार काम करिए। मई 2016 में उपराज्यपाल पद पर किरण बेदी की नियुक्ति के बाद से ही नारायणसामी और उनके बीच कई मुद्दों पर टकराव चल रहा है। दोनों अपने-अपने प्रशासनिक मामलों में एक-दूसरे पर दखलअंदाजी के आरोप लगाते रहे हैं। नारायणसामी द्वारा राक्षस कहे जाने पर उपराज्यपाल बेदी ने शनिवार को कहा था कि मुख्यमंत्री को यह नहीं सोचना चाहिए कि वह कोई रबड़ स्टांप उपराज्यपाल हैं, जिसका काम सिर्फ हस्ताक्षर करना है। बेदी ने आरोप लगाया था कि पुडुचेरी में जिस दिन से उन्होंने पदभार संभाला तब से कांग्रेस सरकार उन्हें अपने इशारे पर चलाना चाहती है। उन्होंने कहा था, मुझसे उनकी जो उम्मीदें थीं, शुरू से ही वो उनके उलट रहीं। हो सकता है वे इसके उलट व्यवहार के आदी रहे हों। नारायणसामी ने सोमवार को राक्षस संबंधी अपनी टिप्पणी पर सफाई दी।

मोदी सरकार को मिलकर घेरेंगे विपक्षी दल

● संसद से सड़क तक संघर्ष का ऐलान

● कांग्रेस द्वारा आहूत विपक्षी दलों की बैठक में 13 दल शामिल हुए, लेकिन समाजवादी पार्टी और बसपा जैसी दो प्रमुख पार्टियां इसमें शामिल नहीं हुईं

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली में सोमवार को विपक्षी दलों की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आज़ाद, डीएमके के टीआर बालू, आरएलडी के अजीत सिंह और वरिष्ठ नेता शरद यादव

कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने सोमवार को आर्थिक मंदी, बेरोजगारी, कृषि संकट और क्षेत्रीय समग्र आर्थिक समझौते (आरसीईपी) जैसे मुद्दों पर नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ एकजुट होकर संसद से सड़क तक संघर्ष का ऐलान किया।

देश के कई प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक में यह सहमति बनी कि अगले महीने संसद सत्र के दौरान इन मुद्दों को लेकर सरकार को मिलकर घेरा जाएगा। कांग्रेस द्वारा आहूत विपक्षी दलों की बैठक में 13 दल शामिल हुए, लेकिन समाजवादी पार्टी और बसपा जैसी दो प्रमुख पार्टियां इसमें शामिल नहीं हुईं। बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुखिया शरद पवार को भी शामिल होना था। हालांकि सूत्रों का कहना है कि महाराष्ट्र में चल रही सियासी उठापटक को लेकर संभवत: व्यस्त रहने के कारण वह शामिल नहीं हो सके। बैठक के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने आरोप लगाया कि इस वक्त देश में सब परेशान हैं, लेकिन सिर्फ भाजपा को परेशानी नहीं हैं क्योंकि उसके पास पैसे की कोई कमी नहीं है।

विपक्ष के कई नेताओं की मौजूदगी में आजाद ने संवाददाताओं से कहा, समान विचारधारा वाले 13 दलों की बैठक थी। इस बैठक में आर्थिक मंदी, बेरोजगारी, किसानों की समस्या और आरईसीपी पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, देश में बेरोजगारी बढ़ रही है। पढ़े-लिखे नौजवानों में बेरोजगारी ज्यादा है। नोटबंदी के बाद बेरोजगारी ज्यादा बढ़ी है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, अर्थव्यवस्था पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। आर्थिक विकास दर लगातार गिर रही है। अब हम सातवें नम्बर की अर्थव्यवस्था हो गई है। हर क्षेत्र में गिरावट है।एनपीए आठ लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गए। बैंक जालसाजी बढ़ गई है। अब तो ए रिजर्व बैंक को कमजोर कर रहे हैं।

आजाद ने दावा किया, कृषि विकास दर गिर गई है। समर्थन मूल्य के नीचे उपज बिक रही है। कृषि उत्पादों पर जीएसटी लगाया गया है। ऐसी स्थिति है कि किसान आत्महत्या को मजबूर है। देश ने ऐसी संवेदनहीन सरकार 70 साल में कभी नहीं देखी। उन्होंने कहा, अगर आरसीईपी पर हस्ताक्षर हो गया तो चीन के तमाम उत्पाद आयंगे तो देश की अर्थव्यवस्था का क्या होगा? यह एकतरफा समझौता है। लोकतांत्रिक जनता दल के नेता शरद यादव ने कहा कि अगले महीने संसद सत्र के दौरान विपक्ष सरकार के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएगा। तारीख तय होगी और उसी कार्यक्रम के मुताबिक विपक्षी दल संसद के भीतर और सड़क पर सरकार को घेरेंगे। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से कुछ दिनों पहले हुई इस बैठक में कांग्रेस के अहमद पटेल, गुलाम नबी आजाद, रणदीप सुरजेवाला, द्रमुक के टी आर बालू, राजद के मनोज झा, तृणमूल कांग्रेस के नदीमुल हक, माकपा के टीके रंगराजन, भाकपा के डी राजा, राष्ट्रीय लोक दल के अजित सिंह, लोकतांत्रिक जनता दल के शरद यादव, आईयूएमएल के कुनालिकुट्टी और रालोसपा के उपेंद्र कुशवाहा ने हिस्सा लिया।

विपक्ष के दबाव में आरसीईपी पर पीछे हटी सरकारः कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

क्षेत्रीय समग्र आर्थिक समझौते (आरसीईपी) का हिस्सा नहीं बनने के सरकार के फैसले को अपनी जीत करार देते हुए कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि विपक्ष के दबाव में भाजपा सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े।

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि यह उन सभी लोगों की जीत है जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया, कांग्रेस और राहुल गांधी की ओर से जोरदार विरोध के चलते भाजपा सरकार को किसानों, दुग्ध उत्पादकों, मछुआरों, छोटे एवं मझोले कारोबारियों के हितों को नुकसान पहुंचाने से अपने कदम पीछे खींचने पड़े। उन्होंने कहा, यह उन सभी लोगों की जीत है कि जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा की लड़ाई लड़ रहे हैं। दरअसल, भारत ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझौते में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

आरसीईपी वार्ताओं में भारत की चिंताओं को दूर नहीं किया जा सका है। इसके मद्देनजर भारत ने यह फैसला किया है। सूत्रों ने कहा कि आरसीईपी में भारत का रुख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व और दुनिया में भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है। भारत के इस फैसले से भारतीय किसानों, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) और डेयरी क्षेत्र को बड़ी मदद मिलेगी।

रोजवैली घोटाले में आईपीएस अधिकारी से पूछताछ

कोलकाता। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने करोड़ों रूपए के रोजवैली घोटाले की जांच के सिलसिले में उपायुक्त (बंदरगाह संभाग) वकार रजा से सोमवार को पूछताछ की। सीबीआई के सूत्रों ने बताया कि आईपीएस अधिकारी रजा आरोपी नहीं हैं लेकिन जब रोजवैली समूह ने कथित रूप से वित्तीय अनियमितताएं की थी तब उनकी बतौर सीआईडी अधिकारी क्या भूमिका थी, उसका पता लगाने के लिए उन्हें यहां सीबीआई के सीजीओ परिसर कार्यालय में तलब किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार इस समूह ने निवेशकों को 15,000 करोड़ रूपए का चूना लगाया था जिसमें ब्याज और जुर्माने की राशि भी शामिल है। कंपनी पर निवेशकों के प्रति अपनी देनदारियों को दबाने के लिए अपनी सहायक कंपनियों में निवेश करने का आरोप है।

हर साल एक विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता के लिए पुरस्कृत किया जाएगा : कलराज

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने सोमवार को कहा कि उच्च शिक्षा की गतिविधियों, नवाचार और उन्नयन के आधार पर प्रदेश में अब प्रति वर्ष एक विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। मिश्र ने यहां कुलपति समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में वर्ष पर्यन्त शिक्षा के क्षेत्र में गतिविधियां चलाने की जरूरत है। उच्च शिक्षा में नवाचार किए जाऐं और शिक्षा के उन्नयन और विकास में अच्छे परिणाम लाए जाऐं। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा से राष्ट्र और समाज की अपेक्षाएं निरन्तर बढ़ती जा रही है। उच्च शिक्षा के सामने अनेक चुनौतियां हैं, जिनके समाधान खोजने होंगे। राज्यपाल ने कुलपतियों को नवाचार प्रेरणा और मार्गदर्शक बनने का मूल मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि नवाचार और प्रोत्साहन के साथ विश्वविद्यालय समाज के मार्गदर्शक बने। बैठक में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास विभाग और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पवार की भूमिका

शिवसेना भी मराठा गौरव की दावेदार

महाराष्ट्र में मराठा गौरव का प्रभुत्व समान रूप से सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व जनतांत्रिक स्पेस में व्याप्त है। इसलिए वर्तमान समय में राज्य में सरकार गठन भी मराठा चेतना पर केन्द्रित है। वैध चुनावी नतीजों के बाद अब शायद पहचान राज्य को नए राजनीतिक संकट में धकेल रही है। इस प्रकार शिवसेना सुप्रीमो बालासाहेब ठाकरे के पोते युवा आदित्य ठाकरे व जमीन से उभरे नेता का मुख्यमंत्री पद के लिए मुकाबला है। भाजपा-शिवसेना का चुनाव पूर्व गठबंधन है और वे विजय पाने में भी सफल हुए हैं। भाजपा की सीटें कुछ घटी हैं और वह 105 पर आ गई है, जबकि अपने ही क्षेत्र में दूसरे दर्जे की स्थिति से थक चुकी शिवसेना मुख्यमंत्री पद की अदला-बदली पर जोर दे रही है। स्थिर सरकार देने तथा गैर-मराठा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस के माध्यम से स्थानीय मुद्दे सुलझाने में सफल भाजपा का प्रदर्शन अच्छा रहा है। 2014 में उसने राकांपा नेता शरद पवार की सहायता से अल्पसंख्यक सरकार चलाई थी, पर अब स्थिर सरकार चलाने के लिए उसे 56 सीटों वाली शिवसेना व सात निर्दलीयों का सहारा है। भाजपा नेतृत्व ने चुनाव के पहले शिवसेना के हितों को महत्व देने की बात कही थी, दूसरी ओर शिवसेना भी अपने चुनावी प्रदर्शन व ठाकरे परिवार की चुनावी राजनीति में स्वीकार्यता के प्रति संदेह में थी। लेकिन अब वह न केवल उप-मुख्यमंत्री पद, बल्कि आधे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री पद पर भी जोर दे रही है। भले ही आदित्य ठाकरे राजनीति में नवागंतुक हों, पर जैव-विविधता, कविता व नाइटलाइफ में विश्वास को देखते हुए वे मुख्यमंत्री पद के उपयुक्त हैं।

इस प्रकरण में स्वयं शरद पवार एक महत्वपूर्ण चरित्र हैं। उनका न केवल बारामती में प्रभुत्व है, बल्कि वे दिल्ली को चुनौती देने की स्थिति में भी है। अपने हित में भले ही उन्होंने 2014 में भाजपा का समर्थन किया था, पर इस बार मुकाबला करने पर उन्होंने भाजपा को पराजित किया है। भाजपा ने लंबे समय से उनके समर्थक व शिवाजी के वंशज उदयनराजे भोंसले पर निशाना लगाया तथा उनके परिवार के खिलाफ जांच एजेंसियां लगा कर रांकापा को समाप्त करने का षडयंत्र किया। लेकिन सतारा में भयंकर बरसात में पवार के भाषण ने भोंसले को हरा कर स्वयं को शिवाजी का सच्चा वारिस और प्रतीकात्मक रूप से मराठा गौरव सिद्ध कर दिया। उन्होंने कांग्रेस को पीछे धकेल कर 54 सीटें जीतीं और सिद्ध किया कि वे ही दिल्ली दरबार से मुकाबला कर सकते हैं, चाहे वह उनकी राष्ट्रीय सहयोगी हो या सत्तारूढ़ भाजपा। अब वे भाजपा को याद दिला रहे हैं कि वह घमंड छोड़े तथा जनादेश का सम्मान करते हुए सरकार बनाए। उन्होंने यह कह कर आग में घी डाल दिया कि युवा आदित्य ठाकरे मुख्यमंत्री उम्मीदवार क्यों नहीं हो सकते हैं। शिवसेना नेताओं से मिल कर उन्होंने मराठा भावनायें मजबूत की हैं तथा कांग्रेस-रांकापा समर्थन से वैकल्पिक सरकार बनाने की अफवाहों को बल दिया है। महाराष्ट्र के नेता हुसेन दलवाई ने शरद पवार की सोनिया से मुलाकात के पहले ही सोनिया को पत्र लिख कर संभावित शिवसेना गठबंधन के समर्थन की प्रार्थना की है। शिवसेना ने दलवाई का समर्थन करते हुए याद दिलाया है कि उसने कांग्रेस राष्ट्रपति उम्मीदवारों प्रतिभा पाटिल व प्रणव मुखर्जी का समर्थन किया था। वर्तमान समय में सीटों की गणित जारी है, हालांकि शिवसेना-पवार की राजनीति ने भाजपा को राज्य में ज्यादा घमंडी की तरह दिखाया है। यदि भाजपा मराठा गौरव के नाम पर शिवसेना के सामने झुक जाती है तो दिन-प्रतिदिन के प्रशासन में समस्यायें पैदा हो सकती हैं।

जारी है आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई

हालांकि, आतंकी सरगना अबू बक्र अल बगदादी का सफाया हो गया है पर अमेरिका को उस विचार के खिलाफ युद्ध जारी रखना होगा जिसने तालिबान, आईएस या अलकायदा जैसे आतंकी संगठनों को जन्म दिया है।

भूपिंदर सिंह
लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी व पूर्व राज्यपाल हैं)

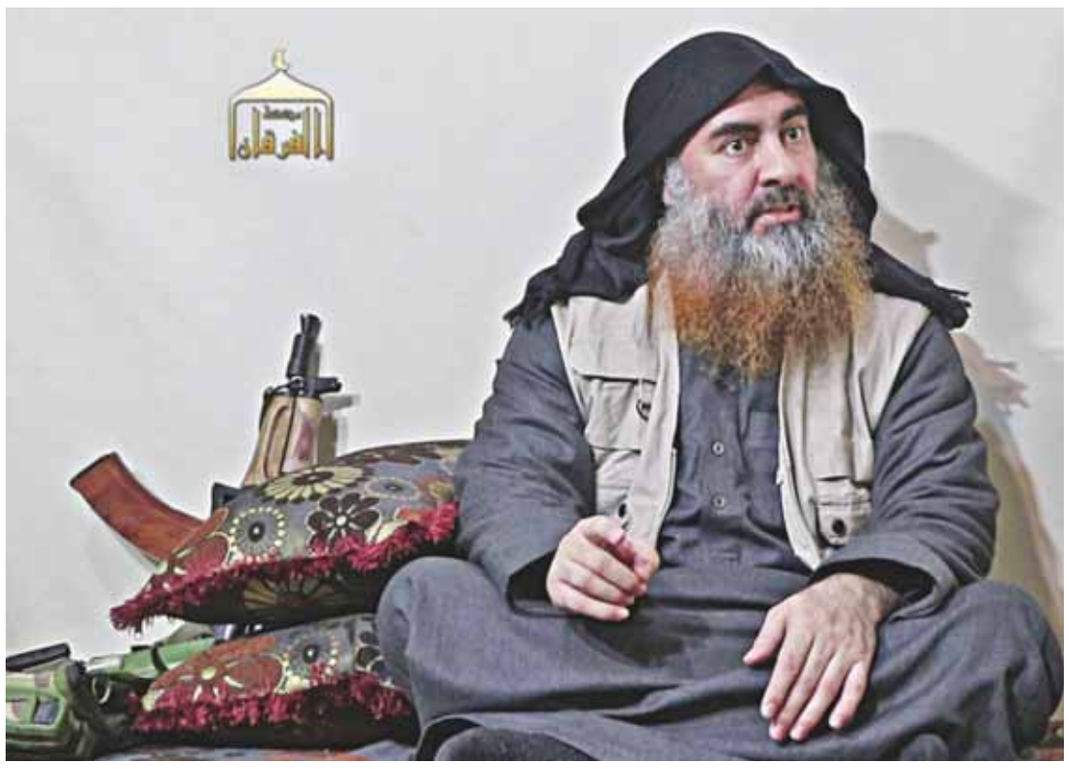

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अति-उत्साह व सिनेमाई प्रस्तुतीकरण के साथ बताया कि इस्लामिक स्टेट नेता अबू बकर अल बगदादी का सफाया कर दिया गया है। लेकिन इस नवीनतम आंतकवाद-विरोधी कार्रवाई पर दुनिया की प्रतिक्रिया हल्की व संतुलित है। आधिकारिक रूप से अमेरिका में 9-11 के आतंकी हमले के बाद वैश्विक 'आतंक के खिलाफ युद्ध' की शुरुआत हुई थी। इस अभियान का लगातार विकास हुआ और इसमें आईएस जैसे अन्य अन्य आतंकी संगठनों को शामिल करते हुए व्यापक कार्रवाइयां की गईं। उदाहरणार्थ, अबू बकर अल बगदादी के खिलाफ नवीनतम अभियान इस युद्ध के प्रति सारी दुनिया की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से प्रकट करता है।

आतंकी संगठन चाहे जो शामिल रहे हों और उनसे मुकाबले को चाहे जो नाम दिया गया हो, पर 'आतंक के खिलाफ युद्ध' में अनेक अंतरराष्ट्रीय शक्तियों, क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न देशों तथा नस्ली मिलिशियाओं ने भाग लिया, लेकिन कभी-कभी उनके उद्देश्य एक दूसरे के विपरीत थे। शतरंज जैसे भू-राजनीतिक परिदृश्य ने कई बार विभिन्न बलों के मुख्य आतंकी संगठन आईएस के खिलाफ युद्ध में बाधा डाली और वे एक दूसरे को नियंत्रित करने में लग गए। इससे आईएस के ढांचे व नेतृत्व के सफाए में समय लग गया। ऐसे असंबद्ध परिवेश के कारण 'आतंक के खिलाफ' युद्ध की रणनीतिक प्रभावशीलता कम हुई तथा सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से अपना विकृत तर्क बनाए रखने के लिए आतंकी संगठनों को स्वयं को सामाजिक रूप से सही ठहराने का मौका मिल गया।

2011 में ओसामा बिन लादेन के पकड़े जाने से अलकायदा का विचार स्वत: समाप्त नहीं हुआ, बल्कि यह दुनिया भर में अनेक प्रकार से प्रेरणा देने का माध्यम बन गया तथा इसके अनेक रूप सामने आए। विडंबना है कि स्वयं अबू बकर अल बगदादी ने इदलीब प्रांत में एक क्षेत्र पर कब्जा कर लिया जिस पर अलकायदा से जुड़े हयात तहरीर अल शाम-एचटीएस का नियंत्रण था। आठ साल पहले बिन लादेन के निधन तथा उसके दुष्कृत्यों व अत्याचारों के सामने आने के बाद आईएस का प्रभुत्व सामने आया था जिसने आतंकी संगठन का 'विचार' पूरी तरह बदल दिया। आतंक के खिलाफ लड़ाई में यह कहावत पूरी तरह सही सिद्ध हुई है कि 'मारा गया एक आतंकी दो नए आतंकियों को जन्म देता है।' यह 'विचार' तब तक बना रहेगा, जब तक इस 'विचार' से पैदा आतंकियों के सफाये के बजाय स्वयं आतंकवाद को संबोधित नहीं किया जाएगा।

अलकायदा के अनेक सहयोगी आतंकी संगठन आज एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं और समन्वय की तो बात दूर, उनका आपस में कोई संबंध भी नहीं है। इसके बावजूद इस 'विचार' ने पश्चिम अफ्रीका, उत्तरी अफ्रीका, सोमालिया, स्पेन, अफगान-पाक क्षेत्र तथा फिलीपीन्स में आतंकी संगठनों को प्रेरित किया है या उनको जन्म दिया है।

ओसामा बिन लादेन का 'सफाया' करने के मामले में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ज्यादा नियंत्रित, यथार्थवादी और क्लीनिक थे। संभवत: वे अपनी कार्रवाई की गंभीरता के साथ ही 'आतंक के खिलाफ युद्ध' में उसकी सीमायें भी जानते थे जिसके लिए मूलत: सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना जरूरी है। ओबामा ने इस संघर्ष में 'समावेशी' बने रहने का महत्व समझा था। उन्होंने बिना किसी लफ्फाजी के साफ-साफ कहा था, 'ओसामा की मौत से हमारे प्रयास समाप्त नहीं होंगे। इस बात में कोई संदेह नहीं कि अलकायदा हमारे खिलाफ हमले करता रहेगा।' उन्होंने समझदारी के साथ इस पर भी जोर दिया था कि 'हमें इस बात की पुष्टि भी अवश्य करनी चाहिए कि अमेरिका कभी इस्लाम से युद्ध नहीं कर था और कभी ऐसा करेगा भी नहीं। मैंने इसे उसी तरह स्पष्ट किया है जिस प्रकार राष्ट्रपति बुश ने 9-11 के बाद कहा था कि हमारा युद्ध इस्लाम के खिलाफ नहीं है। बिन लादेन कोई मुस्लिम नेता नहीं था, वह मुस्लिमों के नरसंहार का जिम्मेदार था। वास्तव में अलकायदा ने अनेक देशों में हजारों मुस्लिमों का संहार किया है जिनमें हमारे नागरिक भी शामिल हैं। इसलिए उसके सफाये का उन सबको स्वागत करना चाहिए जिनका विश्वास शांति और मानवीय गरिमा में है।'

लेकिन बगदादी की हत्या पर ट्रंप ने ऐसी कोई भावनायें नहीं प्रकट कीं। उन्होंने भद्दे ढंग से गर्वीली भाषा में कहा कि आतंकी 'रो रहा था, चीख रहा था और कराह रहा था।' उन्होंने यह भी कहा कि बगदादी 'कुत्ते की मौत मारा गया।' इस प्रकार धुवीकृत दुनिया में उन्होंने स्पष्ट व खुले रूप से 'हम बनाम वे' के बढ़ते स्वरों को हवा दी। यह सुविधाजनक व अनुचित रूप से उन लोगों को एक घेरे में रखना है जो अपनी धार्मिकता, राष्ट्रीयता या अमेरिका के वर्चस्व के कारण उसके 'सहयोगी' हैं। इस परिदृश्य में देखने पर आतंकवाद के प्रतिगामी 'विचार' को संवेदनशील रूप से किनारे करने का अवसर खो जाता है जिसका कारण ट्रंप द्वारा आमतौर से अपनी पीठ थपथपाना है।

हालांकि, बगदादी का सफाया निश्चित रूप से आतंकवाद-विरोधी संघर्ष में मील का एक महत्वपूर्ण पत्थर है, पर यह लगभग निश्चित था कि हाल में उसका संगठन बहुत कमजोर हो गया था। ऐसे में यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा कि पहले अलकायदा और बाद में आईएस का जन्म आत्यन्तिक अमेरिका-विरोध पर आधारित है। यह भावना क्षेत्र में लंबे समय से व्याप्त है और आतंकी संगठनों ने गलत तरीके से इसका लाभ उठाया है।

1997 में ओसामा बिन लादेन ने कहा था, 'एक घमंडी परिवेश के कारण आज अमेरिका ने दुहरे मानक बनाए हैं और वह अपने अन्याय के खिलाफ उठ खड़े होने वाले हर व्यक्ति को आतंकवादी कहता है।' उसका यह कथन अन्याय, अज्ञान और धार्मिक भावना का घातक मिश्रण है जिसे जानबूझ कर ऐसी शक्तियों ने तैयार किया था। उनको अमेरिकी कार्रवाइयों के प्रति जनता के विरोध ने हवा दी थी जो 'हम बनाम वे' के विभाजन से लगातार मजबूत हुआ है। दृष्टिकोणों में यह मूलभूत अंतर अमेरिकी प्रयासों तथा टकराव के क्षेत्रों में स्थानीय लोगों के बीच बहुत पुराना है। उनका मानना है कि अमेरिका बार-बार बहुत सीमित व स्वार्थी उद्देश्य पेश करता है तथा उनको जल्दबाजी में प्राप्त करने के बाद एक खतरनाक खाली स्थान छोड़ देता है जिसे अक्सर आईएस जैसे संगठन भर देते हैं। अमेरिका की इसी संकुचित व दूरदर्शिता-विहीन दृष्टि ने 1990 के दशक में अफगानिस्तान खाली करने के बाद तालिबानों को जन्म दिया था। इसी दृष्टिकोण ने नस्ली मिलिशियाओं के हाथों सद्दाम हुसेन को फांसी पर चढ़ाने और अमेरिका द्वारा स्थान छोड़ने के बाद आईएस को जन्म दिया था।

वैश्विक टकरावों में सर्वाधिक प्रभुत्वशाली हस्तक्षेपकारी के रूप में अमेरिका को दृष्टिकोणों के उस युद्ध से निपटना होगा जिसमें तालिबान, आईएस या अलकायदा को जन्म देने वाले 'विचार' को अनदेखा किया जाता है। बगदादी के मारे जाने के बाद राष्ट्रपति से सवाल-जवाब के सत्र में लगभग प्रत्यक्ष रूप से 'मुस्लिम प्रतिबंध' की बात लगभग ऐसा संदर्भ है जो अनावश्यक व अनुचित है तथा इससे किसी को सहायता नहीं मिलेगी।

पहले उपनिवेशवादियों और उसके बाद अमेरिका ने जो ऐतिहासिक अन्याय, भेदभाव तथा दुहरे मानकों का प्रयोग किया है उसमें कुछ महत्वपूर्ण आलोचनात्मक बिंदु हैं जिनसे आतंकवादियों के सफाये के बजाय उनके 'विचार' का मुकाबला किया जा सकता है। दुनिया में सभी सफल आतंकवाद-विरोधी अभियानों की समाप्ति स्थानीय लोगों के दृष्टिकोण में परिवर्तन से हुई है। इसके परिणामस्वरूप आतंकियों को बचे रहने तथा अपना संगठन बनाए रखने का कोई अवसर स्थानीय समर्थन व्यवस्था समाप्त होने के कारण नहीं मिलता है। जब तक ऐसा नहीं होता है, तब तक किसी आतंकी को मारना केवल एक आंकड़ा रह जाता है, भले ही वह अपने संगठन में चाहे जितने उच्च पद पर क्यों न हो।

जलवायु परिवर्तन और भारतीय विदेश नीति

सौराजीत अय्यर
(लेखक एक बिजनेस पोर्टल के परामर्शदाता हैं)

हाल ही में, जलवायु परिर्वतन में भारत की विदेश नीति ने अपना स्थान बनाया है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) में नेतृत्व के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व आर्थिक मंच और संयुक्त राष्ट्र महासभा में जलवायु परिवर्तन का सवाल उठाया। भारतीय नौसेना प्राकृतिक विभीषिका के समय राहत सहायता का काम करती रही है। ऐतिहासिक रूप से, आर्थिक प्रगति बड़ी जनसंख्या वाले देशों के लिए महत्वपूर्ण है जिनमें रोजगार सृजन आवश्यक हो गया है। लेकिन, जलवायु परिवर्तन खतरे के कारण भौगोलिक रूप से विविधतापूर्ण भारत की समस्याएं बढ़ रही हैं। उसे पर्यावरण क्षरण का सामना करने के साथ जलवायु परिवर्तन के कारण वर्तमान आर्थिक मॉडल में बाधाओं का सामना भी करना पड़ रहा है। वैश्विक जलवायु संबंधी चर्चाओं में शामिल होने पर देश को इन जोखिमों से निबटने के लिए आवश्यक संसाधन प्राप्त होते हैं तथा इससे भारत को विश्व मंच पर अपना प्रभाव बढ़ाने में भी मदद मिलती है।

भारत की विदेश नीति में वर्तमान सरकार बहुआयामी संपर्कों पर ध्यान दे रही है। उसने रूस, अमेरिका, जापान व चीन जैसी महाशक्तियों से संबंध विकसित किए हैं, तथा वह मध्य-पूर्व व आस्ट्रेलिया से भी संबंध सुधार की दिशा में काम कर रही है। यूरोपीय संघ के साथ, पूर्व की ओर देखो नीति के अंतर्गत आसियान से संबंधों को महत्व मिला है।

दक्षिण एशिया पर पड़ोसी प्रथम की नीति तथा पश्चिम को जोड़ो नीति के अंतर्गत मध्य-पूर्व व अफ्रीका से संबंध बढ़ाने के लिए भारत-अफ्रीका मंच का गठन किया गया है। जलवायु परिवर्तन मुद्दों पर सहयोग अनेक अवसरों पर अधिकांश देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों को एजेंडा रहा है। इसका एक उद्देश्य जलवायु विमर्श आगे बढ़ाने में भारत की सक्रियता प्रदर्शित करना है। उसने यह भूमिका खासतौर से अपनाई है जो अब तक विकसित देशों तक सीमित थी। उसने जिम्मेदार विश्व शक्ति के रूप में भारत की स्थिति मजबूत की है था विश्व मंच पर अपनी भूमिका स्पष्ट की है। भारत ने

जलवायु परिवर्तन संबंधी नीति को भूराजनीतिक क्षेत्र से आगे ले जाकर विकसित देशों से जोड़ा है तथा वह जोखिम से निबटने के सुनियोजित प्रयास कर रहा है। इससे भारत को रणनीतिक संबंधों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने तथा निवेश, व्यापार, रक्षा व आतंकवाद विरोध के क्षेत्र में अनेक अवसर दिए हैं। संक्षेप में जलवायु परिवर्तन एक परिदृश्य के रूप में संबंध बढ़ाने में हमारी सहायता कर रहा है। भारत व फ्रांस के संबंध बहुपक्षीय मंचों पर आईएसए में शामिल होने के बाद और सूदृढ़ हुए हैं। विकसित देशों के साथ जलवायु परिवर्तन पर संघर्ष ने भारत को विकासशील देशों में भी महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। चूंकि वह आर्थिक शक्ति में चीन का मुकाबला नहीं कर सकता, जो कम आय वाले एशिया, अफ्रीका या लैटिन अमेरिका के देशों में ढांचागत विकास के लिए पैसा लगा रहा है। नई दिल्ली ने स्वयं को साफ्टवेयर ढांचागत निर्माण तक सीमित रखा है। जिनका विस्तार स्वास्थ्य व शिक्षा तक होता है।

जलवायु परिवर्तन में सहयोग अब देश को भावनात्मक राजनय विस्तार में एक नया आयाम देता है जिससे वह विकसित दुनिया में भी अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। वैश्विक जलवायु वार्ताओं में भारत ने एक साझा पर विविधतापूर्ण जिम्मेदारी वाली नीति को उत्सर्जन के क्षेत्र में बढ़ावा दिया है। इसका उद्देश्य विकसित देशों को दशकों से जारी औद्योगीकरण अभियान के लिए जिम्मेदार ठहराना है। शीत युद्ध के युग में भारत गुट निरपेक्ष आंदोलन का झंडाबरदार रहा है और अब उसे वैश्विक जलवायु वार्ताओं में विकासशील देशों का झंडाबरदार माना जाता है।

इस संदर्भ में वैश्विक जलवायु एजेंडे से भारत के संबंध पर गौर करना होगा क्योंकि उसे एक अरब से अधिक जनसंख्या की ऊर्जा आवश्यकताएं पूर्ण करने के साथ ही ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है। ऊर्जा की कमी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो भारत की आर्थिक वृद्धि को प्रभावित करता है। ऐसे में जलवायु एजेंडे को ज्यादा विस्तार देना चाहिए। जलवायु विनियमनों के संबंध में अन्य क्षेत्रों को देश के एजेंडे का हिस्सा होना चाहिए। इसका एक उदाहरण कृषि है जो देश के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसकी जनसंख्या का एक बढ़ा हिस्सा अब भी कृषि पर निर्भर है। लेकिन, इसके साथ ही यह उत्सर्जन का बड़ा कारण है तथा जलवायु परिवर्तन का जोखिम भी झेलता है। कुल मिलाकर अब जलवायु परिवर्तन भारत के भूराजनीतिक प्रयासों का हिस्सा है। इससे देश को अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार करने तथा विभिन्न रणनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने का अवसर मिलता है। इससे विदेश नीति के क्षेत्र में भी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं जिनका विस्तार सुरक्षा क्षेत्र तक होता है, जो परम्परागत रूप से विदेशी संबंधों का आधार हुआ करते थे।

वैश्विक भूराजनीति में जलवायु वार्ताओं का स्थान महत्वपूर्ण हो गया है। ऐसे में भारत को एक जिम्मेदार वैश्विक पक्ष के रूप में अपना ब्रांड स्थापित करने का अवसर मिलता है। भारत की असली परीक्षा जलवायु वित्त प्रवाह के क्षेत्र में होगी कि वह विकसित देशों को इसमें शामिल करने में कितना सफल होता है। सबसे बड़े बहुराष्ट्रीय जलवायु फंड- ग्रीन क्लाइमेट फंड, ने भारत के सामने एक सीमा बना रखी है। इससे जलवायु जोखिमों के वास्तविक आंकलन की समस्या भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आने वाला समय बताएगा कि भारत की भूराजनीकि रणनीति में जलवायु परिवर्तन कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आप की बात

कश्मीर का वैचारिक प्रदूषण

आज पूरे देश में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ा है वही देश में एक जगह ऐसी भी है जहां पर प्रदूषण का स्तर काफी कम है, वह जगह है कश्मीर वहां पर पीएम 2.5 का स्तर सिर्फ 78 है। पर जब से धारा 370 हटी है तब से कश्मीर में वैचारिक प्रदूषण बढ़ता जा रहा है इस वैचारिक प्रदूषण को मापा भी नहीं जा सकता और या राष्ट्र की एकता के लिए काफी घातक साबित होगा। पिछले दिनों यूरोपियन यूनियन के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल कश्मीर दौरे पर धारा 370 हटाने के बाद वहां का जायजा लेने आया था।। जिसमें 23 सांसद थे।। यूरोपियन यूनियन 28 यूरोपीय देशों का संगठन है। जिसकी स्थापना 1957 में 6 देश बेल्जियम ,फ्रांस, जर्मनी, इटली, लक्जमबर्ग और नीदरलैंड ने मिलकर की थी। कश्मीर दौरे के बाद यूरोपीय सांसदों के आये सकारात्मक बयानों से भारतीय राजनीति के विपक्षी नेताओं में खलबली मच गयी और दलहित को केन्द्र में रखकर कई राष्टविरोधी बयान भी दे डालें। मुख्य विपक्षी पार्टी ने तो सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा की यूरोपी सांसदों का प्रतिनिधिमंडल का दौरा ड्रामा है और सब कुछ पूर्व नियोजित था। विपक्ष के नेताओं को ऐसी बयान बाजी से बचना चाहिए जिससे पाकिस्तान उनके बयानों का फायदा वैश्विक स्तर पर भारत के खिलाफ उठाता है।

– **अभिनव दीक्षित**, बांगरमऊ

दिल्ली एनसीआर से दूर रहें

आज के लगभग सभी समाचार पत्रों में दिल्ली और एनसीआर में हुए जानलेवा प्रदूषण की वजह से वहां के डॉक्टर आम लोगों को यह सलाह दे रहे हैं कि वे लोग दिल्ली ,गाजियाबाद आदि शहरों से तब तक दूर रहें जब तक इस जानलेवा प्रदूषण का स्तर कम नहीं हो जाता! समाचार पत्रों के अनुसार पिछले तीन सालों में यह वायु प्रदूषण का सबसे ख़राब स्तर है इसकी वजह से बहुत से हवाई जहाजों का मार्ग तक बदलना पड़ा है स्कूलों-कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। दिल्ली के 40 प्रतिशत तक लोग देश के किसी और भूभाग में बस जाना चाहते हैं। दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर नोयडा बन गया है जिसके प्रदूषण का स्तर 1600 एक्यूआइ तक पहुंच गया है। हालत ये है कि प्रदूषण इतना ज्यादा हो गया है कि आज इन शहरों में यहां लगीं प्रदूषण नापने वाली मशीनों ने अपना काम करना बन्द कर दिया है! प्रश्न यह है कि दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों की प्रदूषण के मामले में हालत इतनी खराब हो गई है कि डॉक्टरों को दुनिया के इन सबसे प्रदूषित शहरों की आबोहवा से बचाने के लिए लोगों को इन शहरों से दूर रहने की सलाह तक देनी पड़ रही है।

– **निर्मल कुमार शर्मा**, गाजियाबाद

दलबदलू नेता और जनता

आज हमारे देश में लोकतंत्र केवल नाममात्र रह गया है। यहां गद्दी पर आसीन होते ही नेताओं के बोल बदल जाते है फिर क्या जनता और क्या उसकी समस्या सब खत्म। चुनाव के समय हर पार्टी चुनावी सुगुफ़ा देने से बाज नहीं आते। जनता असमंजस में पड़ी रहती है कि आखिर किस पार्टी का चयन किया जाए। फर्क बस इतना है कि कोई कम खाता है कोई ज्यादा लेकिन खाता सब है। एक आधे पर जनता विश्वास कर चयन भी करती है तो वो बाद में किसी ना किसी पार्टी में जाकर मिल जाती है। इस तरह की दल बदल आम बात हो गई जनमत को धोखा देने में उसे जरा भी शर्म की अनुभूति नहीं होती है। हमारे देश मे अलग-अलग जगह से अच्छे प्रतिनिधि का चयन होता है हाल ही में हरियाणा के उम्मीवारों ने वहां कांग्रेस की सरकार का चुनाव किया लेकिन जेजेपी और बीजेपी की सरकार ने वहां गठबंधन बनाकर सरकार बना ली। ऐसा केवल एक ही पार्टी में नहीं हुआ है कांग्रेस, जदयू समाजवादी पार्टी अपितु कोई भी पार्टी इससे अछूती नहीं है।

– **मंकेश्वर महाराज**, मधेपुरा

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

7 नवंबर के पहले सरकार का गठन न होने पर महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लागू हो सकता है।

– **सुधीर मुनगंटीवार**
वरिष्ठ भाजपा नेता

राष्ट्रपति शासन से लोकतंत्र का गला नहीं घोंटने देंगे। हम वैकल्पिक सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। शिवसेना अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करे।

– **नवाब मलिक**
रांकापा के मुख्य प्रवक्ता

मैं जानती हूं कि सरकार इस्राइली एनएसओ से राजनेताओं, पत्रकारों, वकीलों और जजों की निगरानी करा रही है। यह सूचना गलत नहीं है।

– **ममता बनर्जी**
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

झूठे और मनगढंत आरोप के लिए माफी मांगें लल्लू: श्रीकान्त शर्मा

● माफी नहीं मांगी तो करेंगे आपराधिक मानहानि का मुकदमा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने सोमवार को कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू द्वारा उनके ऊपर लगाए गए निजी आरोप मनगढंत, तथ्यों से परे और शर्मनाक हैं। उन्हें अपने इन निंदा योग्य आरोपों पर अविलंब माफी मांगनी चाहिए, नहीं तो वह आपराधिक मानहानि का मुकदमा झेलने के लिए तैयार रहें।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अजय कुमार द्वारा मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए निजी आरोप गढ़े और आरोपित किए हैं। उनके यह आरोप पूरी तरह से मनगढंत, तथ्यों से परे हैं। वह राहुल गांधी की तरह बर्ताव कर रहे हैं जिन्होंने भी कई नेताओं पर झूठे आरोप लगाए और आज अदालतों के चक्कर लगा रहे हैं। उनके इस कृत्य से उन्हें सूक्ष्म प्रसिद्धि तो जरूर मिल सकती है लेकिन उनका यह आचरण सार्वजनिक जीवन की मर्यादा के विपरीत है। उन्होंने कहा कि क्या मामले में निवेश का रास्ता कांग्रेस परिवार के प्रिय मित्र अखिलेश यादव के समय ही खोला गया। इसकी पाठकथा उनके कार्यकाल में ही लिखी गई। जैसे ही मामला संज्ञान में आया उन्होंने स्वयं मामले की सीबीआई जांच के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जांच कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने अनुरोध स्वीकार किया और उनके द्वारा इसकी सिफारिश डीओपीटी को तत्काल की गई। वर्तमान में डीजी ईओडब्ल्यू इसकी जांच कर रहे हैं।

सरकार भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर गंभीर है और उसकी नीति ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेन्स की है। इसीलिये तत्काल मामले में एफआईआर और प्रथमदृष्टया दोषियों की गिरफ्तारी भी कराई गई।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की भविष्य निधि का निवेश कहां होगा यह काम ट्रस्ट के अध्यक्ष और ट्रस्टियों का है। ऊर्जा मंत्री का इस प्रक्रिया से कोई सरोकार नहीं है। ऊर्जा विभाग के सभी सदस्य मेरे परिवार का हिस्सा हैं। सरकार ने पहले ही कहा है कि इस मामले में किसी का अहित नहीं होगा। लल्लू को अपने कृत्य पर सार्वजनिक तौर पर तत्काल माफी मांगें। केवल आरोप लगाकर भाग जाने की राजनीति नहीं चलेगी। वह ऐसा नहीं करेंगे तो उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का नोटिस भेजकर शीघ्र ही कानूनी कार्यवाही शुरू कराई जाएगी।

ऊर्जा मंत्री को बर्खास्त कर गिरफ्तार किया जाए: कांग्रेस

● बिजली कर्मचारियों के पीएफ घोटाले के विरोध में कांग्रेस ने गांधी प्रतिमा पर धरना दिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूबे के लगभग 45 हजार बिजली कर्मचारियों के भविष्य निधि में हुए घोटाले के विरोध में प्रदेश कांग्रेस ने जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष धरना दिया। इस धरने का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस के सचिव और लखनऊ के प्रभारी रमेश शुक्ला ने किया। कांग्रेस ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे होने का अरोप लगाते हुए कर्मचारी परिवारों के हितों को लेकर इस महाघोटाले में संलिप्त ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा की बर्खास्तगी एवं आपराधिक मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किए जाने की मांग की है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अन्यथा पूरे प्रदेश के कांग्रेसजन आरपार की लड़ाई लड़ने के लिए विवश होंगे।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस सचिव रमेश शुक्ला ने कहा कि 2600 करोड़ रुपए का घोटाला बगैर ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा की मिलीभगत के संभव नहीं है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के ऊर्जा मंत्री को बचाने के लिए पहले तो इस घोटाले को महीनों दबाने का भरसक प्रयास किया किन्तु भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी द्वारा प्रदेश के लाखों परिवारों के साथ हुए इस जघन्य आपराधिक कृत्य को प्रमुखता से उठाए जाने एवं कांग्रेस पार्टी द्वारा कर्मचारियों के हितों के संघर्ष के दृढ़ संकल्प और आम जनता के हितों की रक्षा की प्रतिबद्धता के चलते प्रदेश सरकार ने एक बार फिर लीपापोती करने का प्रयास किया।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी प्रशासन सिद्धार्थ प्रिय श्रीवास्तव ने कहा कि हजारों बिजली कर्मचारियों के भविष्य निधि को हड़पने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार ने डिफाल्टर कंपनी में पैसे का निवेश किया, जिससे साबित होता है कि कंपनी तो डिफाल्टर है ही यह सरकार भी डिफाल्टर हो चुकी है। धरने को पूर्व विधायक श्यामकिशोर शुक्ला, डॉ. अनूप पटेल, केके आनन्द, शैलेन्द्र तिवारी बबलू पूर्व पार्षद ने भी सम्बोधित किया। धरने का संचालन मुकेश सिंह चौहान पूर्व पार्षद ने किया।

प्रदूषण के मुद्दे पर गंभीरता से सोचने की जरूरत: प्रियंका वाड्रा

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, बनारस, लखनऊ सहित कई शहरों की हवा जहरीली बनी हुई है। इसी हवा में हमारे बच्चे स्कूल जाते हैं। इसी हवा में मजदूर और आमजन काम करने निकलते हैं। आज प्रदूषण के मुद्दे पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है। प्रदूषण की गंभीर समस्या पर सोमवार को ट्वीट करके प्रियंका ने कहा कि साल 1952 में लंदन में भयंकर स्मॉग ने 12000 लोगों की जान ली थी। शहर जाम हो गया था, लाखों लोग बीमार पड़ गए थे। इसनी बड़ी त्रासदी के बाद वहां साफ हवा के लिए कानून पास हुआ। उन्होंने कहा कि हम जैसे अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए तमाम काम करते हैं, जीवन बीमा लेते हैं, कसरत करते हैं उसी प्रकार हमें एक कोशिश प्रदूषण के खिलाफ भी करनी होगी। साफ हवा हमारा हक है और हमारी जिम्मेदारी भी।

झूठ बोल रही योगी सरकार, डीएचएफएल में 24 मार्च को पहली बार जमा हुआ पैसा: लल्लू

● कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने ऊर्जा मंत्री से पूछे सात सवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि बिजली कर्मचारियों के पीएफ घोटाले के मामले में प्रदेश की योगी सरकार झूठ बोल रही है। उन्होंने कहा कि पहली बार 24 मार्च को डीएचएफएल में पैसा जमा किया गया और उस समय योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री और श्रीकांत शर्मा ऊर्जा मंत्री थे। भाजपा लगातार प्रदेश की जनता से झूठ बोल रही है। ताकि उसका भ्रष्टाचार छुप सके। लल्लू ने ऊजा मंत्री से सात सवालों पर जवाब मांगा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पूरे सूबे की जनता भाजपा के भ्रष्टाचार को देख रही है। ऊर्जा मंत्री की बौखलाहट बता रही है कि दाल में कुछ काला है। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा उठाए गए सवाल उत्तर प्रदेश की जनता के सवाल हैं, लाखों कर्मचारियों का सवाल है। मंत्री अपनी जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा प्रेस कांफ्रेंस कर सात सवालों का जवाब दें। इनमें डीएचएफएल मे निवेश का अनुमोदन कब हुआ? कब हस्ताक्षर किया गया? मार्च 2017 के बाद से दिसंबर 2018 तक किन किन तारीखों मे निवेश किया? अब तक डीएचएफएल से हुए पत्राचार, डीएचएफएल की ओर से कौन लोग बात कर रहे थे, यह सार्वजनिक किया जाए। आखिर भाजपा को सबसे ज्यादा व्यक्तिगत चंदा देने वाले वधावन की निजी कंपनी डीएचएफएल को ही नियमों को ताक पर रखते हुए कर्मचारियों की जीवन की पूंजी क्यों सौंपी गई? गरीब जनता की बिजली कुछ सौ और हजार रुपए के बकाया पर कटवा देने वाले मंत्री विभाग के खजाने से हजारों करोड़ रुपए देशद्रोहियों दाऊद इब्राहिम और इकबाल मिर्ची से जुड़ी कंपनियों को देते हैं। डीएचएफएल की ओर से डील करने वाला अमित प्रकाश अभी भी क्यूं नहीं पकड़ा जा रहा है। यह अमित प्रकाश ऊर्जा मंत्री से या उनके रिश्तेदारों से कब-कब मिला? ईओडब्ल्यू ने अभी तक विजिटर बुक क्यों नहीं सील की?

बिजली कर्मी 18-19 नवंबर को करेंगे कार्य बहिष्कार

● पीएफ घपले के विरोध में लिया निर्णय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति और पावर कारपोरेशन प्रबन्धन के बीच सोमवार को हुई वार्ता बेनतीजा रही। संघर्ष समिति ने प्राविडेन्ट फण्ड घोटाले की सीबीआई से जांच कराने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा का स्वागत किया किन्तु चेयरमैन पावर कारपोरेशन से वार्ता का कोई नतीजा न निकलने के बाद विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने प्राविडेन्ट फण्ड घोटले के विरोध में और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए 18 व 19 नवम्बर को 48 घण्टे का कार्य बहिष्कार तथा 5 नवम्बर को शक्ति भवन मुख्यालय सहित सभी जिला व परियोजना मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।

पावर कारपोरेशन प्रबन्धन व संघर्ष समिति के पदाधिकारियों के बीच यूपी पावर सेक्टर इम्प्लाइज ट्रस्ट की धनराशि के घोटाले और अन्य प्रमुख समस्याओं मुख्यतया निजीकरण, वेतन विसंगतियों, सभी रिक्त पदों पर भर्ती, संविदा कर्मियों का नियमितीकरण और पुरानी पेन्शन बहाली सहित कई मांगों पर चर्चा हुई। संघर्ष समिति ने यह कहा कि पावर कारपोरेशन प्रबन्धन ने स्वयं स्वीकार किया है कि ट्रस्ट द्वारा लागू गाइडलाइन्स का पालन नहीं किया जा रहा है तथा फण्ड के निवेश की गाइडलाइन्स का उल्लंघन किया जा रहा है और 99 प्रतिशत से अधिक धनराशि केवल 3 हाउसिंग फाइनेन्स कम्पनियों में निवेशित कर दी गयी हैं जिसमें 65 प्रतिशत से अधिक केवल दीवान हाउसिंग फाइनेन्स लिमिटेड में निवेशित की गयी है। प्रबन्धन ने यह स्वीकार किया कि तीनों हाउसिंग फाइनेन्स कम्पनियां अनुसूचित बैंकिग की परिभाषा में नहीं आती हैं और इनमें किया गया निवेश नियम विरूद्ध व असुरक्षित है। संघर्ष समिति ने पावर कारपोरेशन प्रबन्धन द्वारा घोटाले की स्वीकारोक्ति के बाद यह मांग रखी कि यूपी पावर सेक्टर इम्प्लाइज ट्रस्ट में निवेशित समग्र धनराशि के भुगतान की जिम्मेदारी उप्र सरकार उसी प्रकार ले जैसे वर्ष 2000 में उप्र राविप के विघटन के समय राज्य सरकार ने समस्त पेन्शन, ग्रेच्युटी और सेवा निवृत्ति देयों की सारी जिम्मेदारी ली थी। पावर कारपोरेशन प्रबन्धन के समक्ष संघर्ष समिति ने यह बात भी उठाई कि यूपी पावर सेक्टर इम्प्लाइज ट्रस्ट का पुनर्गठन कर इसमें संघर्ष समिति के प्रतिनिधि रखे जाये और ट्रस्ट में निवेशित समस्त धनराशि का पूरा विवरण लिखित तौर पर संघर्ष समिति को दिया जाये।

नियमों में शिथिलता बनी पीएफ घपले की एक अहम वजह

● उपभोक्ता परिषद ने उठाए कई अहम सवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

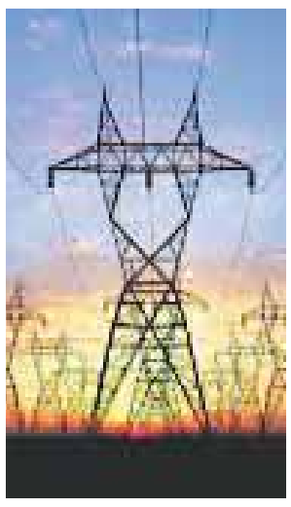

पावर कारपोरेशन में हजारों करोड़ रुपए भविष्य निधि घपले में कई सवाल खड़े होने लगे हैं। नियमों में शिथिला का कारण भी इस घपले की एक कड़ी बनकर सामने आ रही है। पावर कारपोरेशन में बने ट्रस्ट की आठ मई 2013 की बैठक में यह तय हुआ था कि सामान्य भविष्य निधि की धनराशि को केवल राष्ट्रीयकृत बैंकों में लगाया जाएगा लेकिन 21 अप्रैल 2014 को बोर्ड आफ ट्रस्ट ने यह निर्णय लिया कि भविष्य निधि की धनराशि को बैंक की निवेश की तरह सुरक्षित एवं अधिक ब्याज वाले विकल्प पर भी विचार किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने कहा है कि सवाल यह खड़ा हो रहा है कि जब डीएचएफएल में भविष्य निधि की धनराशि निवेश करने का फैसला लिया गया तो यह मामला बोर्ड आफ ट्रस्ट की बैठक में क्यों नहीं रखा गया। इस मामले में जल्द ही पावर कारपोरेशन के कुछ अधिकारियों को हटाया जा सकता है।

उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो 2014 से लेकर 2016 तक इस कंपनी में एक-एक साल के लिए निवेश किया गया जो कि धनराशि करीब 11 सौ करोड़ की थी। बाद में एक साथ तीन साल के लिए निवेश करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए 17 मार्च 2017 को पत्रावली पर अनुमोदन दिया गया। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार 17 मार्च को 465 करोड़ की पहली किश्त कंपनी के खाते में गई। उसके बाद जब 24 मार्च को बोर्ड की बैठक हुई तो उस बैठक में यह मामला अगर रखा गया तो उसमें उच्च अधिकारियों ने क्यों नहीं मामले को गंभीरता से लिया। यह धनराशि एक साल में नहीं गई जबकि 2667 करोड़ की धनराशि किस्तों में गई। राज्य में जब निजाम बदला तो पहले की सरकार में लिए गए निर्णयों की समीक्षा क्यों नहीं की गई? 24 मार्च की बैठक में सचिव ट्रस्ट और निदेशक वित्त को ही उक्त कंपनी में निवेश के मामले की पत्रावलियों के संबन्ध में निर्णय लेने के लिए अधिकृत कर दिया गया।

उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि अगर 17 मार्च को जो निवेश हुआ उसके बाद किसी भी प्रकार के इस प्रकार के निवेश पर रोक लगा दी गई होती तो यह घपला नहीं होता। वर्मा ने कहा कि जब 24 मार्च 2017 को बोर्ड ऑफ ट्रस्ट की मीटिंग हुई तो उस बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि भारत सरकार द्वारा 2 मार्च 2015 को जारी नोटिफि केशन के तहत निवेश हाई सिक्योरिटी वाले ट्रिपल रेटेड कंपनी में भी अधिक ब्याज पर लगाया जा सकता है। मीटिंग में यह भी प्रस्ताव पास हुआ कि सचिव ट्रस्ट इस मामले में निदेशक वित्त से अनुमोदन लेंगे जबकि उस मीटिंग में इस बात पर सवाल जवाब होना था चाहिए था कि किस आधार पर निजी कंपनी में निवेश सीएमडी के अधीनस्थ अधिकारियों ने ले लिया। इस घपले के बाद कारपोरेशन के कर्मचारियों का कहना है कि भविष्य निधि के धनराशि की गारंटी अब राज्य सरकार को लेनी चाहिए।

भाजपा सरकार माफियाओं के आगे नतमस्तक :प्रो.रामगोपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव एवं सांसद प्रो. रामगोपाल यादव ने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति शोचनीय है। नोटबंदी और जीएसटी की वजह से उद्योगधंधे बंद हो गए हैं, हजारों कर्मचारियों की छंटनी हो गई है। बेकारी बेलगाम है। बैंक डूब रहे हैं। जनता की गाढ़ी कमाई लूटकर कई बड़े उद्योगपति विदेश भाग गए है। भाजपा सरकार माफियाओं के आगे नतमस्तक है। इन स्थितियों में जनता के सब्र का बांध टूटने लगा है। अब वह भाजपा से निजात पाने को व्याकुल है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार केन्द्र की हो या प्रदेश की हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। इनकी कुनीतियों से देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्थाएं बिगड़ी हैं और बेकारी बढ़ी है। विकास की गाड़ी पटरी से उतर चुकी है। भाजपा केवल सपने दिखाकर बहकाने का काम करती रही है लेकिन हाल के उपचुनावों में मतदाताओं ने उसे आईना दिखाने का काम किया है। आगे भी जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। प्रो. रामगोपाल यादव ने यह बात पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कही। इस मौके पर मौजूद सपा मुखिया अखिलेश यादव से जलालपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में विजयी विधायक सुभाष राय के साथ आए कार्यकर्ताओं और बूथ प्रभारियों ने मुलाकात भी की। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद अहमद हसन, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री गोपीनाथ वर्मा एवं पवन पाण्डेय, विधायक शैलेन्द्र यादव ललई एवं संग्राम सिंह, सदस्य विधान परिषद एसआरएस यादव तथा विशाल वर्मा की उपस्थिति थे। अखिलेश यादव ने कहा कि जलालपुर की जीत कार्यकर्ताओं की जीत है। भाजपा की जातिवादी, साम्प्रदायिक राजनीति के दिन अब लद गए हैं। जनता जागरूक है। उसे भाजपा नेतृत्व की वादाखिलाफी के साथ विकास के प्रति अरूचि का भी एहसास हो चला है। किसान, मजदूर, गरीब, व्यापारी, नौजवान, महिलाएं सभी परेशानी और कुंठा में अपनी जिंदगी बसर करने को मजबूर है।

सीधे समायोजन नहीं, जनपदों में योग्यता के आधार पर मिलेगा मौका

● यूपीएचएसएसपी से निकाले गये संविदा कर्मचारियों का मामला

सतीश सिंह। लखनऊ

यूपीएचएसएसपी से निकाले गये 5000 कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में सीधे समायोजन नहीं होगा। इन कर्मचारियों को विकल्प के तौर पर विभाग ने जिलों में सीएमओ के माध्यम योग्यता के आधार पर मौका देने का निर्णय लिया है। जिलों में सीएमओ को आवश्यकता के आधार पर टेण्डर या आउटसोर्सिंग के माध्यम से चयन के दौरान अनुभव को प्राथमिकता देने की बात कही गयी है। प्रदेश में उत्तरप्रदेश हेल्थ स्ट्रेंथिंग सिस्टम परियोजना (यूपी एचएसएसपी) की तरफ से 51 बड़े चिकित्सालयों का संचालन किया जाता है। इन अस्पतालों में संविदा के आधार पर कर्मचारियों को रखा गया था। इसके तहत 5000 कर्मचारी संविदा पर आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से तैनात थे। इन कर्मचारियों में लैब टेक्नीशियन से लेकर पर्चा बनाने वाले कर्मचारी तक शामिल हैं। आउटसोर्सिंग एजेंसी का शासन स्तर पर नवीनीकरण न होने से इन कर्मचारियों की सेवाएं 31 अक्टूबर 2019 को समाप्त कर दी गयी हैं। सेवाएं समाप्त होने के बाद संयुक्त स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारी संघ के निर्देशन में कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। कर्मचारियों की मांग है कि उनका समायोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत किया जाय। इस बावत कर्मचारियों ने 12 नवंबर को विधानसभा के घेराव का निर्णय लिया है। कर्मचारियों के आंदोलन और समायोजन को लेकर विभागीय अधिकारियों का कहना है कि रखे गये कर्मचारी आउटसोर्सिंग के थे इसलिए उनके समायोजन का प्रश्न नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि 51 बड़े चिकित्सालयों के संचालन को लेकर मैनपॉवर के लिए विकल्प के तौर पर जिलों में सीएमओ से कहा गया है कि आवश्यकता के आधार पर टेंडर या आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से चयन में अनुभव को वरीयता दें। ऐसे में काफी कर्मचारियों को मौका मिल सकेगा।

> **यूपीएचएसएसपी** के कर्मचारी आउटसोर्सिंग एजेंसी के कर्मचारी थे, ऐसे में समायोजन का प्रश्न नहीं ह। जिलों में सीएमओ को आवश्कता के आधार पर चयन के दौरान अनुभव को वरीयता देने की बात कही गयी है।
>
> **डॉ. देवेश चतुर्वेदी**
> **प्रमुख सचिव,**
> **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य**

जिलों को मिला एंटी लार्वा की खरीद का अधिकार

● समय पर टेंडर न हो पाने के कारण स्वास्थ्य विभाग ने उठाया कदम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डेंगू के बढ़ते प्रकोप और मच्छरजनित बीमारियों पर नियंत्रण पाने को लेकर छिड़काव के रूप में शामिल एंटी लार्वा की खरीद का अधिकार स्वास्थ्य विभाग ने जिलों को दे दिया है। पहले इसकी खरीद यूपी मेडिकल सप्लाई कारपोरेशन द्वारा टेंडर के जरिए किये जाने की थी, पर समय पर टेंडर न होने से खरीदारी संभव नहीं हो सकी। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य देवेश चतुर्वेदी ने कहा है कि जिलों में सीएमओ डिमांड के आधार पर खरीद कर छिड़काव करा सकते हैं।

राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के अन्य जिलों में डेंगू के बढ़ते प्रकोप के चलते मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में अभी तक 5724 डेंगू के केस सामने आ चुके हैं, साथ ही नौ लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में लखनऊ में 1416, कानपुर में 1169, प्रयागराज में 234, सहारनपुर में 216 और वाराणसी में 178 मरीज मिल चुके हैं। मच्छरजनित बीमारियों पर नियंत्रण पाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग की तरफ से हर साल एंटी लार्वा की फागिंग कराई जाती है। इस बार प्रदेश में एंटी लार्वा की सप्लाई यूपी मेडिकल सप्लाई कारपोरेशन की तरफ से की जानी थी। मगर समय पर टेंडर न हो पाने की वजह से जिलों में एंटी लार्वा की फागिंग प्रभावित हो रही थी। जिसको देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एंटी लार्वा की खरीद का अधिकार जिलों को दे दिया है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य देवेश चतुर्वेदी ने बताया कि जिले में सीएमओ डिमांड के आधार पर एंटी लार्वा की खरीद जेम पोर्टल के जरिए खरीद सकेंगे।

राज्यपाल आनंदीबेन ने की मॉरीशस के राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अप्रवासी दिवस की 185वीं वर्षगांठ समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहीं प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने मॉरीशस भ्रमण के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति वायपोरी पिल्ले से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति से भारत मॉरीशस संबंधों को और प्रगाढ़ एवं मजबूत बनाने, मेट्रो एक्सप्रेस, सुप्रीम कोर्ट भवन के निर्माण कार्यों के अलावा स्वास्थ्य, शिक्षा, समुद्री यातायात, तथा गांधी जी के 150वीं जयन्ती समारोह के संबंध में गांधी जी के सन्देशों के प्रचार एवं प्रसार किए जाने के संबंध में भी चर्चा हुई।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री प्रवीण कुमार जुगन्नाथ से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने भारत से संबंधों को अभूतपूर्व कहा तथा मॉरीशस में भारतीयों द्वारा किए जा रहे निवेश के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने जनवरी 2019 में वाराणसी में प्रवासी भारतीय दिवस में मुख्य अतिथि तथा प्रयागराज कुम्भ मेला के अपने अनुभव को अनुपम बताया। उन्होंने मॉरीशस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मेट्रो एक्सप्रेस के उद्घाटन के लिए आभार भी व्यक्त किया। राज्यपाल ने राष्ट्रीय असेम्बली के स्पीकर माया हनुमानजी से भी शिष्टाचार भेंट की। इसके अलावा स्पीकर से जेन्डर बजट, युवा स्वावलम्बन योजना आदि के संबंध में विचार विमर्श हुआ। स्पीकर ने मॉरीशस में भारत सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर शुरू किये गये विभिन्न प्रोजेक्टों के लिए धन्यवाद भी दिया।

न्यायिक कार्यों से विरत रहे राजधानी के अधिवक्ता

दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट परिसर में वकीलों पर हुए हमले का मामला

विधि संवाददाता। लखनऊ

दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट परिसर में वकीलों पर हुए लाठी चार्ज व गोली चलाने की घटना के विरोध में सोमवार को हाईकोर्ट सहित राजधानी की अधीनस्थ अदालतों के वकील भी न्यायिक कार्यों से पूर्णतया विरत रहे। इस दौरान युवा अधिवक्ता मंच की ओर से पुराने हाईकोर्ट चौराहे पर दिल्ली पुलिस का पुतला भी फूंका गया। वकीलों की मांग है कि हमले में घायल वकीलों के इलाज का पूरा खर्चा उठाया जाए व दोषी पुलिस वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। वकीलों ने अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट भी लागू करने की मांग की है। इस संदर्भ में सेंट्रल बार एसोसिएशन की ओर से जिलाधिकारी के जरिए राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भी भेजा गया।

बीते रविवार को इस घटना के विरोध में सेंट्रल बार एसोसिएशन की एक आकस्मिक बैठक हुई थी। इस बैठक में दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट परिसर में वकीलों पर पुलिस द्वारा अकारण लाठी चार्ज व गोली चलाने की घटना की तीखी निंदा की गई थी। साथ ही न्यायिक कार्यों से पूर्णतया विरत रहने का निर्णय लिया गया था।

सोमवार को वकीलों के न्यायिक कार्यों से विरत रहने के चलते हाईकोर्ट सहित अधीनस्थ अदालतों में कोई न्यायिक कार्य नहीं हो सका। दोपहर बाद सीबीए के अध्यक्ष आदेश कुमार सिंह व महामंत्री संजीव कुमार पांडेय की अगुवाई में वकीलों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को एक ज्ञापन प्रेषित किया। जिसमें अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट को भी लागू करने की मांग की गई है। वकीलों के अलावा ज्ञापन देने वालों में सीबीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सबीह अहमद, मध्य उपाध्यक्ष ध्रुव कुमार सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष विकास श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव अनिल कुमार मिश्रा, नीरज यादव व गोर्वधन लाल गुप्ता व कोषाध्यक्ष अनुज जैन समेत कार्यकारिणी सदस्य भी मौजूद रहे। वहीं दूसरी तरफ इस घटना के विरोध में युवा अधिवक्ता मंच के अध्यक्ष ब्रहमेंद्र सिंह मौर्य की अगुवाई में वकीलों ने पुराने हाइकोर्ट परिसर तक जुलुस निकाला व धरना प्रदर्शन किया। साथ ही दिल्ली पुलिस का पुतला भी फूंका। इस प्रदर्शन में वकील आलोक शर्मा, गुफरान सिद्दीकी, मो. शरीफ, रघुवंश प्रताप सिंह, शिवा सक्सेना, मधुर पटेल, अमित पांडेय, संजय यादव, राजन यादव, रघु त्रिपाठी व राकेश सिंह आदि वकील मौजूद रहे।

विपक्ष महागठबंधन बनाने में जुटा मरांडी को मनाने की कोशिशें तेज

एजेंसी। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद झामुमो के नेतृत्व में भाजपा विरोधी सभी प्रमुख विपक्षी पार्टियां महागठबंधन के प्रयास में जुट गई हैं। विपक्षी दलों के इस महागठबंधन में बाबूलाल मरांडी की पार्टी झारखंड विकास मोर्चा को शामिल करने की भी कोशिशें हो रही हैं। झारखंड विकास मोर्चा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने महागठबंधन में सम्मानजनक सीटें नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए सभी सीटों पर लड़ने की घोषणा कर दी है, जिसके बाद उन्हें मनाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रवक्ता और महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि झामुमो का पूरा प्रयास है कि अन्य विपक्षी दलों कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल एवं वामपंथी दलों के साथ बाबूलाल मरांडी की झारखंड विकास मोर्चा भी भाजपा के खिलाफ महागठबंधन में शामिल हो। हालांकि, झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन के अनेक बार प्रयास के बावजूद मरांडी से संपर्क नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि अब महागठबंधन सहयोगी कांग्रेस को बाबूलाल मरांडी से संपर्क करने को कहा गया है। सुप्रियो ने कहा कि बाबूलाल मरांडी बहुत परिपक्व एवं वरिष्ठ नेता हैं और गठबंधन बनाने के लिए उन्हें कुछ त्याग करने के लिए तैयार होना चाहिए। सुप्रियो ने कहा कि उनकी पार्टी की कार्यकारिणी की बैठक छह नवंबर को है जिसमें पार्टी के उम्मीदवारों की पहली सूची तय की जाएगी और वह आठ नवंबर को जारी कर दी जाएगी।

● झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव पांच चरणों में होंगे। मतदान का पहला दौर 30 नवंबर को और अंतिम तथा पांचवां चरण 20 दिसंबर को होगा। मतगणना 23 दिसंबर को होगी

इस बीच, कांग्रेस के झारखंड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने दोहराया कि राज्य में महागठबंधन के लिए बातचीत अंतिम दौर में है और सात- आठ नवंबर तक इसका स्वरूप तय कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि इस महागठबंधन में झामुमो, राजद एवं वामपंथी दलों के अलावा बाबूलाल मरांडी की झारखंड विकास मोर्चा भी शामिल हो। समझा जाता है कि महागठबंधन में शामिल दलों में लड़ने वाली सीटों की हिस्सेदारी तय हो गई है। यहां महागठबंधन में झाविमो के शामिल होने की स्थिति में जहां झामुमो 35 से 40 सीटों पर चुनाव लड़ेगा वहीं कांग्रेस 25 से 30 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। शेष 20 से 25 सीटों में पांच से सात सीटों पर लालू प्रसाद यादव की राजद और अन्य पर झाविमो एवं वामपंथी दल चुनाव लड़ेंगे।

महागठबंधन को ही अंतिम रूप देने के लिए झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन दो दिनों पूर्व न्यायिक हिरासत में बंद राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मिले थे। झारखंड में 81 सदस्ईय विधानसभा के लिए चुनाव पांच चरण में होंगे। मतदान का पहला दौर 30 नवंबर को और अंतिम तथा पांचवां चरण 20 दिसंबर को होगा। मतगणना 23 दिसंबर को होगी।

बीकानेर में गोपाष्टमी के अवसर पर गायों को चारा खिलाते श्रद्धालु

प्रदूषण का दोष किसानों को देना बंद करें, धान जैविक पार्क बनाने पर दें ध्यान: स्वामीनाथन

नई दिल्ली। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में फैले वायु प्रदूषण के लिए किसानों को दोष देना बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे कोई हल नहीं निकलने वाला। इसकी जगह दिल्ली और पड़ोसी राज्यों की सरकारों को धान जैविक पार्क बनाने चाहिए, जिससे किसानों को पराली नष्ट करने के हरित तरीके अपनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में फसलों के अवशेषों का इस्तेमाल पशुओं के चारे के रूप में किया जाता है, अत: वहां इसे नहीं जलाया जाता है। उन्होंने कहा कि वह लगातार कई सालों से चावल के भूसे के कई आर्थिक उपयोग की ओर इशारा करते रहे हैं। स्वामीनाथन ने एक के बाद एक ट्वीट करते हुए कहा, हमें किसानों को दोषी ठहराना बंद करना चाहिए, क्योंकि इससे कुछ हासिल नहीं होगा। इसके बजाय हमें ऐसे तरीके अपनाने चाहिए जो आर्थिक और पारिस्थितिक रूप से वांछनीय हों। उन्होंने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य की चिंता का विषय बन गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री सहित कई लोग किसानों पर फसल अवशेष जलाने और इससे प्रदूषण फैलने का आरोप लगा रहे हैं। हाल ही में, म्यामां के ने ए्ड ताव में एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा एक धान बायो-पार्क की स्थापना की गई थी। इसे भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। उन्होंने कहा कि धान के बायोपार्क से पता लगता है कि कागज, कार्डबोर्ड और पशु आहार सहित विभिन्न उत्पादों को बनाने के लिए किस तरह से फसल अवशेष का उपयोग किया जा सकता है।

महादई नदी को लेकर जावड़ेकर से मिला सर्वदलीय शिष्टमंडल

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के नेतृत्व में एक सर्वदलीय शिष्टमंडल ने महादई नदी पर कलासा बंदूरी परियोजना के लिए कर्नाटक को पर्यावरण मंजूरी देने के सिलसिले में पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से मुलाकात की। गोवा और कर्नाटक के बीच महादई नदी के जल वितरण को लेकर विवाद चल रहा है और कलासा बंदूरी परियोजना का उद्देश्य महादई नदी के जल को मोड़कर उसे उत्तरी कर्नाटक के तीन जिलों में पहुंचाना है। हालांकि, पर्यावरण मंजूरी की स्थिति को लेकर अभी असमंजस है क्योंकि मुख्यमंत्री सावंत ने इससे पहले कहा था कि केन्द्र की ओर से ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया। वहीं, जावड़ेकर ने मंजूरी की घोषणा से जुड़ा अपना ट्वीट बाद में हटा दिया था। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने दावा किया कि बातचीत सार्थक रही।

आकांक्षा समिति अध्यक्ष को दी भावपूर्ण विदाई

आकांक्षा समिति की अध्यक्ष को विदाई देतीं सदस्याएं — पायनियर

संवाददाता। ललितपुर

आकांक्षा समिति की सदस्याओं द्वारा समिति अध्यक्ष मंजू सिंह को भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर सचिव आकांक्षा समिति डा.जनक किशोरी शर्मा ने कहा कि मंजू सिंह ने अपने मधुर व्यवहार एवं कर्मठता जैसे गुणों से सभी का मन जीत लिया है। कोषाध्यक्ष डा.जयश्री ने कहा कि अध्यक्षा द्वारा सभी सदस्यों की सहभागिता को लेकर अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य किये गए हैं। उनके द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे वृक्षारोपण, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों में सराहनीय कार्य किये गए हैं। इस अवसर पर समिति की सदस्या सरोज दिवाकर ने एक सुंदर विदाई गीत प्रस्तुत किया। विदाई समारोह के दौरान अध्यक्षा आकांक्षा समिति ने अपने सम्बोधन में ऊषा जायसवाल, संगीता जैन, नीति शर्मा, रीना जैन, जयश्री, सिंधु सिंघई, मधु गुप्ता, सरोज दिवाकर, नर्मता चौहान, अर्चना वीके अग्रवाल आदि को सदैव याद रखने की बात कही। संचालन कर रहीं डा.जनक किशोरी शर्मा ने आकांक्षा समिति की अध्यक्षा एवं अन्य सदस्याओं का आभार व्यक्त किया।

क्विक न्यूज

विधायक शिवपूजन मेहता भाजपा की सहयोगी आजसू में शामिल

रांची। झारखंड विधानसभा के सदस्य शिवपूजन मेहता सोमवार को भाजपा की सहयोगी ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) में शामिल हो गए। आजसू अध्यक्ष और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने पार्टी कार्यालय पर आज विधायक मेहता और उनके समर्थकों का पार्टी में स्वागत किया। यह पूछे जाने पर कि मेहता किन शर्तों पर आजसू में शामिल हुए हैं, महतो ने कहा कि वह बिना शर्त पार्टी में शामिल हुए हैं। हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र से बसपा विधायक शिवपूजन मेहता को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 29 जुलाई को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। आज्सू में शामिल होने के बाद मेहता ने कहा कि वह आजसू के नेतृत्व के निर्देशों का सहर्ष पालन करेंगे और उन्होंने पार्टी में शामिल होने के लिए कोई शर्त नहीं रखी है।

महाराष्ट्र में 10,000 करोड़ रुपए की आरंभिक सहायता स्वीकृत

पुणे। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चन्द्रकांत पाटिल ने सोमवार को कहा कि सरकार ने उन किसानों की सहायता के लिए 10,000 करोड़ रुपए की राशि को मंजूरी दी है, जिन किसानों की फसलें बेमौसम बारिश से प्रभावित हुई हैं। यह सहायता क्षति के प्रारंभिक मूल्यांकन पर आधारित है और बाकी सहायता भी बाद में जारी की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सरकार की बीमा योजना के दायरे में नहीं आने वाले किसानों को भी राहत मिलेगी। पाटिल ने कहा, हम क्षति के पूरे आकलन के बाद जल्द ही शेष सहायता जारी करेंगे। बारिश से प्रभावित पुणे जिले के पुरंदर, बारामती और इंदापुर तालुकाओं की स्थिति की समीक्षा के संदर्भ में हुई बैठक में हिस्सा लेने के बाद मंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में यह जानकारी दी। पाटिल ने कहा, हम प्रभावित किसानों से विभिन्न प्रकार की जानकारियां एकत्र कर रहे हैं। हमें यह समझना होगा कि बीमा कंपनियों से राहत पाने के लिए फसलों के संदर्भ में आकलन किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार फसल बीमा के लिए लगभग 75 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान कर रही है। प्रारंभिक मूल्यांकन के अनुसार, कम से कम आधा दर्जन जिलों के 325 तालुकों में 54.22 लाख हेक्टेयर में लगी फसलों का नुकसान हुआ है। क्षतिग्रस्त फसलों में ज्वार, धान, कपास और सोयाबीन शामिल हैं।

भाजपा ने कार्यकर्ताओं, प्रवक्ताओं को अयोध्या फैसले पर संयम बरतने को कहा

नई दिल्ली। अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले से पहले भाजपा ने सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रवक्ताओं से राम मंदिर मामले में भावनात्मक और भड़काऊ बयान देने से बचने को कहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी कुछ दिन पहले अपने प्रचारकों को इसी तरह का परामर्श जारी किया था। सूत्रों के अनुसार भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने पार्टी प्रवक्ताओं, देशभर के मीडिया और सोशल मीडिया विभागों की बैठक में उनसे राम मंदिर के विषय पर अनावश्यक बयान देने से बचने को कहा। भाजपा की सोशल मीडिया इकाई के प्रमुख अमित मालवीय ने भी पार्टी की सोशल मीडिया टीमों को इस बारे में जानकारी दी कि इस तरह के मंचों पर विवादास्पद बयान देने से कैसे बचें। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हाल ही में प्रचारकों की बैठक में कहा था कि राम मंदिर फैसला पक्ष में आने पर विजय उत्सव नहीं मनाया जाए या जुलूस नहीं निकाले जाएं।

भाजपा सरकार के कुप्रबंध के कारण अर्थव्यवस्था आईसीयू में है : तिवारी

चंडीगढ़। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा सरकार देश की अर्थव्यवस्था को खराब ढंग से चला रही है जिसके चलते वह आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) में पड़ी है। आनंदपुर साहिब से सांसद ने यह भी कहा कि कांग्रेस भारतीय अर्थव्यवस्था की गंभीर हालत को उजागर करते हुए मंगलवार से राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन शुरू करेगी। तिवारी ने यहां पत्रकारों से कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था आईसीयू में है और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार इसके लिए जिम्मेदार है। उन्होंने अर्थव्यवस्था को पूरी तरह खराब ढंग से चलाया जिससे देश में लाखों नौकरियों पर विपरीत असर पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार को नींद से जगाने के लिए देशव्यापी प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। देश के नौकरी बाजार में निराशाजनक माहौल का जिक्र करते हुए तिवारी ने कहा, भाजपा सरकार ने भारत के जनसांख्यिकी लाभांश को जनसांख्यिकी आपदा में बदल दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के डूबने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि जीडीपी वृद्धि दर पिछले छह वर्षों में सबसे कम है।

न्यायालय ने ओडिशा सरकार से श्री जगन्नाथ मंदिर के लिए पूर्णकालिक प्रशासक नियुक्त करने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को ओडिशा सरकार को निर्देश दिया कि पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के कामकाज के प्रबंधन के लिए एक मुख्य प्रशासक नियुक्त किया जाए। शीर्ष अदालत ने श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण दर्शन और अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए भी निर्देश जारी किए। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, सारे हालात और तथ्यों को देखते हुए हम राज्य सरकार को पूर्णकालिक मुख्य प्रशासक नियुक्त करने का निर्देश देते हैं, अतिरिक्त प्रभार के माध्यम से नहीं। शीर्ष अदालत ने कहा कि बड़ी संख्या में रोजाना दर्शनार्थी मंदिर आते हैं और क्रमबद्ध तरीके से उचित दर्शन की सुविधा देने तथा उम्रदराज और बच्चों का विशेष खयाल रखना परम कर्तव्य है।

पेज एक का शेष

महाराष्ट्र की...

पैदा नहीं कर रही है। जिसके पास भी बहुमत है उसे सरकार बनाने की अनुमति दी जानी चाहिए। पार्टी प्रवक्ता व राज्यसभा सांसद राउत सत्ता के समान बंटवारे और मुख्यमंत्री पद साझा करने की शिवसेना की मांग को प्रमुखता से उठाते आ रहे हैं। राउत के अनुसार, राज्यपाल ने उन लोगों की बातें धैर्यपूर्वक सुनीं और बताया कि महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए थोड़ा वक्त है। कोई भी राजनीतिक दल आगे आकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकता है। शिवसेना सांसद ने यह भी कहा कि वे लोग इस बात से सहमत हैं कि राज्यपाल संविधान की रूपरेखा के तहत काम कर रहे हैं। राज भवन के एक अधिकारी ने बताया कि राउत पार्टी के नेता और महाराष्ट्र के मंत्री रामदास कदम के साथ आए थे और उन्होंने शाम पांच बजे कोश्यारी से मुलाकात की। सियासी गतिविधियों को धार देते महाराष्ट्र के निवर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी सोमवार को दिल्ली पहुंचे और भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। बाद में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि महाराष्ट्र में जल्द से जल्द सरकार बनाने की जरूरत है। उन्हें यकीन है कि सरकार बनेगी। शाह से भेंट करने के बाद उन्होंने भाजपा के महासचिव भूपेन्द्र यादव से भी मुलाकात की जो महाराष्ट्र चुनाव के प्रभारी थे। पिछले विधानसभा चुनाव के विपरीत भाजपा और शिवसेना ने यह चुनाव मिलकर लड़ा था। भाजपा ने इस बार 105 सीटें जीती जबकि शिवसेना 56 सीटों पर विजेता रही। मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों दलों के बीच खींचतान जारी है। शिवसेना इस पद के लिए 50:50 का फार्मूला चाहती है लेकिन भाजपा इस पर तैयार नहीं है। सोनिया और पवार ने फिलहाल देखो और इंतजार करो की रणनीति अपनाने का मन बनाया है। इसी बीच महाराष्ट्र राकांपा अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि राज्य में शिवसेना नीत सरकार बनेगी। पाटिल के बयान से इस बात के साफ संकेत निकाले जा सकते हैं कि यदि भाजपा ने शिवसेना विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश की तो राज्य में जल्द होने वाले उपचुनावों में राकांपा शिवसेना प्रत्याशी को अपना समर्थन देकर भगवा दल की परेशानी बढ़ा देगी। शिवसेना व राकांपा का साथ उपचुनाव में जीत की पक्की गारंटी बन सकता है। पाटिल ने भाजपा द्वारा की जा रही शिवसेना के सांसदों को तोड़ने की कोशिश का भी आरोप मढ़ा ताकि आने वाले समय में विधानसभा में उसके सदस्यों की संख्या बढ़ जाए। इसी बीच, महाराष्ट्र सरकार में भाजपा के मंत्री जयकुमार रावल ने यह कहकर नया पेंच फंसा दिया कि उनकी पार्टी के कई नेता राज्य में दोबारा विधानसभा चुनाव कराने के पक्ष में हैं। उनका कहना है कि भाजपा आलाकमान को शिवेसना के साथ गठबंधन नहीं करके उन लोगों को एक और मौका देना चाहिए। वे लोग फिर लड़ेंगे और जीतकर आएंगे।

दिल्ली के...

पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उप्र में पराली जलाने की घटनाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए न्यायालय ने इन राज्यों के मुख्य सचिवों को छह नवंबर को तलब किया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस स्थिति के लिए जवाबदेही निर्धारित की जाए क्योंकि यह नागरिकों के जीने के अधिकार का हनन कर रही है। शीर्ष अदालत ने इस क्षेत्र में जहरीली हो गई वायु गुणवत्ता की वजह से भविष्य में वर्तमान स्थिति जैसे हालात की पुनरावृत्ति रोकने के लिए केन्द्र और संबंधित राज्यों को तीन सप्ताह के भीतर एक योजना की रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया। पीठ ने इन तीन राज्यों के मुख्य सचिवों और जिला कलेक्टरों तथा पुलिस महकमे को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उनके यहां अब पराली जलाने की एक भी घटना नहीं हो। इस मामले में न्याय मित्र की भूमिका निभा रही वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने कहा कि केन्द्र के हलफनामे के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान करीब 46 प्रतिशत है। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में निर्माण या निर्माण गिराने की गतिविधि होने पर एक लाख रुपए और कचरा जलाने के अपराध में संलिप्त होने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। पीठ ने कहा कि हतप्रभ करने वाला है कि खतरनाक प्रदूषण की वजह से हर साल दिल्ली-एनसीआर का दम घुटता है और हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं। सभ्य देश में ऐसा नहीं हो सकता। यदि लोग दूसरों के अधिकारों का सम्मान नहीं करेंगे तो फिर उनके भी अधिकार नहीं होंगे। जीवन का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है। पीठ ने प्रदूषण की मौजूदा स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा, दिल्ली में रहने के लिए कोई भी कमरा सुरक्षित नहीं है। यहां तक कि लोग अपने घरों में भी सुरक्षित नहीं है। यह भयावह है। न्यायालय ने पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश के प्राधिकारियों को जल रही पराली को बुझाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया और कहा कि उसे पराली जलाने वाले किसानों के प्रति कोई हमदर्दी नहीं है क्योंकि वे दूसरों की जिंदगी खतरे में डाल रहे हैं। इन इलाकों में साल दर साल बेरोकटोक पराली जलाने की घटनाओं के लिए प्रशासन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि हर साल ऐसा क्यों होना चाहिए। निश्चित ही राज्य सरकारों ने इस पर अंकुश लगाने के लिए कुछ नहीं किया है। पीठ ने कहा, आप लोगों से मरने के लिए कह रहे हैं। आपके राज्य (पंजाब और हरियाणा) बुरी तरह से प्रभावित हैं। क्या पंजाब और हरियाणा में यही प्रशासन रह गया है। हर साल यह हो रहा है। हम अब राज्यों और पंचायतों की जिम्मेदारी निर्धारित करेंगे। पीठ ने कहा, लोगों को दिल्ली नहीं आने की सलाह दी जा रही है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। राज्य सरकारें जिम्मेदार हैं। उनकी दिलचस्पी सिर्फ चुनावी हथकंडे में ही है। वे कोई जिम्मेदारी नहीं लेते हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। न्याय मित्र अपराजिता सिंह ने कहा कि केन्द्र के हलफनामे के अनुसार पंजाब में पराली जलाने के मामले में सात फीसदी का इजाफा हुआ है जबकि हरियाणा में इसमें 17 प्रतिशत कमी हुई है। हालांकि, उप्र का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। न्यायालय ने तीनों राज्यों की सरकारों से पूछा कि पराली जलाने पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल रहने की वजह से हुए नुकसान के लिए क्यों नहीं उन्हें क्षतिपूर्ति करने का आदेश दिया जाए। पीठ ने राजधानी में सोमवार से शुरू की गई दिल्ली सरकार की जोरशोर से प्रचारित सम-विषम योजना पर भी सवाल उठाए और उसे निर्देश दिया कि इससे पहले लागू की गई इस योजना के दौरान प्रदूषण के स्तर से संबंधित आंकड़े पेश किए जाएं। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सड़कों पर धूल होने के कारण प्रदूषण के बारे में पीठ ने अधिक धूल वाली सड़कों पर पानी का छिड़काव करने और अधिक यातायात की वजह से होने वायु प्रदूषण से निबटने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि इन निर्देशों का टीवी, मीडिया और रेडियो के साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार किया जाए ताकि लोगों को इसके बारे में जागरूक किया जा सके। न्यायालय ने प्राधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि दिल्ली-एनसीआर में बिजली आपूर्ति में कटौती नहीं हो ताकि आपात सेवाओं के अलावा किसी भी वजह से जेनरेटरों का इस्तेमाल नहीं हो।

दिल्ली की...

सड़कों पर आज कम वाहन थे और बहुत से लोगों ने कहा कि वे रोज की अपेक्षा आज जल्दी अपने गंतव्य तक पहुंचे। ऑड नंबर वाहनों वाले अधिकांश लोगों ने यातायात के विभिन्न साधनों से यात्रा की। कुछ ने कारपूल किया जबकि अन्य ने टैक्सी, ऑटो तथा सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सचिवालय पहुंचने के लिए अपने सहयोगी गोपाल राय और सत्येंद्र जैन के साथ कारपूल की। उन्होंने पत्रकारों से कहा ' कुल 30 लाख में से केवल 15 लाख कारें दिल्ली की सड़कों पर चलीं। सुबह आठ बजे से मुझे दिल्ली के विभिन्न स्थानों से सूचनाएं मिल रही हैं और योजना के तहत नियमों का सौ फीसदी पालन किया गया।' केजरीवाल ने बाद में ट्वीट किया कि ऑड-ईवन योजना तथा अन्य कारणों के चलते रविवार की अपेक्षा आज वायु गुणवत्ता बेहतर है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा योजना का पूरी तरह से पालन किया गया और पहला दिन कामयाबी भरा रहा। गुरुग्राम में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाले सीनियर क्रिएटिव डिजाइनर रोहित राय (27) ने कहा कि उन्हें मेट्रो से अपने दफ्तर जाना पड़ा क्योंकि उनकी गाड़ी का आखिरी अंक विषम संख्या है। उन्होंने कहा, क्योंकि मैं गाजियाबाद में रहता हूं, मेरे लिए कार से दफ्तर जाना ज्यादा आसान है, लेकिन बढ़ते प्रदूषण की वजह से यह हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम इस शहर को स्वच्छ बनाएं। यह योजना 15 नवंबर तक सोमवार से शनिवार सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक चार पहिया वाहनों पर लागू होगी। इसके तहत जिन गाड़ियों की पंजीकरण संख्या का आखिरी अंक विषम (1,3,5,7,9) है उन्हें चार, छह, आठ, 12 और 14 नवंबर को सड़कों पर चलने की इजाजत नहीं होगी। इसी तरह जिन वाहनों की पंजीकरण संख्या का आखिरी अंक सम (0,2,4,6,8) होगा उन्हें पांच, सात, नौ, 11,13 और 15 नवंबर को सड़कों पर चलने की इजाजत नहीं होगी। दो पहिया और इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को इस योजना में छूट दी गई है लेकिन इस बार सीएनजी से चलने वाली गाड़ियों के लिए ये छूट नहीं है। जिन गाड़ियों में सिर्फ महिलाएं और उनके साथ 12 वर्ष तक की उम्र के बच्चे होंगे, उन्हें भी छूट होगी। दिव्यांगजन के वाहनों को भी सम-विषम में छूट है।

प्रदूषण में ...

गुड़गांव में 396 रहा। मौसम का पूर्वानुमान व्यक्त करने वाली निजी एजेंसी स्काईमेट वैदर के महेश पलावत के अनुसार दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में छह और सात नवंबर को बारिश के आसार हैं।

आरसीईपी समझौते...

लिए जाना जाता है। सरकारी सूत्रों ने कहा, अब वे दिन हवा हुए जबकि व्यापार के मुद्दों पर वैश्विक शक्तियों के समक्ष भारतीय वार्ताकार दबाव में आ जाते थे। इस बार भारत फ्रंट फुट पर खेला है और उसने व्यापार घाटे को लेकर देश की चिंताओं को उठाया है। साथ ही भारत ने भारतीय सेवाओं और निवेश के लिए अन्य देशों को अपने बाजारों को और खोलने का दबाव भी बनाया है। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल के दौरान भारत ने 2007 में भारत-चीन एफटीए की संभावना तलाशने और 2011-12 में चीन के साथ आरसीईपी वार्ताओं में शामिल होने की सहमति दी थी। सूत्रों ने कहा कि संप्रग के दौरान लिए गए इन फैसलों की वजह से आरसीईपी के देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा जो 2004 में सात अरब डॉलर था वह 2014 में 78 अरब डॉलर पर पहुंच गया। उस समय हुए इन फैसलों से भारतीय घरेलू उद्योग अभी तक प्रभावित हैं। शनिवार को हुई बैठक में 16 आरसीईपी देशों के व्यापार मंत्री भारत द्वारा उठाए गए लंबित मुद्दों को हल करने में विफल रहे थे। हालांकि, आसियन शिखर बैठक से अलग कुछ लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए पर्दे के पीछे बातचीत चलती रही।

रिटायर्ड सैन्य...

चूंकि यह तीनों सेनाओं से जुड़ा मुद्दा है लिहाजा आचार संहिता संबंधी सिफारिशों पर इन तीनों की समितियां गौर करेंगी। सहयोगी जनरल पर सेना में अनुशासन बनाए रखने और पेंशन, मेडिकल सुविधाएं एवं अन्य कल्याणकारी उपायों का भी जिम्मा होता है। रिटायर्ड अफसरों ने आचार संहिता के प्रस्ताव को मूर्खतापूर्ण और लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन करने वाला करार दिया है। उनकी तरफ से लिखी गई खुली चिट्ठी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें सैन्य मुख्यालय द्वारा दिए गए गला घोंटने वाले प्रस्ताव पर तीखे सवाल उठाए गए हैं।

नीतीश कटारा...

को विकास की बहन भारती से कटारा के कथित प्रेम संबंधों के चलते अंजाम दिया गया था जो अलग-अलग जाति से थे।

वकीलों ने ...

दिल्ली की सर्व जिला अदालत बार एसोसिएशन की समन्वय समिति के महासचिव अधिवक्ता धीर सिंह कसाना ने कहा कि साकेत जिला अदालत में काम का पूरी तरह बहिष्कार किया गया है। जनता को अदालत परिसर में अंदर आने की मनाही है। दिल्ली बार काउंसिल के अध्यक्ष के सी मित्तल ने कहा कि वे सभी बार एसोसिएशनों का समर्थन करते हैं।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर कानून संभव नहीं: पिनराई विजयन

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को कहा कि सबरीमला के अयप्पा मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं को प्रवेश की अनुमति संबंधी उच्चतम न्यायालय के फैसले को पलटने के लिए कोई कानून लाना राज्य सरकार के लिए संभव नहीं है। विजयन ने विधानसभा में विपक्षी यूडीएफ के एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि शीर्ष अदालत का 28 सितंबर, 2018 का फैसला जल्लीकट्टू या बैलगाड़ी दौड़ से संबंधित फैसले जैसा नहीं है। सबरीमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से संबंधित उच्चतम न्यायालय का फैसला मौलिक अधिकारों से जुड़ा फैसला है। राज्य सरकार शीर्ष अदालत का फैसला लागू करने के लिए बाध्य है।

उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल सितंबर में सबरीमला के अयप्पा मंदिर में 10 से 50 साल की उम्र की महिलाओं द्वारा पूजा करने पर लगी रोक हटा ली थी और इस तरह उसने इस मंदिर में उनके प्रवेश का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। शीर्ष अदालत के 28 सितंबर, 2018 के इस फैसले के खिलाफ एक समीक्षा याचिका दायर की गई है और उस पर इसी माह उसका आदेश आने की संभावना है। रजस्वला आयुवर्ग की महिलाओं को (मंदिर में) प्रवेश करने से रोकना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा और संविधान के विरूद्ध होगा। राज्य सरकार ने कानूनी राय ली है और उसके हिसाब से इस फैसले को दरगुजर करने के लिए कोई कानून लाना संभव नहीं है। जो लोग सबरीमला मंदिर में प्रवेश पर कानून लाने की बात करते हैं, वे श्रद्धालुओं को ठग रहे हैं।

माओवादी कोई पवित्र आत्मा और मेमने तो हैं नहीं: विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पुलिस कार्वाई में चार नक्सलियों के मारे जाने की घटना का बचाव करते हुए कहा कि माओवादी कोई पवित्र आत्मा और मेमने तो हैं नहीं। छत्तीसगढ और बिहार जैसे राज्यों में माओवादियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों और किसानों की हत्या किए जाने का हवाला देते हुए उन्होंने जानना चाहा कि क्या (विपक्षी) संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) केरल में भी ऐसी ही स्थिति चाहता है। माओवादियों की हत्या और माकपा के माओवादी समर्थक छात्र कार्यकर्ताओं की गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तारी पर राज्य विधानसभा में चर्चा के लिए कांग्रेस द्वारा दिए गए स्थगन प्रस्ताव के नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार इस कानून का दुरूपयोग नहीं होने देगी। पिछले हफ्ते पलक्कड़ जिले के अट्टापड्डी में हुए पुलिस मुठभेड़ का जिक्र करते हुए कहा, माओवादी आत्मसमर्पण करने तो आए नहीं थे। पुलिस पर गोलियां चलाई थीं। मुठभेड़ में चार माओवादी मारे गए थे। विजयन ने यूडीएफ पर माओवादियों का महिमामंडन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह स्तब्ध कर देने वाली बात है। माओवादी समर्थक पर्चों का कथित तौर पर वितरण करने को लेकर गिरफ्तार किए गए और यूएपीए के तहत आरोपी बनाए गए दो छात्र कार्यकर्ताओं के मामले को लेकर विजयन के इस्तीफे की मांग करने के एक दिन बाद विपक्षी मोर्चा ने विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव देकर दबाव बढ़ाने का प्रयास किया।

जम्मू में लोक सचिवालय में सुरक्षा के तहत लगे सुरक्षाकर्मी

राउत ने उद्धव के साथ तस्वीर ट्वीट कर कहा, लक्ष्य से पहले सफर मनोरंजक

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर चल रही खींचतान के बीच शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने सोमवार को पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के साथ अपनी एक तस्वीर ट्वीट करते हुए संदेश लिखा लक्ष्य तक पहुंचने से पहले सफर में मजा आता है। मराठी मानुष के मुद्दों की पैरोकार रही शिवसेना के राज्यसभा सदस्य राउत ने अपने ट्विटर हैंडल पर हिंदी में संदेश पोस्ट किया लक्ष्य तक पहुंचने से पहले सफर में मजा आता है। राउत ने पोस्ट में अपने फालोअर्स का अभिवादन जय हिंद के नारे के साथ किया है, वह भी तब जब पार्टी लंबे समय से अभिवादन के लिए जय महाराष्ट्र के इस्तेमाल पर जोर देती रही है।

गठबंधन सहयोगी भाजपा के साथ महाराष्ट्र में अगली सरकार के गठन को लेकर जारी गतिरोध के बीच राउत का आज शाम राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात का कार्यक्रम है। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब एक दिन पहले ही राज्यसभा सदस्य राउत ने दावा किया था कि जल्द ही 170 विधायकों के समर्थन से उनकी पार्टी का मुख्यमंत्री होगा। प्रदेश में सरकार गठन को लेकर गतिरोध अभी बना हुआ है। इस बीच राउत ने रविवार को कहा कि भाजपा के साथ बातचीत सिर्फ मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर होगी।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अकोला में रविवार को संवाददाताओं को बताया कि नई सरकार का गठन जल्द होगा।

गतिरोध के बीच, शिवसेना राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से भी संपर्क साधती दिख रही है क्योंकि राकांपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने रविवार को पत्रकारों के सामने राउत द्वारा उन्हें भेजे गए एक संदेश का खुलासा किया। संदेश में लिखा था: नमस्कार, मैं संजय राउत। जय महाराष्ट्र। पवार ने कहा, इसका मतलब मुझे उन्हें फोन करना चाहिए। मैं फोन कर, जांच करूंगा। महाराष्ट्र में 288 सदस्ईय विधानसभा के लिए हाल में हुए चुनाव में भाजपा ने 105 सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि शिवसेना के खाते में 56 सीटें आई हैं। राकांपा ने 54 सीटें जीतीं और कांग्रेस के खाते में 44 सीटें आई हैं।

मेक इन इंडिया अब बाय फ्राम चाइना हो गया है : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने क्षेत्रीय समग्र आर्थिक समझौते (आरईसीपी) को लेकर सोमवार को सरकार पर यह कहते हुए कटाक्ष किया कि मेक इन इंडिया अब बाय फ्राम चाइना (चीन से खरीदो) हो गया है। राहुल ने आरईसीपी से जुड़ी एक खबर का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि आरईसीपी से भारत में सस्ते सामान की बाढ़ आ जाएगी जिससे लाखों नौकरियां चली जाएंगी और अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने ट्वीट कर कहा, मेक इन इंडिया अब बाय फ्राम चाइना बन गया है। हर साल हम प्रति भारतीय के लिए 6000 रुपए की वस्तुओं का आयात करते हैं। 2014 के बाद से आयात में 100 फीसदी का इजाफा हुआ है। राहुल ने दावा किया, आरईसीपी से भारत में सस्ते सामान की बाढ़ आ जाएगी जिससे लाखों नौकरियां चली जाएंगी और अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान होगा।

भाजपा विधायक ने चेताया, हम खाली हाथ नही घूमते हैं, कांग्रेस ने बयान को बल्ला कांड से जोड़ा

एजेंसी। इंदौर (मध्यप्रदेश)

भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के विधायक बेटे आकाश विजयवर्गीय सोमवार को अपने एक बयान के कारण नए विवाद में घिर गए। भाजपा के 35 वर्षीय विधायक ने अतिवृष्टि प्रभावित किसानों के नुकसान और बिजली के कथित भारी-भरकम बिलों की समस्याओं को लेकर सूबे की कमलनाथ सरकार को चेताते हुए कहा कि "हम खाली हाथ नहीं घूमते हैं। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने फौरन इस बयान को करीब चार महीने पुरानी उस बहुचर्चित घटना से जोड़ दिया जिसमें आकाश ने इंदौर नगर निगम के एक अधिकारी को क्रिकेट के बल्ले से पीट दिया था।

आकाश ने यहां कमलनाथ सरकार के खिलाफ भाजपा के विरोध प्रदर्शन में कहा, "हमारी मांग है कि राज्य की कांग्रेस सरकार के सारे मंत्री, विधायक और अन्य नेता किसानों को उनके उस नुकसान का जल्द से जल्द मुआवजा दिलवाएं जो भारी बारिश के कारण उनकी फसलें खराब होने से हुआ है। पहली बार विधायक बने भाजपा नेता ने कहा, सूबे में बिजली कभी आती है, कभी जाती है। लेकिन लोगों को एक लाख रुपए तक के बिजली बिल थमाए जा रहे हैं। इस समस्या का भी तुरंत निराकरण किया जाए। उन्होंने आगे चेतावनी भरे लहजे में कहा, ...वरना आपको पता है कि फिर हम खाली हाथ तो घूमते नहीं हैं।

सोशल मीडिया पर आकाश का विवादास्पद बयान वायरल होते ही कांग्रेस ने भाजपा विधायक के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला ने कहा, आकाश ने अपने धमकी भरे बयान के जरिए नगर निगम अधिकारी को उनके द्वारा बल्ले से सरेआम पीटे जाने की घटना की ओर स्पष्ट इशारा किया है। भाजपा विधायक का बयान बताता है कि बल्ला कांड में गिरफ्तारी के बाद जेल से जमानत पर छूटने के बावजूद उन्हें कोई सबक नहीं मिला है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, राजनीति में चाल, चरित्र और चेहरे का जुमला उछालने वाली भाजपा ने बल्ला कांड में आकाश के खिलाफ अब तक कोई अनुशासनात्मक कार्वाई नहीं की है। इससे यही लगता है कि भाजपा को अपने जन प्रतिनिधियों की सार्वजनिक अराजकता स्वीकार्य है। गौरतलब है कि आकाश ने शहर के गंजी कम्पाउंड क्षेत्र के एक जर्जर मकान को ढहाने की मुहिम के विरोध के दौरान 26 जून को नगर निगम के एक भवन निरीक्षक को क्रिकेट के बल्ले से पीट दिया था। यह घटना कैमरे में कैद हो गई थी।

जम्मू में कड़ी सुरक्षा के बीच सचिवालय में कामकाज शुरू

जम्मू। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लोक सचिवालय और सरकारी कार्यालय श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित हो गए और उनमें सोमवार से कामकाज शुरू हो गया। यह लगभग 150 साल पुरानी परंपरा है जिसमें गर्मियों में सरकारी कामकाज श्रीनगर से और सर्दियों में जम्मू से चलता है। इसे दरबार मूव कहा जाता है। गौरतलब है कि 31 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केन्द्र प्रशासित क्षेत्र के रूप में अस्तित्व में आए और इसके बाद लोक सचिवालय का यह पहला स्थानांतरण है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल गिरीश चंद्र मुर्मू ने सुबह साढ़े नौ बजे लोक सचिवालय में पारम्परिक सलामी गारद का निरीक्षण किया।उन्होंने संवाददाता सम्मेलन नहीं किया। वह इसके बजाय सीधे आधिकारिक कार्य शुरू करने के लिए सचिवालय चले गए। श्रीनगर में छह महीने तक कामकाज के बाद 25-26 अक्टूबर को सचिवालय और अन्य सरकारी कार्यालय बंद हो गए थे। यहां जिन अन्य कार्यालयों में कामकाज फिर से शुरू हुआ है उनमें राजभवन और पुलिस मुख्यालय भी शामिल हैं। जम्मू से प्रशासन के सुचारू कामकाज सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों के तहत शहर में खास तौर पर लोक सचिवालय की ओर जाने वाली सड़कों पर पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। सचिवालय के बाहर मुख्य सड़क पर अवरोधक और पुलिसकर्मियों की भारी तैनाती के साथ ही लोगों की आवाजाही पर रोक लगी है। पूरी तरह से जांच के बाद ही सड़क पर लोक सचिवालय के कर्मचारियों को जाने दिया जा रहा है।

ममल्लापुरम में भगवान विष्णु के पेरूमल मन्दिर में वार्षिक मेले में लगी श्रद्धालुओं की भीड़

भाजपा नेता महाराष्ट्र में दोबारा चुनाव कराने के पक्ष में : मंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर जारी गतिरोध के बीच भाजपा के एक निवर्तमान मंत्री ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी के कुछ नेता चाहते हैं कि राज्य में दोबारा चुनाव हो। भाजपा की गठबंधन सहयोगी शिवसेना मुख्यमंत्री पद को लेकर अड़ी है और इस कारण राज्य में सरकार गठन की दिशा में गतिरोध लगातार बना हुआ है। भाजपा खुद का मुख्यमंत्री चाहती है। महाराष्ट्र के निवर्तमान पर्यटन मंत्री जयकुमार रावल ने एक टीवी चैनल से कहा कि भाजपा नेताओं ने राज्य में दोबारा चुनाव कराने की अपनी इच्छा धुले में रविवार को एक समीक्षा बैठक में व्यक्त की। निवर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाने वाले रावल ने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को शिवसेना के साथ गठबंधन नहीं करना चाहिए था...हमें एक बार फिर अवसर दें, हम दोबारा लड़ेंगे और इस बार जीतेंगे। रावल ने कहा कि धुले में आयोजित बैठक में अनेक भाजपा नेता, कार्यकर्ता और हालिया विधानसभा चुनाव में लड़ने वाले उम्मीदवार शामिल हुए। मंत्री ने कहा, उनमें से कई नाराज हैं क्योंकि शिवसेना से गठबंधन के चलते हम कुछ सीटों पर नहीं लड़ पाए और कुछ क्षेत्रों में मामूली अंतर से हार गए। हालिया चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिल पाया। भाजपा को सबसे ज्यादा 105 सीट मिली, जबकि उसकी गठबंधन सहयोगी शिवसेना 56 सीटों पर विजई रही। महाराष्ट्र की 13वीं विधानसभा का कार्यकाल नौ नवंबर को पूरा हो रहा है।

मणिपुर की भौगोलिक स्थिति बदलने वाले किसी भी शांति समझौते का विरोध करेगी कांग्रेस : जय राम रमेश

इम्फाल। पूर्व केन्द्रीय मंत्री जयराम नरेश ने नगा शांति वार्ता में पारदर्शिता को लेकर केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मणिपुर सहित पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों की भौगोलिक स्थिति में बदलाव लाने वाले किसी भी शांति समझौते का कांग्रेस विरोध करगी। नगा शांति वार्ता के मद्देनजर मणिपुर की मौजूदा स्थिति का आकलन करने कांग्रेस का छह सदस्ईय शिष्टमंडल रविवार को यहां पहुंचा और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) पर लोगों और पार्टी नेताओं की राय जानी। केन्द्र सरकार की ओर से नगा शांति वार्ता पर कोई पारदर्शिता नहीं है। मौजूदा नगा शांति वार्ता पर प्रगति की भी कोई जानकारी नहीं दी गई है। मणिपुर सहित किसी भी पूर्वोत्तर राज्य की भौगोलिक स्थिति में बदलाव लाने वाले समझौते का कांग्रेस विरोध करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान केन्द्र ने किसी भी राज्य की भौगोलिक स्थिति में बदलाव किए बिना असम, मिजोरम और त्रिपुरा के समझौतों पर हस्ताक्षर किया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री के साथ एआईसीसी महासचिव मुकुल वासनिक, पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह, सांसद मणिकम टैगोर, एआईसीसी सचिव रंजीत मुखर्जी और मोहम्मद अली खान भी यहां पहुंचे हैं।

कश्मीर से 138 मजदूर कोलकाता लौटे

कोलकाता। जम्मू कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में काम कर रहे कुल 138 श्रमिक जम्मू तवी एक्सप्रेस से सोमवार को शहर में पहुंच गए। एक अधिकारी ने बताया कि इनमें से पांच असम के हैं। कोलकाता के महापौर एवं मंत्री फरहाद हकीम ने कोलकाता रेलवे स्टेशन पर मजदूरों का स्वागत किया। राज्य सरकार ने श्रमिकों के लिए एक विशेष बोगी का इंतजाम किया था। इन श्रमिकों ने 29 अक्टूबर को कश्मीर में मजदूरों की नृशंस हत्या के बाद लौटने की इच्छा जताई थी। श्रमिकों को उनके गृह नगर ले जाने के लिए राज्य परिवहन की पांच बसों को काम में लगाया गया है। ज्यादातर मजदूर बीरभूम, जलपाईगुड़ी और दक्षिण दिनाजपुर जिलों के निवासी हैं। असम के श्रमिकों को उनके घर भेजने के लिए भी व्यवस्था की गई है। 29 अक्टूबर को घाटी के कुलगाम जिले में आतंकवादियों ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के पांच श्रमिकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमले में घायल हुए एक श्रमिक का श्रीनगर के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पूर्व लोस अध्यक्ष ने किसानों के मुद्दों को लेकर साधा कमलनाथ सरकार पर निशाना

इंदौर। मध्यप्रदेश में मॉनसून की भारी बारिश और बाढ़ के कहर का सामना करने वाले किसानों के मुद्दों पर पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने सूबे की कमलनाथ सरकार पर सोमवार को निशाना साधा। महाजन ने आरोप लगाया कि यह सरकार किसानों के दुःख-दर्द के प्रति असंवेदनशील है। महाजन ने यहां जिलाधिकारी कार्यालय के सामने भाजपा के विरोध प्रदर्शन में कहा, प्रदेश में कांग्रेस को सत्ता मिली है, तो वह जनता के हित में काम भी करे। भारी बारिश और बाढ़ से सोयाबीन तथा अन्य फसलें बर्बाद हो गईं। लेकिन प्रदेश सरकार के नुमाइंदे किसानों के दुःख-दर्द की सुध लेने नहीं पहुंचे।

कमलनाथ सरकार किसानों का दो लाख रुपए तक का कर्ज माफ करने से जुड़ा कांग्रेस का अहम चुनावी वादा निभाने में भी नाकाम रही है। यह वादा वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सूबे के नवंबर 2018 के पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान किया था। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं ने यह आरोप भी लगाया कि कमलनाथ सरकार के राज में गरीबों को बिजली के भारी-भरकम बिल थमाए जा रहे हैं। उन्होंने विरोध जताते हुए बिजली बिलों की प्रतीकात्मक होली भी जलाई। उधर, कांग्रेस ने पलटवार करते हुए भाजपा नीत केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इंदौर संभाग के आयुक्त (राजस्व) कार्यालय के सामने प्रदर्शन के दौरान स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भारी बारिश और बाढ़ से परेशान किसानों को केंद्र के खजाने से राहत की रकम पहुंचाने में मध्यप्रदेश के साथ भेदभाव किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी भेजा जिसमें कहा गया है कि सूबे में अतिवृष्टि और बाढ़ से भारी नुकसान के मद्देनजर कमलनाथ सरकार ने केंद्र से 6,621.28 करोड़ रुपए की राहत राशि मांगी है। लेकिन अब तक यह राशि प्रदान नहीं की गई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था अक्षम तरीके से चलाई जा रही है: चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को एक पत्रिका के संपादकीय का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को अक्षम तरीके से चलाया जा रहा है और इसकी स्थिति खराब है। आईएनएक्स मीडिया मामले में जेल में बंद पूर्व वित्त मंत्री की तरफ से उनके परिवार ने ट्वीट किया। चिदंबरम ने इकॉनमिस्ट के संपादकीय का उल्लेख करते हुए कहा, 26 अक्टूबर का इकॉनमिस्ट पढ़िए। यह फारच्यून 500 कंपनियां चलाने वालों द्वारा पढ़ा जाता है। इन कंपनियों का भारत में निवेश जरूरी है। उन्होंने कहा, संपादकीय में कहा गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था अक्षम तरीके से चलाई जा रही है और यह अच्छा नहीं कर रही है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा, नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी ने पिछले सप्ताह यही कहा था। इसके बाद हमारे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने उनकी कड़ी आलोचना की थी।

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेला शुरू, नौ दिन तक होंगे अनेक कार्यक्रम

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान के पुष्कर का विख्यात सालाना मेला सोमवार को शुरू हो गया। नौ दिन तक चलने वाले इस अंतराष्ट्रीय मेले में देश विदेश से बड़ी संख्या में लोग आते हैं। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट कैलाश लखारा ने "भाषा" को बताया कि पहली बार मेले की शुरुआत पुष्कर सरोवर की पूजा-अर्चना के साथ हुई और मेला स्टेडियम में ध्वजारोहण भी किया गया। उन्होंने बताया कि मेला मैदान में आयोजित इस मेले के दौरान सोमवार को नगाड़ा वादन, सजावटी ऊंट का प्रदर्शन, मांडना प्रतियोगिता, स्कूली बच्चों की ओर से कार्यक्रम के साथ साथ ग्रामीणों और विदेशी पर्यटकों के बीच चक दे राजस्थान फुटबॉल मैच खेला जाएगा। उन्होंने बताया कि शाम को पुष्कर के 52 घाटों पर दीपदान के साथ महाआरती होगी।

बारह नवम्बर तक चलने वाले इस मेले में बड़ी संख्या में देशी विदेशी पर्यटकों और पशुधन क्रेता विक्रेताओं के भाग लेने की संभावना है। पशुमेले में ऊंट, घोड़ों और गौवंश आदि की खरीद फरोख्त की जाती है।

लखारा ने बताया कि पांच दिवसीय धार्मिक मेला (पंचतीर्थी स्नान) 8 नवंबर को कार्तिक एकादशी स्नान से शुरू होगा जिसका समापन 12 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा पर होगा।उन्होंने बताया कि मेले में प्रतिदिन शाम छह बजे मेला ग्राउंड पर महात्मा गांधी पर फिल्म का प्रदर्शन किया जाएगा। नौ नवंबर को रवि पंवार तथा 11 नवंबर को कैलाश खैर प्रस्तुति देंगे। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. अजय अरोड़ा बताया कि पशु मेले में विभिन्न प्रजाति के लगभग पांच हजार पशु पहुंच चुके है। रविवार शाम तक मेले में आए पशुओं में सर्वाधिक 2580 ऊंट वंश, 1923 अश्व वंश, 32 गौवंश शामिल हैं।

राजस्थान में लगे हुए पुष्कर मेले में विदेशी पर्यटक ऊंट के साथ अपने चित्र खिंचवाते हुए

सेंसेक्स बढ़कर 40,302 के नए रिकार्ड स्तर पर, निफ्टी भी चढ़ा

एजेंसी। मुंबई

बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स सोमवार को 137 अंक की बढ़त के साथ 40,302 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सकारात्मक वैश्विक रुख के बीच सूचना प्रौद्योगिकी, धातु और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में लाभ से बाजार में तेजी रही। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स लगातार सातवें कारोबारी सत्र में लाभ के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 136.93 अंक या 0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,301.96 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स दिन के कारोबार में एक समय 40,483.21 अंक के स्तर तक पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 50.70 अंक या 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 11,941.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस, वेदांता, टाटा स्टील, ओएनजीसी और आईसीआईसीआई बैंक 3.05 प्रतिशत तक चढ़ गए।

एचडीएफसी के शेयर में 2.48 प्रतिशत का लाभ रहा। आवास ऋण देने वाली कंपनी का सितंबर में समाप्त तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 76.3 प्रतिशत बढ़कर 10,748.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं दूसरी ओर मारुति, हीरो मोटोकॉर्प, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और पावरग्रिड के शेयरों में 2.54 प्रतिशत तक की गिरावट रही। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी कोषों के प्रवाह, भू राजनीतिक जोखिम कम होने और आगे और सुधारों की उम्मीद के बीच निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। अमेरिका-चीन के बीच व्यापार करार की उम्मीद से चीन का शंघाई, हांगकांग का हैंगसेंग और सियोल का कॉस्पी लाभ में बंद हुए। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार भी बढ़त में चल रहे थे। इस बीच, अंतर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में कारोबार के दौरान रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ 70.73 प्रति डॉलर पर चल रहा था। ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.28 प्रतिशत बढ़कर 61.86 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

भारत को नवीकरणीय क्षेत्र में सालाना 30 अरब डॉलर निवेश की जरूरत

सिंगापुर (एजेंसी)। भारत को नवीकरणीय क्षेत्र में हर साल 30 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत है। साथ ही नवीकरणीय क्षेत्र में अनुबंधों की विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए कड़े नियम होने चाहिए। एक अनुसंधान संगठन ने यह बात कही। ऊर्जा , पर्यावरण एवं जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुणभ घोष ने कहा, आज, हमें नवीकरणीय क्षेत्र में सालाना करीब 11 अरब डॉलर का निवेश मिल रहा है। भारत में नवीकरणीय क्षेत्र में सालाना 30 अरब डॉलर का निवेश होना चाहिए। घोष ने यह बात सिंगापुर में ऊर्जा क्षेत्र पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन सिंगापुर इंटरनेशनल एनर्जी वीक में कही। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय क्षेत्र में नियम लागू करें , निविदा के स्तर पर बोली प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए और अनुबंधों की विश्वसनीयता बरकरार रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों में अच्छा काम हुआ है लेकिन अन्य में जरूरत के मुताबिक काम नहीं हुआ है।

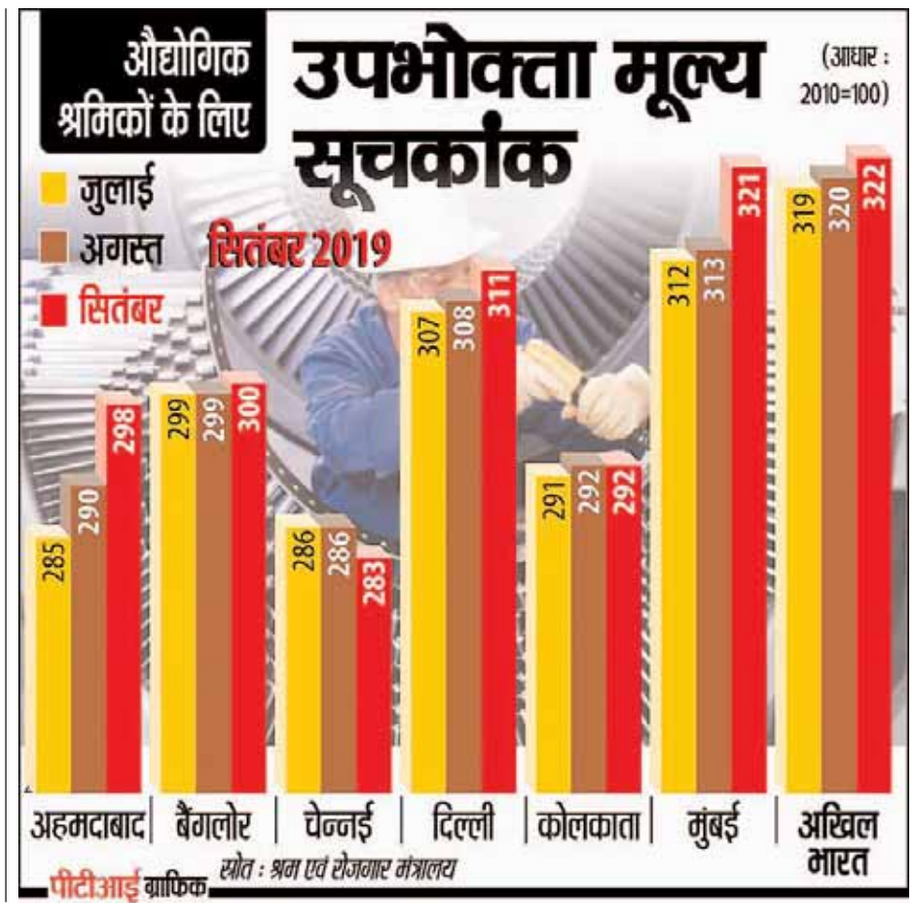

आरसीईपी पर प्रधानमंत्री के रुख का सीआईआई अध्यक्ष ने किया समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बैंकाक में भारत और आसियान सदस्यों समेत 16 देशों के नेताओं द्वारा आपस में दुनिया का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार क्षेत्र (आरसीईपी) बनाने को लेकर चल रही बातचीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रुख का कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के अध्यक्ष विक्रम किर्लोस्कर ने समर्थन किया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में सीआईआई ने कहा कि अतीत में कभी भी किसी भी व्यापारिक समझौते ने भारत में इस तरह के व्यापक हितधारकों का ध्यान आकर्षित नहीं किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा है कि भारत आरसीईपी वार्ता से सार्थक परिणाम चाहता है। उन्होंने तीन प्रमुख विषयों -माल, सेवाओं और निवेश के समान महत्व के अनुसार भारत की लगातार मांग को दोहराया। सीआईआई विज्ञप्ति में कहा गया है कि 16 सदस्यीय आरसीईपी में यूरोपीय संघ की तुलना में दुनिया के सबसे बड़े और आर्थिक रूप से गतिशीलद्ध व्यापारिक ब्लॉक बनने की क्षमता है। 2017 में आरसीईपी देशों में 47.6 प्रतिशत वैश्विक जनसंख्या थी जिसमें वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 31.6 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार का 30.8 प्रतिशत योगदान था। दक्षिण कोरिया, चिली, मैक्सिको और अब वियतनाम जैसे कुछ अन्य देशों ने अपने आर्थिक लाभ के लिए इनका उपयोग करने के तरीके की तुलना में भारत को अपने पिछले एफटीए से लाभ प्राप्त करने का मिश्रित अनुभव दिया है। भारत में एफटीए पर संपूर्ण बहस में गायब कड़ी एफडीआई का महत्व है। सीआईआई ने कहाकि दुर्भाग्य से, भारत में हमने हमेशा निर्यात और आयात के संदर्भ में एफटीए के प्रभाव का विश्लेषण किया है और वह भी द्विपक्षीय रूप से लेकिन कभी भी महसूस नहीं किया गया कि इन देशों ने एफटीए का उपयोग वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिए कैसे किया। श्री किर्लोस्कर ने कहा कि सामान्य धारणा यह है कि भारत का महत्व अंतिम उत्पाद बाजारों के उपभोक्ता के रूप में अधिक है। आरसीईपी की प्रगति और अनुकूल टैरिफ और रूल्स ऑफ ओरिजिन के रूप में भारत को अपने माध्यम से क्षेत्रीय मूल्य शृंखलाओं के समन्वय के लिए एक प्रमुख केंद्र बनना चाहिए।

भारत सरकार को बड़ा विनिवेश कार्यक्रम चलाने की जरूरत: विरल आचार्य

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य का मानना है कि भारत सरकार को बांड बाजार पर अपनी निर्भरता को कम करना चाहिए। आचार्य ने कहा कि भारत सरकार को एक बड़ा विनिवेश कार्यक्रम चलाने के साथ भूमि, श्रम और कृषि क्षेत्रों में तत्काल सुधार करने की जरूरत है। कोलंबिया विश्वविद्यालय में शुक्रवार को भारतीय अर्थव्यवस्था: अगले पांच वर्ष विषय पर एक परिचर्चा में आचार्य ने आगे चलकर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कुछ संभावित उपायों और सुझावों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, आने वाले वर्षों के लिए मेरा प्रमुख सुझाव यह है कि हमें सावधानी से कुछ कम करने की जरूरत है। मेरा मानना है कि जहां तक सरकार के कार्यक्रमों का सवाल है तो मौजूदा समय में कम करना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अधिक होगा। आचार्य ने कहा, संभवत: पहले से घोषित कुछ कार्यक्रमों को वापस लेना आसान नहीं होगा।

पीएमसी बैंक के जमाकर्ताओं की मदद के लिए क्या किया

एजेंसी। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से यह जानने की कोशिश कि उसने घोटाले की मार झेल रहे पंजाब एंड महाराष्ट्र को - ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक के जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के लिए क्या कदम उठाए हैं। न्यायमूर्ति एस . सी . धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति आर . आई . छागला की खंडपीठ बैंक के जमाकर्ताओं की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इन याचिकाओं में आरबीआई की निकासी सीमा को चुनौती दी गई है। आरबीआई ने पीएमसी बैंक में कथित वित्तीय अनियमितता सामने आने के बाद नकद निकासी समेत अन्य प्रतिबंध लगाए थे। सबसे पहले आरबीआई ने निकासी की सीमा छह महीने के लिए केवल 1000 रुपए तय की थी , जिसे बाद में बढ़ाकर 10,000 रुपए और फिर बढ़ाकर 40,000 रुपए कर दिया गया था। पीठ ने सोमवार को कहा कि वह सिर्फ यह जानना चाहती है कि आरबीआई ने इस मामले में क्या किया है। अदालत ने कहा, आरबीआई को इस बैंक के सभी कामों की जानकारी है। आरबीआई बैंकों का बैंक है और इस तरह के मुद्दों के लिए विशेषज्ञ निकाय है। हम आरबीआई के काम में बाधा नहीं डालना चाहते और न ही उसके अधिकारों को कम करना चाहते हैं। न्यायालय ने कहा कि इस तरह के वित्तीय मामलों में आरबीआई ही न्यायाधीश होगा , न कि अदालत। अदालत ने आरबीआई को हफलनामा जमा करने का निर्देश दिया है और मामले में अगली सुनवाई के लिए 19 नवंबर की तारीख तय की है।

अदालत ने आरबीआई से मांगा जवाब

क्विक न्यूज

ऋण की वृद्धि दर घटकर 8-8.5 प्रतिशत पर आने का अनुमान

नई दिल्ली। बैंको के ऋण मे वृद्धि की दर पिछले वित्त वर्ष के 13.3 प्रतिशत से कम होकर चालू वित्त वर्ष मे 8-8.5 प्रतिशत पर आ सकती है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने एक रिपोर्ट मे यह कहा। इक्रा ने कहा कि बैंको के ऋण की वृद्धि दर मे कमी आने का मुख्य कारण चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही मे ऋण कारोबार ज्यादा नही बढ़ा है। एजेंसी ने कहा, संकट को देखते हए कोई बांड बाजार मे दाव लगाने को तैयार नही है, इससे बकाया बांडो मे वृद्धि की सालाना दर इस दौरान करीब चार प्रतिशत पर आ सकती है जो पिछले साल 12 प्रतिशत थी। म्यूचुअल फंड के नियमन मे हुए हालिया बदलाव के कारण मार्च 2020 तक कामर्शियल पेपर से जुटाए जाने वाले कर्ज मे भी गिरावट रह सकती है।

नैनो नाइट्रोजन, नैनो जिंक व नैनो कॉपर के परीक्षण की घोषणा

अहमदाबाद। उर्वरक क्षेत्र की दुनिया की सबसे बड़ी सहकारी संस्था इफ्को ने नैनो प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादो - नैनो नाइट्रोजन, नैनो जिंक व नैनो कॉपर के परीक्षण की घोषणा की है। इफ्को का दावा है कि इन उर्वरको के इस्तेमाल से उर्वरको का इस्तेमाल की आवश्यकता कम होने के साथ साथ फसलो की पैदावार सुधर सकती है। साथ मे इन उर्वरको के लिए अपेक्षाकृत बेहतर होगा। केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री सदानंद गौड़ा ने रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम मे इफ्को के प्रयासो की सराहना की और कहा कि इफ्को के इस कदम से वर्ष 2022 तक किसानो की आमदनी दोगुनी करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनो को साकार करने मे मदद मिलेगी। इस क्षेत्र मे अनुसंधान एवं विकास करने तथा भारत मे पहले पहल नैनो उत्पाद लाने की घोषणा करने के लिए उन्होने इफ्को के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

एचटी मीडिया को दूसरी तिमाही में 21 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। एचटी मीडिया को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही मे 21.48 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि मे कंपनी का घाटा 44.33 करोड़ रुपए था। शेयर बाजार को दी जानकारी मे कंपनी ने बताया कि समीक्षावधि मे उसकी कुल आय 580.02 करोड़ रुपए रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि मे यह 570.97 करोड़ रुपए थी। एचटी मीडिया और हिंदुस्तान मीडिया वेंचर्स की चेयरपर्सन और संपादकीय निदेशक शोभना भरतिया ने कहा कि अर्थव्यवस्था मे नरमी के चलते कुछ क्षेत्रो मे विज्ञापन का खर्च घटा है। इससे मीडिया उद्योग की आय प्रभावित हुई है।

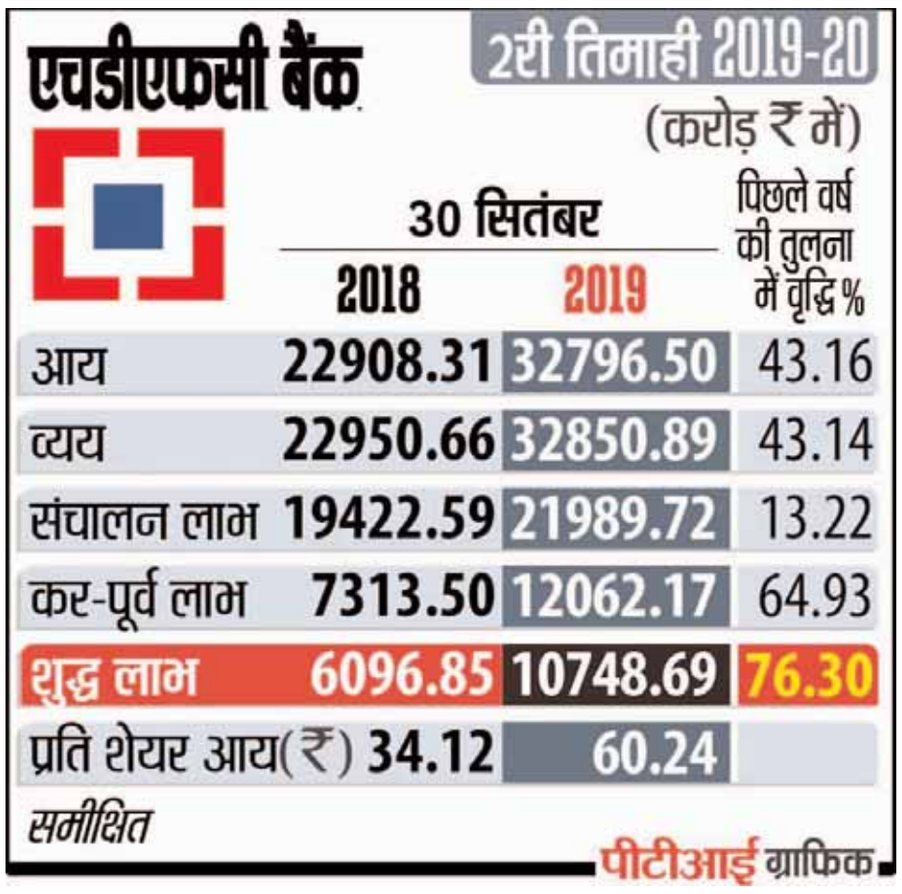

महिंद्रा हॉलिडेज का दूसरी तिमाही शुद्ध लाभ 24 करोड़ रुपए

एजेंसी। नई दिल्ली

महिंद्रा होलिडेज एंड रिसॉर्ट्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 24.42 करोड़ रुपए रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी को 3.34 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी है। नियामकीय सूचना के अनुसार समीक्षावधि में कंपनी की कुल आय 573.83 करोड़ रुपए रही जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 532.88 करोड़ रुपए थी।

इसी बीच एक अन्य खबर के अनुसार महिंद्रा समूह की अन्य कंपनी महिंद्रा लॉजिस्टिक का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 40.86 प्रतिशत घटकर 11.20 करोड़ रुपए रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 18.94 करोड़ रुपए रहा था।

अटल पेंशन योजना के सदस्यों की संख्या बढ़कर 1.9 करोड़ से ज्यादा पहुंची

एजेंसी। नई दिल्ली

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के सदस्यों की संख्या 1.9 करोड़ से अधिक हो गई है। यह जानकारी पेंशन फंड नियामक पीएफआरडीए ने दी। असंगठित क्षेत्र के कामगारों को सामाजिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने यह योजना शुरू की है। नियामक ने बयान में कहा कि नामांकन बढ़ने का मुख्य कारण नए अटल पेंशन खाते खोलने के लिए बैंकों को दिए गए लक्ष्यों का पूरा होना है। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने कहा, चालू वित्त वर्ष में अटल पेंशन योजना के नामांकन को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। 31 अक्टूबर 2019 तक अटल पेंशन योजना के 36 लाख से ज्यादा खाते खोले गए हैं। यह 33 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। एक साल पहले की इसी अवधि में वृद्धि 26 प्रतिशत थी।

36 लाख एपीवाई खातों में 27.5 लाख खाते सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों , 5.5 लाख खाते क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और करीब तीन लाख खाते निजी बैंक और भुगतान बैंक द्वारा खोले गए हैं। सार्वजनिक बैंक में, भारतीय स्टेट बैंक का योगदान सबसे अधिक रहा। उसने 11.5 लाख अटल पेंशन खाते जोड़े। इसके बाद कैनरा बैंक और बैंक ऑफ इंडिया का नंबर है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में, बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक और आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक ने सबसे ज्यादा अटल पेंशन खाते खोले हैं। भुगतान बैंक श्रेणी में, एयरटेल पेमेंट बैंक ने चालू वित्त वर्ष में अब तक करीब 1.8 लाख पेंशन खाते खोले हैं। बयान में कहा गया है कि पीएफआरडीए ने मार्च 2020 तक 2.25 करोड़ लोगों को इस पेंशन योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा है।

एनसीआर में नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद में अनबिकी आवासीय इकाइयां कम हुईं

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के तीन शहरों नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में पिछले दो साल के दौरान अनबिकी आवासीय इकाइयों की संख्या में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सर्वाधिक गिरावट देखने को मिली है। एनारॉक और नारेडको की एक संयुक्त रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। एक संयुक्त बयान में बताया गया कि यह रिपोर्ट एड्रेसिंग चैलेंजेस एंड प्रोग्रेसिंग अहेड इन रियल एस्टेट सोमवार को लखनऊ में पहले नेशनल रेरा कॉन्क्लेव में जारी की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, इन शहरों में सामूहिक तौर पर अनबिकी आवासीय इकाइयों में 26 प्रतिशत की कमी आई है और ए 2017 की तीसरी तिमाही की ।,31,150 इकाइयों से कम होकर 2019 की तीसरी तिमाही में 97,270 इकाइयों पर आ गए।

इस तरह की इकाइयों की संख्या ग्रेटर नोएडा में 27 प्रतिशत की कमी के साथ 48,350 इकाइयों तथा नोएडा और गाजियाबाद में 24-24 प्रतिशत कम होकर क्रमश: 19,480 इकाइयों और 29,440 इकाइयों पर आ गईं। इस दौरान गुरुग्राम में अनबिका भंडार लगभग सात प्रतिशत बढ़कर 55,900 इकाइयों पर पहुंच गया। दिल्ली में भी ए 20 प्रतिशत बढ़कर 12,960 इकाइयों पर पहुंच गए।

एनारॉक प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद मुख्य रूप से डेवलपर्स के अनबिके स्टॉक को कम करने में सफल रहे। डेवलपर्स ने चल रही परियोजनाओं को पूरा करने पर अधिक ध्यान दिया और नई परियोजनाओं पर रोक लगाए रहे।

मकानों की तिमाही-बिक्री नौ शहरों में 9.5 प्रतिशत घटी

एजेंसी। नई दिल्ली

कमजोर मांग से देश के नौ प्रमुख शहरों में जुलाई - सितंबर तिमाही में मकानों की बिक्री 9.5 प्रतिशत गिरकर 52,855 इकाई रही। रीयल एस्टेट से जुड़े ऑनलाइन मंच प्रॉपइक्विटी ने अपनी रपट में यह बात कही। आर्थिक नरमी और धन उपलब्धता संकट की वजह से खरीदारों की धारणा प्रभावित हुई। यह इस तरह की चौथी रपट है, जिसमें 2019 की तीसरी तिमाही में मकान बिक्री में गिरावट दिखाई गई है।

इससे पहले, प्रॉपटाइगर और एनारॉक ने जुलाई - सितंबर तिमाही के दौरान मकानों की बिक्री में क्रमश : 25 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की गिरावट की जानकारी दी थी। वहीं , जेएलएल इंडिया ने एक प्रतिशत गिरावट की बात कही थी।

प्रॉपइक्विटी के मुताबिक, जुलाई - सितंबर 2019 में मकानों की बिक्री 9.5 प्रतिशत गिरकर 52,855 इकाई रही। एक साल पहले की इसी अवधि में 58,461 मकानों की बिक्री हुई थी। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक समीर जसूजा ने कहा, "खरीदारों के मकान खरीदने के फैसले को टालने से सितंबर तिमाही में मांग प्रभावित हुई है।

रपट में कहा, आर्थिक नरमी और बाजार में धन उपलब्धता के संकट से बिक्री में गिरावट देखी गई। आंकड़ों के मुताबिक, सात शहरों में मकान बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है जबकि दो शहरों में बिक्री में तेजी आई है। चेन्नई में जुलाई-सितंबर 2019 के दौरान मकानों की बिक्री सबसे ज्यादा 25 प्रतिशत गिरकर 3,060 इकाई रही। एक साल पहले की इसी अवधि में 4,080 मकान बेचे गए थे। मुंबई में मकान बिक्री 22 प्रतिशत गिरकर 6,491 इकाई से 5,063 इकाई, हैदराबाद में 16 प्रतिशत गिरकर 5,067 इकाई से 4,257 इकाई, कोलकाता में बिक्री 12 प्रतिशत घटकर 3,487 इकाई से 3,069 इकाई जबकि नोएडा में बिक्री 11 प्रतिशत लुढ़क कर ।,112 इकाई से 990 इकाई रह गई।

इसी प्रकार, बेंगलुरू और ठाणे में भी मकान बिक्री में गिरावट रही। हालांकि, गुरुग्राम में बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर ।,112 इकाई से ।,190 इकाई जबकि पुणे में बिक्री एक प्रतिशत चढ़कर 14,523 इकाई से 14,669 इकाई हो गई।

एलआईसी की दो साल से ज्यादा समय से बंद पड़ी बीमा पॉलिसी अब हो सकती है चालू

एजेंसी। नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने पुराने पॉलिसीधारकों को राहत देते हुए उनकी दो साल से ज्यादा समय से बंद पड़ी पॉलिसी को फिर से चालू करने की अनुमति दी है।

एलआईसी के जारी एक बयान में कहा गया है कि अब ऐसी बीमा पॉलिसियां जिन्हें बंद पड़े दो साल से अधिक समय हो चुका है और जिन्हें चालू करने की अनुमति नहीं थी, अब उन्हें आगे बढ़ाया जा सकेगा। डूबी हुई अथवा बंद पड़ी बीमा पॉलिसी (लैप्स पॉलिसी) से आशय ऐसी बीमा पॉलिसियों से है जो एक निश्चित अवधि के दौरान नियमित तौर पर प्रीमियम नहीं चुकाने पाने के कारण बंद हो जाती हैं।

एलआईसी की विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक जनवरी 2014 के बाद खरीदी गई सामान्य बीमा पॉलिसी के धारक अब प्रीमियम भुगतान नहीं कर पाने की तिथि से पांच साल की अवधि के भीतर और यूनिट-लिंक्ड पॉलिसीधारक अपनी बंद पड़ी पॉलिसी को आखिरी प्रीमियम भुगतान के तीन साल की अवधि के भीतर फिर से चालू कर सकेंगे। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) के 2013 के नियमन के मुताबिक बीमा अवधि के दौरान जिस तिथि से प्रीमियम भुगतान नहीं किया गया तब से लेकर दो साल की अवधि के भीतर किसी पॉलिसी को फिर से चालू किया जा सकता है। इरडा का यह नियम एक जनवरी 2014 से अमल में है। इस तिथि के बाद ली गई बीमा पॉलिसी में यदि दो साल से अधिक समय तक प्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाता है तो उसे पुन: चालू नहीं किया जा सकता था।

उग्रवादी समूहों के खिलाफ म्यामां के सहयोग को महत्व देता है भारत

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यामां की नेता आंग सान सू ची से कहा

एजेंसी। बैंकॉक

बैंकॉक, थाईलैंड में सोमवार को 14 वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में अन्य विश्व नेताओं के साथ एक समूह की तस्वीर में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी (दाहीने से चौथा)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यामां की नेता आंग सान सू ची से कहा कि भारत-म्यामां सीमा पर उग्रवादी समूहों को पैर जमाने से रोकने के लिए भारत उनके देश के सहयोग को महत्व देता है। मोदी ने म्यामां की स्टेट काउंसलर सू ची से यह भी कहा कि भारत उनके देश के रखाइन प्रांत में सामाजिक-आर्थिक परियोजनाओं को विस्तार देने के लिए तैयार है। भारत ने कुछ महीने पहले इस अशांत प्रांत में एक आवासीय परियोजना पूरी की है।

मोदी ने रविवार को आसियान शिखर सम्मेलन के इतर सू ची के साथ बैठक के दौरान यह प्रस्ताव दिया। दोनों नेता इस बात पर भी सहमत हुए कि एक स्थाई और शांतिपूर्ण सीमा द्विपक्षीय साझेदारी के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण नींव है और प्रधानमंत्री ने भारत-म्यामां सीमा पर उग्रवादी समूहों को पैर जमाने से रोकने के लिए म्यामां के सहयोग को महत्व दिया। गौरतलब है कि म्यामां, भारत के सामरिक रूप से महत्वपूर्ण पड़ोसी देशों में से एक है और वह उग्रवाद से पीड़ित नगालैंड तथा मणिपुर समेत कई पूर्वोत्तर राज्यों के साथ 1,640 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, म्यामां में पिछले साल तक पूर्वोत्तर राज्यों के उग्रवादी समूहों के 50 शिविर थे।

भारत और म्यामां की सेनाओं ने मणिपुर, नगालैंड और असम में सक्रिय कई उग्रवादी समूहों को निशाना बनाते हुए अपने-अपने सीमावर्ती इलाकों में 16 मई से तीन सप्ताह का एक समन्वित अभियान चलाया था। रक्षा सूत्रों के अनुसार, मई में ऑपरेशन सनराइज 2 के दौरान सेनाओं ने एक-दूसरे के समन्वय के साथ कामतपुर लिबरेशन ऑर्गेनाइजेशन (केएलओ), एनएससीएन (खापलंग), यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (आई) और नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) समेत कई उग्रवादी समूहों के शिविरों को ध्वस्त किया था।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि बातचीत में मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि रखाइन प्रांत में विस्थापित लोगों की बांग्लादेश से शीघ्र, सुरक्षित और स्थाई वापसी क्षेत्र, विस्थापित लोगों और तीन पड़ोसी देशों - भारत, बांग्लादेश तथा म्यामां के हित में है। म्यामां के रखाइन प्रांत में 2017 में व्यापक पैमाने पर सेना की कार्वाई के बाद अनुमानित तौर पर 7,00,000 रोहिंग्या मुसलमान भाग गए थे। बड़ी संख्या में शरणार्थियों के आने से बांग्लादेश में बड़ा संकट उत्पन्न हो गया। जुलाई में भारत ने म्यामां सरकार को 250 निर्मित मकान सौंपे थे जो उसने रोहिंग्या मुसलमानों की अपने देश में वापसी को बढ़ावा देने के लिए रखाइन प्रांत में बनाए थे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री ने रखाइन प्रांत में और सामाजिक-आर्थिक परियोजनाएं बनाने के लिए भारत की इच्छा को व्यक्त किया। मंत्रालय के अनुसार, सू ची ने भारत के साथ भागीदारी को अपनी सरकार द्वारा दिए गए महत्व को दोहराया और लोकतंत्र के विस्तार तथा म्यामां में विकास बढ़ाने के लिए भारत के सतत सहयोग की प्रशंसा की। बातचीत में मोदी ने भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी में एक भागीदार के तौर पर म्यामां को दी जाने वाली प्राथमिकता पर जोर दिया।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, उन्होंने (मोदी ने) सड़क, बंदरगाह और अन्य बुनियादी ढांचों के निर्माण समेत म्यामां से होकर दक्षिणपूर्व एशिया तक भौतिक संपर्क को सुधारने में भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। दोनों देश इस बात पर भी राजी हुए कि लोगों के बीच परस्पर संपर्क से भागीदारी का आधार बढ़ाने में मदद मिलेगी और उन्होंने दोनों देशों के बीच वायु संपर्क बढ़ाने का स्वागत किया। साथ ही म्यामां में भारत के उद्योगों के बढ़ते हितों का भी स्वागत किया। मोदी आसियान-भारत, पूर्वी एशिया और आरसीईपी सम्मेलनों में भाग लेने के लिए शनिवार को तीन दिनों की यात्रा पर यहां पहुंचे।

पाकिस्तानी दूतावास ने तनाव के बीच काबुल में वीजा केंद्र बंद किया

● पाकिस्तान ने यह कदम ऐसे वक्त उठाया है जब हाल के दिनों में दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ा है

एजेंसी। काबुल

अफगानिस्तान के काबुल में सोमवार को पाकिस्तान दूतावास के बाहर लोगों ने धरना दिया

काबुल में पाकिस्तान दूतावास ने कहा कि वह अफगानिस्तान की राजधानी में अपने वाणिज्यिक कार्यालय को सुरक्षा कारणों से अनिश्चितकाल के लिए बंद कर रहा है। पाकिस्तान ने यह कदम ऐसे वक्त उठाया है जब हाल के दिनों में दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ा है।

वीजा प्रभाग का बंद होना कई अफगानिस्तानियों के लिए बड़ा झटका है क्योंकि रोजाना सैकड़ों लोग इलाज, सामान लाने-ले जाने और विश्वविद्यालयों में शिक्षा के उद्देश्य से वीजा के लिए आवेदन करते हैं। दूतावास के प्रवक्ता द्वारा रविवार को व्हॉट्सऐप पर साझा किए गए एक संदेश के मुताबिक वाणिज्यिक अनुभाग सोमवार से अगली सूचना तक बंद रहेगा। प्रवक्ता ने एएफपी को बताया कि वाणिज्यिक विभाग रोजाना लगभग 1500 वीजा आवेदनों को देखता है। इस्लामाबाद में पाकिस्तानी विदेश विभाग ने कहा कि अफगानिस्तान दूतावास के अधिकारी को समन कर उन्हें काबुल में पाकिस्तानी दूतावास और उसके उप-मिशनों में काम कर रहे लोगों की सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताओं से अवगत कराया गया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दूतावास कर्मियों को परेशान किया जा रहा है।बयान में कहा गया, उन्हें सड़कों पर रोका जाता है और दूतावास की तरफ जाते समय दूतावास की गाड़ियों को मोटरसाइकिलों द्वारा टक्कर भी मारी जाती है। पाकिस्तानी दूतावास के बाहर प्रदर्शन भी आम बात है और यह कई बार इसलिए भी होता है क्योंकि लोग वीजा के लिए लंबे इंतजार के समय या फिर सुरक्षा जांच के लिए लंबी कतार में खड़े होने से नाखुश होते हैं। इस्लामी गणराज्य अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हाल में कुछ वजहों से रिश्तों में कड़वाहट देखने को मिली है और इनमें से एक यह भी है कि अफगान मानते हैं कि पाकिस्तान कथित रूप से तालिबान का समर्थन करता है। पाकिस्तान ने विद्रोही गुटों की मदद से इनकार किया है। अफगानिस्तान की पूर्वी सीमा पर कुनार में हाल में हुई झड़पों के बाद भी तनाव में इजाफा हुआ है। दोनों पक्ष एक-दूसरे के सैनिकों पर सीमा-पार गोलीबारी का आरोप लगाते रहे हैं। हेरात, जलालाबाद और मजार-ए-शरीफ में पाकिस्तानी वाणिज्यिक सेवाएं खुली हैं और दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि अगर वीजा की तत्काल जरूरत हो तो आवेदक जलालाबाद जा सकते हैं।

पाकिस्तान की सुरक्षा शिकायतों की जांच करेगा अफगानिस्तान : अफगान अधिकारी

काबुल। पाकिस्तान ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए सोमवार को काबुल में अपनी वाणिज्यिक सेवाओं को बंद कर दिया जबकि एक अफगान अधिकारी ने कहा कि सरकार इस मामले की जांच करेगी। यद्यपि उसे आधिकारिक रूप से कोई शिकायत नहीं दी गई है। काबुल में पाकिस्तान दूतावास ने एक बयान में कहा कि वह अफगानिस्तान की राजधानी में अपने वाणिज्यिक कार्यालय को सुरक्षा कारणों से अगली सूचना तक के लिए बंद कर रहा है। इस्लामाबाद में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान दूतावास के अधिकारी को समन कर उन्हें काबुल में पाकिस्तानी दूतावास और उसके उप-मिशनों में काम कर रहे लोगों की सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताओं से अवगत कराया गया है। पाकिस्तानी दूतावासकर्मियों को बीते दो दिनों से परेशान किया जा रहा था। बयान में कहा गया कि उन्हें सड़कों पर रोका जाता है और दूतावास की तरफ जाते समय दूतावास की गाड़ियों को मोटरसाइकिलों द्वारा टक्कर भी मारी जाती है। अफगान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ग्रान हेवाद ने एपी को बताया कि अधिकारी इस मामले की जांच करेंगे। उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे के समाधान के लिए यहां काबुल में पाकिस्तानी दूतावास के संपर्क में हैं। इस्लामी गणराज्य अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हाल में कुछ वजहों से रिश्तों में कड़वाहट देखने को मिली है। इनमें से एक वजह यह भी है कि अफगान मानते हैं कि पाकिस्तान तालिबान का कथित रूप से समर्थन करता है। पाकिस्तान ने विद्रोही गुटों की मदद के आरोप से इनकार किया है।

अफगानिस्तान में बम विस्फोट में आठ नागरिकों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तर में स्थित बगलान प्रांत में सोमवार को एक बम विस्फोट में आठ नागरिकों की मौत हो गई। प्रांतीय पुलिस प्रमुख जावेद बशारत ने बताया कि बगलान की राजधानी पुली खुमरी के बाहर डंड शाहबुद्दीन क्षेत्र में हुए इस विस्फोट में छह लोग घायल भी हो गए हैं। बशारत ने बताया कि मरने वालों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इस हमले की फिलहाल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन जिस क्षेत्र में विस्फोट हुआ है वह तालिबान के कब्जे वाला है। गौरतलब है कि इस प्रांत पर तालिबान का नियंत्रण है और वह पुली खुमरी और इसके आस-पास के क्षेत्र में अफगान सुरक्षा बलों को निशाना बनाता रहता है।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान की अदालत ने नवाज शरीफ की बेटी मरियम को जमानत दी

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम शरीफ को धनशोधन के एक मामले मे जमानत दे दी। लाहौर उच्च न्यायालय की दो सदस्ईय खंडपीठ ने चौधरी सुगर मिल्स धनशोधन मामले मे मरियम को जमानत दी। न्यायमूर्ति अली बकर नजफी की अध्यक्षता वाली पीठ 31 अक्टूबर को इस मामले मे फैसला सुनाएगी। मरियम ने गुणदोष और मानवीय आधार पर जमानत के लिए अर्जी दी थी। उन्होने कहा था कि वह अपने पिता की देखभाल करना चाहती है, जिनकी अवस्था गंभीर है। लाहौर उच्च न्यायालय ने एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, मरियम को गुणदोष के आधार पर जमानत दी गई है, न कि मानवीय आधार पर। अधिकारी ने कहा कि अदालत ने दोनो पक्षो की दलील सुनने के बाद जमानत दी। मरियम को अगस्त के पहले हफ्ते मे गिरफ्तार किया गया था।

ब्रिटेन के सांसद हाउस ऑफ कॉमन्स का नया अध्यक्ष चुनने के लिए मतदान करेंगे

लंदन। ब्रिटेन के सांसद सोमवार को हाउस ऑफ कॉमन्स के नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान करेंगे। वैसे तो यह चुनाव विशेष रूप से उल्लेखनीय नही होता, लेकिन पूर्व अध्यक्ष की ब्रेक्जिट मे भूमिका के चलते यह महत्वपूर्ण हो गया है। ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष जॉन बेर्कोउ ने 10 साल तक पद पर रहने के बाद गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। उनकी जगह लेने के लिए आठ सांसद इस दौड़ मे है। बेर्कोउ इस पद पर रहते हुए ब्रेक्जिट लड़ाई के केंद्र मे थे। तीन साल से अधिक समय तक चली संसदीय बहस ने उन्हे विवादित हस्ती बना दिया था। ब्रेक्जिट समर्थक जहां उनके निंदक थे, वही ब्रेक्जिट विरोधी उनके प्रशंसक थे। वर्ष 2010 से बेर्कोउ के मातहत काम करने वाले लिंडसे होयले को खासा समर्थन हासिल है लेकिन अन्य सियासी धुरंधरो की नजर भी इस पद पर है। होयले 22 वर्ष से लेबर पार्टी के सांसद है। उन्होने संकेत दिए है कि वह बेर्कोउ से अलग राह अपनाएंगे।

बेनिन के बंदरगाह से नौ नाविकों को समुद्री डाकुओं ने अगवा किया

कोटोनोऊ। बेनिन के कोटोनोऊबंदरगाह पर मौजूद नौ नाविको को संदिग्ध समुद्री डाकुओ ने अगवा कर लिया है। बंदरगाह के अधिकारियो ने रविवार को एक वक्तव्य मे कहा, कोटोनोऊके स्वायत्त बंदरगाह की ओर से खेद के साथ यह सूचित किया जाता है कि शनिवार सुबह दो नवंबर, 2019 को इस क्षेत्र मे समुद्री डकैती की घटना हुई। उन्होने कहा कि इसमे बोनिता नाम का एक जहाज शामिल है लेकिन इसके मालिक का पता नही है और यह भी नही पता है कि यह किस देश का है।

अमेरिका-आसियान बैठक से नदारद रहे दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के शीर्ष नेता

एजेंसी। बैंकाक

बैंकाक में आसियान की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नहीं आने के बाद दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के कई नेता सोमवार को अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक से दूर रहे। दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के 10 सदस्ईय संघ से केवल तीन राष्ट्राध्यक्ष और कुछ विदेश मंत्री ही बैठक में आए। आसियान के सप्ताहांत शिखर सम्मेलन में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओब्रायन शामिल हुए। ओब्रायन के सोमवार को हुए संबोधन के दौरान कम उपस्थिति के उलट आसियान की पिछली बैठकों में अधिकतर राष्ट्राध्यक्षों ने शिरकत की थी।

बैंकाक में एक राजनयिक ने कहा कि जब अमेरिकी प्रतिनिधित्व बराबरी के स्तर पर नहीं है तो आसियान के लिए नेताओं को भेजना भी उचित नहीं। एक अन्य राजनयिक ने कहा कि यह बहिष्कार नहीं है। बात ए है कि अन्य नेताओं को दूसरी बैठकों में शामिल होना था। ट्रंप की गैरमौजूदगी में उनकी तरफ से ओब्रायन ने राष्ट्रपति का एक पत्र पढ़ा, जिसमें आसियान नेताओं को अगले साल की शुरुआत में विशेष बैठक के लिए अमेरिका आने का आमंत्रण दिया गया।

म्यांमा में विद्रोहियों द्वारा बंधक बनाने के बाद भारतीय कामगार की मौत

यांगून। म्यांमा के अशांत रखाइन प्रांत में 60 वर्षीय भारतीय शख्स की एक जातीय विद्रोही समूह द्वारा कई अन्य हमवतन लोगों और एक म्यांमा सांसद के साथ बंधक बना लिए जाने के बाद मौत हो गई है। द इरावड्डी की सोमवार को आई खबर के अनुसार, वीनू गोपाल समेत चार भारतीयों और आंग सान सू ची की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी के एक सांसद को रविवार को अराकान आर्मी ने दो नौकाओं से अगवा कर लिया था। इन्हें उस समय अगवा किया गया जब वे चिन प्रांत के पलेत्वा से रखाइन में क्याउक्तॉ जा रहे थे।

हांगकांग में एक मॉल के बाहर रविवार को एक संदिग्ध हमलावर को मारता युवक

इमरान के इस्तीफे की समयसीमा खत्म

एजेंसी। इस्लामाबाद

● प्रदर्शनकारी नेता ने सर्वदलीय बैठक बुलाई

पाकिस्तान के तेज-तर्रार धर्म गुरु एवं नेता मौलाना फजलुर रहमान ने प्रधानमंत्री इमरान खान के इस्तीफे के लिए अपने द्वारा तय की गई 48 घंटे की समयसीमा खत्म होने के बाद भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा करने के लिए सोमवार को एक सर्वदलीय बैठक आहूत की है।

देश की राजधानी में हजारों समर्थकों की मौजूदगी वाले आजादी मार्च का नेतृत्व कर रहे जमीयत उलेमा ए इस्लाम फ़ज़्ल (जेयूआई-एफ) के नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री को अपदस्थ करने का आंदोलन आगे बढ़ता रहेगा, इसे वापस नहीं लिया जाएगा। रहमान ने शुक्रवार को खान को इस्तीफा देने के लिए दो दिन का अल्टीमेटम दिया था और कहा था कि पाकिस्तान के गोर्बाचोव को शांतिप्रिय प्रदर्शनकारियों के धैर्य की परीक्षा लिए बिना पद से हट जाना चाहिए।इस 66 वर्षीय मौलाना ने कहा कि जब तक खान इस्तीफा नहीं देते, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने खबर दी कि जेयूआई-एफ ने भविष्य की कार्रवाई को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं के साथ चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है।रहमान के इस व्यापक विरोध प्रदर्शन को पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी), पख्तूनख्वा मिल्ली आवामी पार्टी, कौमी वतन पार्टी, नेशनल पार्टी और आवामी नेशनल पार्टी का समर्थन प्राप्त है।

हालांकि डॉन न्यूज ने खबर दी कि पीपीपी प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी और पीएमएल-एन प्रमुख शहबाज शरीफ के सर्वदलीय बैठक में शामिल होने की संभावना नहीं है।खबर में संबंधित पार्टी नेताओं के हवाले से कहा गया, ज्यादा संभावना है कि पार्टियों के प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी और शहबाज इतने कम समय के नोटिस पर इस्लामाबाद में बैठक में शामिल न हो पाएं।

डॉन ने पीएमएल-एन के सूत्रों के हवाले से कहा कि शहबाज पीठ दर्द और अन्य पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के चलते बैठक में शामिल होने में असमर्थ हैं।वहीं, पीपीपी के सूत्रों का कहना है कि यहां से करीब 620 किलोमीटर दूर बहावलपुर शहर में मौजूद बिलावल बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। इस बीच, लाहौर उच्च न्यायालय ने जेयूआई-एफ के प्रमुख रहमान के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली एक याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि याचिका में सरकार के आदेश को चुनौती देने, राज्य के खिलाफ घृणा, भड़काऊ और बगावती भाषण देने के आरोप में रहमान के खिलाफ कार्वाई की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री इमरान खान ने प्रदर्शनकारियों की इस्तीफे की मांग को खारिज कर दिया और कहा कि यह प्रदर्शन, भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद पीएमएल-एन और पीपीपी के शीर्ष नेताओं को रिहा कराने के लिए समझौता करने का एक प्रयास है।

मून, आबे ने आसियान से इतर मित्रवत वार्ता की

बैंकाक। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे इन और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने एक साल से भी अधिक समय के बाद सोमवार को वार्ता की। मून के कार्यालय ने यह जानकारी दी। सियोल और तोक्यो के बीच द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान द्वारा बंधुआ मजदूरों का इस्तेमाल करने को लेकर विवाद है और दोनों देशों के संबंध बेहद तल्ख चल रहे हैं। दोनों ही देश अमेरिका के सहयोगी हैं और दोनों के सामने परमाणु हथियार सम्पन्न उत्तर कोरिया और लगातार उग्र होते जा रहे चीन का खतरा है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की प्रवक्ता को मिन जंग ने संवाददाताओं को बताया कि मून और आबे ने बैंकाक में आसियान और तीन क्षेत्रीय देशों के सम्मेलन से इतर 11 मिनट की बेहद दोस्ताना और गंभीर बातचीत की। हालांकि उन्होंने किसी ठोस निष्कर्ष के कोई संकेत नहीं दिए। उन्होंने कहा, दोनों नेताओं का यह मानना था कोरिया और जापान के संबंध महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने इस सिद्धांत की पुष्टि की कि द्विपक्षीय मुद्दों का समाधान बातचीत के जरिए निकाला जाना चाहिए।

चीन का सरकारी मीडिया हांगकांग पर सख्त रुख अपनाने के पक्ष में

एजेंसी। बीजिंग

चीन के सरकारी मीडिया ने सोमवार को हांगकांग में लोकतंत्र के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की मांग की।

बीजिंग ने इस अर्द्ध स्वायत्त शहर पर और कड़ा नियंत्रण करने की योजना बनाई जिसके बाद सप्ताहांत पर हिंसा की घटनाएं हुई। प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को आधिकारिक शिन्हुआ समाचार एजेंसी के हांगकांग स्थित क्षेत्रीय ब्यूरो में तोड़फोड़ की। यह सप्ताहांत भी बेहद अशांत रहा और बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां हुई। इस दौरान लोकतंत्र समर्थक एक सांसद पर हमला भी हुआ। सरकारी समाचार पत्र चाइना डेली ने संपादकीय में लिखा, हांगकांग में हिंसा तेज हो गई है। ऐसे में कानून व्यवस्था को कायम रखने के लिए सख्त रुख अपनाने की जरूरत है।र ाष्ट्रवादी टैबलॉइड ग्लोबल टाइम्स ने रविवार को संपादकीय में लिखा, उन्हें असफल होना ही है क्योंकि उनकी हिंसा का जवाब कानून पूरी मजबूती के साथ देगा।

साथ ही इसमें हांगकांग की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से शिन्हुआ कार्यालय में तोड़फोड़ करने वाली भीड़ को जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाने की मांग की गई। संपादकीय में चाकू से हमले की घटना का कोई जिक्र नहीं था। दरअसल हांगकांग में एक हमलावर ने कुछ लोगों पर चाकू से हमला किया और लोकतंत्र समर्थक एक नेता का कान चबा लिया। हमले में पांच लोग घायल हो गए जिनमें से दो की हालत बेहद नाजुक है।

टेलीविजन फुटेज में दिखाया गया कि हमलावर जिला पार्षद एंड्रयू चियू के कान को चबा रहा है। हमलावर लोगों पर हमला करने के बाद भागने की फिराक में था और चियू ने उसे पकड़ने की कोशिश की थी। घटना के बाद लोगों ने उसे पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया। बीजिंग ने कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं से चार दिन की मुलाकात के बाद शुक्रवार को कहा था कि हांगकांग पर अपने अधिकार को चुनौती वह किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगा। चीन ने यह भी कहा कि वह इस शहर में देशभक्ति की भावना बढ़ाने की योजनाएं लेकर आया है।

ईरान ने संवर्धित यूरेनियम के उत्पादन में काफी वृद्धि की घोषणा की

तेहरान। ईरान ने सोमवार को घोषणा की कि वर्ष 2015 के परमाणु करार में किए गए अपने वादों से पीछे हटकर उसने संवर्धित यूरेनियम उत्पादन में दस गुणा से अधिक की वृद्धि की है। इससे पहले अमेरिका भी करार से हट चुका है। ईरान के एटमिक एनर्जी ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख अली अकबर सालेही ने कहा कि ईरान ने दो नए उन्नत अपकेंद्रण यंत्र (सेंट्फ्यूजिस) भी विकसित किए हैं जिनमें से एक परीक्षण से गुजर रहा है। उन्होंने मध्य ईरान के नटांज केंद्र पर संवाददाताओं से कहा कि संवर्धित यूरेनियम उत्पादन पांच किलोग्राम प्रतिदिन हो गया है। दो महीने पहले यह 450 ग्राम था जब ईरान 2015 के परमाणु करार में किए गए अपने कई वादों से पीछे हट गया था। ईरान ने मई में इस करार के कुछ खास वादों से पीछे हटने का निर्णय लिया था। उससे करीब सालभर पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस करार से हटने की घोषणा की थी और ईरान पर फिर कई पाबंदियां लगा दी थीं।

1100 भारतीय सिख श्रद्धालु पाकिस्तान के गुरुद्वारा पंजा साहिब पहुंचे

एजेंसी। इस्लामाबाद

भारत से एक हजार से ज्यादा सिख श्रद्धालु रविवार को पाकिस्तानी शहर हसन अब्दाल स्थित गुरुद्वारा पंजा साहिब पहुंचे। ए श्रद्धालु सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के तहत नगर कीर्तन में शामिल होने के लिए यहां आए हैं।

पंजाब प्रांत में गुरुद्वारे को रंगीन लाइटों से सजाया गया है। यहां आए तीर्थयात्रियों ने विभिन्न अनुष्ठान किए।डान अखबार की खबर के मुताबिक, विस्थापित संपत्ति न्यास बोर्ड (ईटीपीबी) के उप-सचिव धर्मस्थान इमरान गोंदल ने कहा कि 31 अक्टूबर को लुधियाना और अमृतसर के रास्ते वाघा से 11 सौ से ज्यादा सिखों ने सीमा पार की। सिख श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा जन्मस्थान, ननकाना साहिब, गुरुद्वारा सच्चा सौदा फरूकाबाद और अन्य तीर्थस्थानों का दौरा किया। यह तीर्थयात्रा करतारपुर में गुरुद्वारा दरबार साहिब में संपन्न होगी जहां सोने की पालकी साहिब स्थापित होगी।गोंदल को यह कहते हुए उद्धृत किया गया, नगर कीर्तन के लिए करीब 1300 वीजा जारी किए गए थे और यह भारत-पाकिस्तान के बीच धार्मिक स्थलों के दौरे के लिए 1974 में तय प्रोटोकॉल के तहत किया गया था।

उन्होंने कहा कि बोर्ड ने पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति और जिला प्रशासन के साथ मिलकर भारतीय और स्थानीय सिख तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षा और ठहरने के इंतजाम किए थे। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कई सिख श्रद्धालुओं ने करतारपुर गलियारा खोले जाने की पहल की सराहना की और ननकाना साहिब में बाबा गुरु नानक विश्वविद्यालय की आधारशिला रखने तथा गुरुनानक देव की 550वीं जयंती पर स्मारक सिक्का जारी करने के लिए प्रधानमंत्री इमरान खान की प्रशंसा की। करतारपुर गलियारे को नौ नवम्बर से श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा।यह बहुप्रतीक्षित गलियारा पंजाब के गुरदासपुर में स्थित डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे को करतारपुर स्थित गुरुद्वारे दरबार साहिब से जोड़ता है जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज चार किलोमीटर की दूरी पर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नरोवाल जिले में स्थित है। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव ने पाकिस्तान के करतारपुर में रावी नदी के किनारे स्थित दरबार साहिब गुरुद्वारे में अपने जीवन के 18 वर्ष बिताए थे जो इसे श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र स्थल बनाता है।

गेंदबाजों को छोटे स्कोर का बचाव सीखना होगा : रोहित

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के कार्यवाहक कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप से पहले अपने गेंदबाजों को आगाह किया है कि अगर टीम को अगले साल आस्ट्रेलिया में होने वाले टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसे छोटे स्कोर का बचाव करना सीखना होगा। भारत ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में बांग्लादेश को 149 रन का लक्ष्य दिया था और रोहित के अनुसार परिस्थितियों को देखते हुए इसका बचाव किया जा सकता था लेकिन मैदान पर की गई कुछ गलतियों के कारण टीम को अपने इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पहली बार हार का सामना करना पड़ा। रोहित ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस स्कोर का बचाव किया जा सकता था लेकिन हमने क्षेत्ररक्षण के दौरान गलतियां की। हमारे खिलाड़ी थोड़ा अनुभवहीन है और वे इससे सबक लेंगे। शायद अगली बार वे ए गलतियां न करें। पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर नहीं बनाना और फिर अपने अपेक्षाकृत छोटे स्कोर का बचाव नहीं कर पाना भारतीय टीम की कमजोरी बनती जा रही है। भारत जिन पिछले सात टी20 में स्कोर का बचाव करने उतरा उनमें से पांच में उसे नाकामी हाथ लगी। भारत इस मैच में दो तेज गेंदबाजों दीपक चाहर और खलील अहमद तथा तीन स्पिनरों युजवेंद्र चहल, क्रुणाल पंड्या और वाशिंगटन सुंदर के साथ उतरा था। चहल को छोड़कर कोई

● अगले साल आस्ट्रेलिया में होने वाले टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने को जरूरी

भी अन्य गेंदबाज बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पाया। रोहित ने कहा, ए खिलाड़ी पिछले कुछ समय से हमारे लिए इस प्रारूप में खेल रहे हैं। खलील हैं और दीपक भी हैं। शार्दुल (ठाकुर) अपनी बारी का इंतजार कर रहा है। वे अच्छा प्रयास कर रहे हैं लेकिन उन्हें सीखना होगा कि स्कोर का बचाव कैसे करना है। उन्हें रणनीति के अनुसार गेंदबाजी करनी होगी। इस तरह के मैच में खेलने से उन्हें सीख मिलेगी। वे प्रतिभाशाली हैं। उनमें वापसी करने की क्षमता है। यह समय बताएगा कि वे ऐसा कर पाते हैं या नहीं। रोहित हालांकि टीम में वापसी करने वाले लेग स्पिनर चहल के प्रदर्शन से खुश दिखे जिन्हें उन्होंने बीच के ओवरों के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, चहल इस टीम के लिए अहम खिलाड़ी हैं और उसने दिखाया कि बीच के ओवरों में जब बल्लेबाज जमे हुए थे तब वह कितना महत्वपूर्ण है। वह अच्छी तरह से समझता है कि उसे क्या करना है और इससे कप्तान के लिए भी काम थोड़ा आसान हो जाता है। भारतीय कप्तान ने इसके साथ ही

स्वीकार किया कि बल्लेबाजी में अच्छी शुरुआत नहीं मिलने से टीम पर दबाव बना। भारत ने पहले ओवर में ही रोहित का विकेट गंवा दिया था जबकि शिखर धवन और ऋषभ पंत रन बनाने के लिए जूझते रहे। केएल राहुल और श्रेयस अय्यर अपनी पारी लंबी नहीं खींच पाए। रोहित ने कहा, हमने शुरुआती ओवर में ही विकेट गंवा दिया था जिसके बाद पारी संवारना आसान नहीं होता है। पिच नरम थी और इस पर शॉट मारना आसान नहीं था। उन्होंने कहा, हमने फैसला किया था कि अगर हम पहले बल्लेबाजी करते हैं तो हमें 140150 रन तक पहुंचना होगा क्योंकि हमने पहले भी देखा है कि इस तरह की पिचों पर ऐसे स्कोर का बचाव किया जा सकता है। आज भी हमने 148 रन बनाए और यह अच्छा स्कोर था। भारत का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा। पंड्या ने 18वें ओवर में बांग्लादेश की जीत के नायक मुशफिकुर रहीम का आसान कैच छोड़ा जो कि आखिर में काफी महंगा साबित हुआ। इसके अलावा मैदान पर कुछ फैसले भी टीम के खिलाफ गए। रोहित ने कहा, हमने क्षेत्ररक्षण के दौरान बेहतर प्रदर्शन नहीं किया। हमने मैदान पर कुछ फैसले अच्छे नहीं किए जो कि हमारे खिलाफ गए और आखिर में उस बल्लेबाज (रहीम) ने अर्धशतक जमाया। फैसला करने में हम यहां पर कमजोर साबित हुए। उन्होंने हालांकि बांग्लादेश को जीत का श्रेय दिया। रोहित ने कहा, बांग्लादेश को जीत का श्रेय जाता है। जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो उन्होंने शुरू से ही हम पर दबाव बना दिया था। बांग्लादेश की यह टी20 में भारत पर पहली जीत है। इससे पहले आठ मैचों में भारत ने जीत दर्ज की थी लेकिन रोहित ने साफ किया कि वे रिकार्ड पर ध्यान नहीं देते और उन्होंने बांग्लादेश को हल्के से नहीं लिया था। उन्होंने कहा मैं यह नहीं कहूंगा कि हमने उन्हें हल्के से लिया था। जब हम मैदान पर उतरते हैं तो रिकार्ड पर गौर नहीं करते। हम उसे एक नए मैच की तरह देखते हैं और उसे जीतना चाहते हैं। हम अपनी रणनीति और कौशल का सही प्रदर्शन करके ऐसा करना चाहते हैं जो हम इस मैच में नहीं कर पाए। रोहित ने कहा, जब हम खेलते हैं तो विरोधी टीम को नहीं देखते। हम अपने काम पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि हमें क्या करना है। हमारे लिए यह मायने नहीं रखता कि हम किस टीम के खिलाफ खेल रहे हैं। हम केवल उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी लाइनअप पर गौर करते हैं लेकिन विरोधी टीम पर बहुत अधिक ध्यान देना अच्छा नहीं होता है। नियमित कप्तान विराट कोहली को इस श्रृंखला के लिए विश्राम दिया गया है और रोहित ने माना कि उनकी जगह भरना आसान नहीं होता है। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर वह बहुत बड़ा खिलाड़ी है।

ऋषभ की रिव्यू में नाकामी का किया बचाव

नई दिल्ली। जब सटीक रिव्यू की बात आती है तो महेंद्र सिंह धोनी का नाम एकदम से जेहन मे आ जाता लेकिन सीमित ओवरो के प्रारूप मे उनके उत्तराधिकारी ऋषभ पंत बांग्लादेश के खिलाफ रविवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच मे इस मोर्चे पर पूरी तरह से नाकाम रहे जिसके लिए कप्तान रोहित शर्मा ने उनका बचाव किया। वह मैच का दसवां ओवर था जबकि डीआरएस को लेकर फैसले भारत के खिलाफ गए और आखिर मे यह गलती टीम को महंगी पड़ी और उसे पहली बार बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल के इस ओवर की तीसरी गेंद पर मुशफिकुर रहीम पगबाधा आउट थे लेकिन भारत ने रिव्यू नही लिया। गेंदबाज या विकेटकीपर पंत ने इसके लिए कप्तान को कोई सलाह भी नही दी। रहीम तब छह रन पर खेल रहे थे और बाद मे वह 60 रन बनाकर नाबाद रहे। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर सौम्या सरकार के खिलाफ

पंत ने विकेट के पीछे कैच की अपील की जिसे अंपायर ने ठुकरा दिया। पंत ने रोहित पर डीआरएस के लिए दबाव बनाया लेकिन रिव्यू से स्पष्ट हो गया कि गेंद बल्ले से लगकर नही गई थी। दर्शको ने भी धोनीधोनी की गूंज से पंत को गलती का अहसास कराया। रोहित ने बाद मे स्वीकार किया कि इस तरह के रिव्यू मे कप्तान पूरी तरह से गेंदबाज और विकेटकीपर पर निर्भर होता है लेकिन उन्होने भरोसा जताया कि पंत अभी युवा है और वह समय के साथ बेहतर फैसले करना सीख जाएगा। उन्होने कहा, जब आप फैसला करने की सही स्थिति मे नही होते है तो आपको फैसला लेने के लिए अपने गेंदबाज और विकेटकीपर पर भरोसा करना होता है। ऋषभ अभी युवा है और उसने बमुश्किल 10 से 12 टी20 (असल मे 21) मैच खेले है, इसलिए उसे इस तरह की चीजो को समझने के लिए समय देने की जरूरत है। रोहित ने कहा, वह इस तरह के फैसला कर सकता है या नही इस पर अभी निर्णय करना जल्दबाजी होगी। उसे ऐसे फैसले करने के लिए हमे समय देना होगा। यही बात गेंदबाज पर भी लागू होती है। जब कप्तान फैसला करने के लिए सही स्थिति मे नही होता है तो गेंदबाज और विकेटकीपर मिलकर फैसला करते है। भारतीय कप्तान ने हालांकि माना कि अगर मुशफिकुर रहीम के खिलाफ रिव्यू लेने मे गलती नही की होती तो टीम यह मैच जीत सकती थी। उन्होने कहा, हमने मैदान पर कुछ फैसले अच्छे नही किए जो कि हमारे खिलाफ गए और आखिर मे उस बल्लेबाज (रहीम) ने अर्धशतक जमाया। फैसला करने मे हम यहां पर कमजोर साबित हुए। रोहित ने कहा, हमने रिव्यू लेने मे गलती की। उसने (रहीम) पहली गेंद बैकफुट पर खेली और हमे लगा कि वह लेग साइड की तरफ जा रही है।

गांगुली ने मुश्किल हालात में खेलने के लिए भारत, बांग्लादेश की टीमों का आभार जताया

नई दिल्ली। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने राष्ट्रीय राजधानी मे काफी अधिक वायु प्रदूषण के बावजूद पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए सहमत होने पर सोमवार को भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और बांग्लादेश क्रिकेट टीम को धन्यवाद दिया। पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम व नियंत्रण) प्राधिकरण (ईपीसीए) ने प्रदूषण के बेहद गंभीर श्रेणी मे पहुंचने के बाद दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

मे जन स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की थी। रविवार को मैच के दिन भी प्रदूषण काफी अधिक था। गांगुली ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा, मुश्किल हालात मे यह मैच खेलने के लिए दोनो टीमो को धन्यवाद एरोहित शर्मा एबांग्लादेश टीम। शानदार प्रदर्शन किया बांग्लादेश। पता चला है कि बीसीसीआई अध्यक्ष आशंकित थे क्योंकि वायु प्रदूषण की वजह से गंभीर स्वास्थ्य चिंताएं हो सकती थी लेकिन रोहित और बांग्लादेश टीम प्रबंधन दोनो ने आश्वासन दिया कि वे मैच खेलना चाहते है। गांगुली पहले ही कह चुके है कि बोर्ड अगली बार जब घरेलू मैचो के लिए कार्यक्रम तैयार करेगा जो वे दीपावली के बाद दिल्ली मे मैच कराने को लेकर अधिक व्यावहारिक रुख अपनाएंगे क्योंकि तब वायु प्रदूषण सबसे अधिक होता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत दादरी, विकास खण्ड – हापुड़, जनपद–हापुड़

पत्रांक मीमो/निविदा प्रकाशन/ग्र0प0/2018.2019 दिनांकः– 03.11.2019

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत दादरी विकास खण्ड हापुड़ में राज्य वित्त 14वॉ वित्त आयोग योजनान्तर्गत सरकारी विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों की निविदा दिनांक 09.11.2019 को अपरान्ह 2 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 08.11.2019 तक कार्यालय समय मे संबन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते है निविदा अधिकृत अधिकारीयो द्वारा इच्छुक ठेकेदारो की उपस्थिति मे दिनांक 09.11.2019 को अपरान्ह 3 बजे खोली जायेगी।

क्र0 स0	कार्य का नाम	अनुमानित धनराशि	धरोहर राशि	निविदा मूल्य	कार्य अवधि
1.	दीवान सिंह से रामवीर तक इण्टरलाक कार्य	1,29,900=00	2598	100=00	3 माह
2	रामवीर से राजवीर तक इण्टरलाक कार्य	1,48,600=00	2972	100=00	3 माह
3	वीरेन्द्र से मनोज तक c.c. रोड़ मरम्मत कार्य	1,67,100=00	3342	200=00	3 माह
4	नज्जू से सलोक तक c.c. रोड़ मरम्मत कार्य	1,93,300=00	3866	200=00	3 माह
5	होली चौक पर इण्टरलाक कार्य	3,33,300=00	6660	300=00	3 माह
6	बहन जूनियर स्कूल से पुल तक इण्टरलाक कार्य	4,38,200=00	8764	400=00	3 माह
7	अहमदनगर श्मशान घाट में सीमेंन्ट बैंच	100000=00	2000	100=00	3 माह
8	गौशाला में खडन्जा व मिट्टी भराव	97800=00	1956	100=00	3 माह
9	गौशाला में चारदीवारी सोकपिट कम्पोस्ट पिट	84900=00	1698	100=00	3 माह
10	गौशाला का निर्माण कार्य	192766=00	3855	200=00	3 माह
11	गौशाला में भूसा सैड व चारा सैड	192800=00	3856	200=00	3 माह
12	गॉव में विभिन्न स्थानों पर चैम्बर निर्माण	1,20,000=00	2400	100=00	3 माह
13	गौशाला में लोहे के फ्रेम कार्य	2,10,463=00	4209	200=00	3 माह

नियम व शर्तें:–
1. अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0/पास बुक के रूप मे दी जा सकती है सम्बन्धित ग्राम पंचायत के नाम से बन्धन हो अथवा नकद जमा की जा सकती हैं।
2. कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्टियो के अनुरूप होगा
3. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सम्बन्धित ग्राम पंचायत को होगा।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग मे पंजीकृत ठेकेदारो को ही देय होगी।
5. ठेकेदार का पंजीयन उप श्रमायुक्त हापुड़ के यहा होना चाहिए तथा ठेकेदार को प्रत्येक कार्य का पंजीकरण उप श्रमायुक्त कार्यालय हापुड़ में कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा प्रपत्र के साथ 100रू क नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर रसीदी टिकिट के साथ लाने।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटौतिया की जायेगी।
8. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान
ग्राम पंचायत दादरी
वि0ख0 हापुड़

सचिव
ग्राम पंचायत दादरी
वि0ख0 हापुड़

एशिया प्रशांत गोल्फ सम्मेलन गुरुग्राम में शुरू

गुरुग्राम। एशिया प्रशांत गोल्फ सम्मेलन (एपीजीएस) सोमवार को यहां शुरू हुआ जिसका आयोजन पहली बार भारत में किया जा रहा है। एपीजीएस को पर्यटन मंत्रालय का समर्थन हासिल है। के 13वें सत्र का आयोजन छह नवंबर तक डीएलएफ गोल्फ एवं कंट्री क्लब में किया जाएगा। इस वार्षिक सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय वक्ता ए 5जी माइंडसेट फोर गोल्फस फ्यूचर इन एशिया विषय के संदर्भ में गोल्फ के विभिन्न संचालन और व्यावसायिक पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

बायर्न म्यूनिख ने कोच निको कोवाच को बर्खास्त किया

बर्लिन। जर्मनी की चैंपियन बायर्न म्यूनिख की एंट्रैच फ्रेंकफर्ट के खिलाफ।-5 से हार के एक दिन बाद क्लब ने कोच निको कोवाच को बर्खास्त कर दिया। बुंदेसलीगा मे एक दशक मे बायर्न म्यूनिख की यह सबसे बड़ी हार है। क्लब ने बयान में कहा, एफसी बायर्न म्यूनिख ने कोच निको कोवाच को उनकी जिम्मेदारियो से मुक्त कर दिया है। बायर्न म्यूनिख के अध्यक्ष उली होएनेस, चेयरमैन कार्ल हेंज रुमेनिगे, खेल निदेशक हसन सालिहामिदजिक और कोवाच के बीच बातचीत के बाद आपसी सहमति से यह फैसला किया गया। रुमेनिगे ने बयान मे कहा, हाल के हफ्तो मे हमारी टीम के प्रदर्शन और नतीजो से दिखता है कि हमे कार्वाई करने की जरूरत है। इस कदम पर हम सभी को खेद है। एफसी बायर्न की ओर से मै निको कोवाच को उनके काम के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, विशेषकर पिछले सत्र मे दोहरी सफलता के लिए। फिलहाल सहायक कोच हेंसी पिलक को टीम का प्रभार सौपा गया है।

रीयल कश्मीर पर बने वृत्तचित्र को बाफ्टा स्काटलैंड पुरस्कार 2019 मिला

नई दिल्ली। रीयल कश्मीर फुटबाल क्लब पर बने एक वृत्तचित्र को स्काटलैंड के ग्लास्गो मे रंगारंग समारोह मे प्रतिष्ठित ब्रिटिश एकेडमी आफ फिल्ड एंड टेलीविजन अवार्ड्स (बाफ्टा) 2019 पुरस्कार के लिए चुना गया। इस वृत्तचित्र मे रीयल कश्मीर एफसी टीम के कोच के रूप मे रेंजर्स टीम के पूर्व स्टार डेविड रोबर्टसन की यात्रा को दर्शाया गया है। रोबर्टसन के मार्गदर्शन मे रीयल कश्मीर एफसी की टीम भारत की तत्कालीन शीर्ष दर्जे की फुटबाल लीग आईलीग मे अपने पहले ही सत्र मे तीसरे स्थान पर रही थी। इस साल बीबीसी स्काटलैंड पर दिखाई गई इस एक घंटे की फिल्म को एकल वृत्तचित्र वर्ग मे पुरस्कार के लिए चुना गया। इस वृत्तचित्र के निर्देशक ग्रेग क्लार्क को भी निर्देशन के एक वर्ग मे नामित किया गया था लेकिन वह मैट पाइंडर से पिछड़ गए जिन्हे उनकी फिल्म मर्डर केस के लिए पुरस्कार मिला। वर्ष 2017-18 मे अपने पदार्पण सत्र मे रीयल कश्मीर एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट बंगाल और मोहन बागान सहित कई शीर्ष टीमो के खिलाफ यादगार जीत दर्ज की थी और 19 मैचो मे 36 अंक जुटाए थे।

भारतीय महिला टीम ने हासिल की जीत

पूनम राउत का अर्धशतक

● वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में 53 रन से हराया

एजेंसी। नार्थ साउंड

पूनम राउत के अर्धशतक के बाद स्पिनरों की फिरकी के जादू से भारत ने आईसीसी महिला चैंपियनशिप के दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ 53 रन से जीत दर्ज की। भारत के 192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 47 . 2 ओवर में 138 रन पर ढेर हो गई जिससे मेहमान टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला।-। से बराकर करा दी। बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ (27 रन पर दो विकेट), लेग स्पिनर पूनम यादव (26 रन पर दो विकेट) और आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा (25 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाकर मेजबान टीम की पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले टास जीतकर बल्लेबाजी करने वाले भारत की शुरुआत खराब रही। टीम ने जल्द ही सलामी बल्लेबाजों प्रिया पूनिया (05) और जेमिमा रोड्रिग्ज के विकेट गंवा दिए जिससे नौ ओवर में टीम का स्कोर दो विकेट पर 17 रन हो गया। पूनम (77), कप्तान मिताली राज (40) और उप कप्तान हरमनप्रीत कौर (46) ने इसके बाद उम्दा बल्लेबाजी करते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। पूनम और मिताली ने तीसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। दोनों ने चार-चार चौके मारे। शेनेटा ग्रिमोंड ने 29वें ओवर में मिताली को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। पूनम को इसके बाद हरमनप्रीत के रूप में भरोसेमंद साथी मिली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत के 48वें ओवर में आलिया एलेन की गेंद पर बोल्ड होने से यह साझेदारी टूटी। वेस्टइंडीज की ओर से आलिया (38 रन पर दो विकेट) और एफी फ्लेचर (32 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए जबकि शाबिका गजनबी (23 रन पर एक विकेट) और ग्रिमोंड (22 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही। टीम ने चौथे ओवर में ही सलामी बल्लेबाज स्टेसी आन किंग (06) का विकेट गंवा दिया। उन्हें शिखा पांडे (19 रन पर एक विकेट) ने बोल्ड किया। मेजबान टीम को 25वें ओवर में बड़ा झटका लगा जब सलामी बल्लेबाज नताशा मैकलीन (15) रिटायर्ड हर्ट हो गईं। कप्तान स्टेफनी टेलर (20) और शेमाइन कैंपबेल (39) ने इसके बाद पारी को संभाला लेकिन रन गति में इजाफा करने में नाकाम रहीं।

अधिक से अधिक ओलंपिक कोटा हासिल करने उतरेगा भारत

● एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप आज से

एजेंसी। लुसैल (कतर)

भारतीय निशानेबाज मंगलवार से यहां लुसैल शूटिंग काम्पलेक्स में शुरू होने वाली 14वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में अधिक से अधिक से अधिक ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। भारत के 63 पुरुष और 45 महिला निशानेबाज राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में सीनियर, जूनियर और युवा वर्ग में भाग लेंगे। इस दस दिन तक चलने वाली महाद्वीपीय चैंपियनशिप में 15 में से 12 स्पर्धाओं में तोक्यो ओलंपिक के लिए 38 कोटा स्थान दांव पर लगे होंगे। चैंपियनशिप में तीन मिश्रित टीम स्पर्धाओं में कोटा स्थान नहीं है जबकि पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में सर्वाधिक चार कोटा स्थान दांव पर लगे रहेंगे। भारत पहले ही तोक्यो के लिए नौ कोटा स्थान हासिल कर चुका है और वह एशियाई क्षेत्र में चीन (25 कोटा), कोरिया (12) और मेजबान जापान (12) के बाद चौथे नंबर पर है। राष्ट्रीय टीम के हाई परफोरमेन्स कोच (पिस्टल) समरेश जंग ने कहा, टीम अच्छा प्रदर्शन करने के प्रति आश्वस्त है। कोटा पहली प्राथमिकता है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि क्षेत्र की शीर्ष प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन भी एक उपलब्धि है। हमारा लक्ष्य निश्चित तौर पर पिछली बार के कोटा (13) से अधिक स्थान हासिल करना है।

आईपीएल में स्थानापन्न खिलाड़ी पर विचार, गांगुली करेंगे अंतिम फैसला

● कल होगी मुंबई में संचालन परिषद की बैठक

एजेंसी। नई दिल्ली

आईपीएल मैच के दौरान किसी खिलाड़ी के बदले स्थानापन्न खिलाड़ी उतारने को लेकर बुधवार को मुंबई में होने वाली संचालन परिषद की बैठक में विचार किया जा सकता है लेकिन इस पर अंतिम फैसला बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ही करेंगे। आईपीएल संचालन टीम के वरिष्ठ कार्यकारी ने कुछ महीने पहले पारंपरिक एकादश से इतर टीम बनाने के लिए रूपरेखा तैयार की थी जिसमें पावर प्लेयर का जिक्र है। इसके अनुसार जो खिलाड़ी अंतिम एकादश में शामिल नहीं है वह बल्लेबाजी या गेंदबाजी करने के लिए उतर सकता है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, अंतिम फैसला बीसीसीआई अध्यक्ष करेंगे। वह निश्चित तौर पर आईपीएल संचालन परिषद तथा उसके चेयरमैन बृजेश पटेल और अन्य पदाधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे लेकिन इसके लिए कई चीजों पर गौर करना होगा। गांगुली इस पर टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे लेकिन अध्यक्ष के करीबी सूत्र ने कहा कि इस तरह की अवधारणा लागू करने को लेकर कई तरह की आशंकाएं है क्योंकि इससे क्रिकेट का मूल रूप ही बदल जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत भटियाना, विकास खण्ड – हापुड़, जनपद–हापुड़

पत्रांक मीमो/निविदा प्रकाशन/ग्र0प0/2018.2019 दिनांकः– 03.11.2019

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत भटियाना विकास खण्ड हापुड़ में राज्य वित्त 14वॉ वित्त आयोग योजनान्तर्गत सरकारी विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों की निविदा दिनांक 11.11.2019 को अपरान्ह 2 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 10.11.2019 तक कार्यालय समय मे संबन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते है निविदा अधिकृत अधिकारीयो द्वारा इच्छुक ठेकेदारो की उपस्थिति मे दिनांक 11.11.2019 को अपरान्ह 3 बजे खोली जायेगी।

क्र0 स0	ग्राम का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित धनराशि	धरोहर राशि	निविदा मूल्य	कार्य अवधि
1.	भटियाना	प्रा0पा में शौचालय निर्माण	90760	1820	100=00	2 माह
2		देवि मन्दिर के सामने इण्टरलॉक कार्य	137600	202752	100=00	2 माह
3		होली चौक के पश्चिम में इण्टरलॉक कार्य	215550	4311	200=00	2 माह
4		जयवीर से चन्द्रपाल तक सी0सी0 रोड कार्य	287100	5742	300=00	2 माह
5		होली चौक के पूर्व में इण्टरलॉक कार्य	336100	6722	300=00	2 माह
6		देविमन्दिर के उत्तर साइड में सी0सी0 रोड कार्य	188800	3770	200=00	2 माह
7		देविमन्दिर के दक्षिण में सी0सी0 रोड़ कार्य	180300	3606	200=00	2 माह
8		पंचायत घर में इण्टरलाक टाइल्स कार्य	154500	3090	200=00	2 माह
9		प्रा0पा0 में बाऊन्ड्री निर्माण	57700	1154	200=00	2 माह
10		प्रा0पा0 में इण्टरलॉक कार्य	226000	4520	200=00	2 माह
11		भटियाना के होली चौक में दीवार व भराव कार्य	109275	2186	100=00	2 माह
12		प्राथमिक विद्यालय के कमरा न0 01 व 02				
		में फलोर कार्य	241100	4822	200=00	2 माह
13		कमरा न0 03 व 04 में फलोर टाइल्स कार्य	244200	4884	200=00	2 माह

नियम व शर्तें:–
1. अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0/पास बुक के रूप मे दी जा सकती है सम्बन्धित ग्राम पंचायत के नाम से बन्धन हो अथवा नकद जमा की जा सकती हैं।
2. कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्टियो के अनुरूप होगा
3. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सम्बन्धित ग्राम पंचायत को होगा।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग मे पंजीकृत ठेकेदारो को ही देय होगी।
5. ठेकेदार का पंजीयन उप श्रमायुक्त हापुड़ के यहा होना चाहिए तथा ठेकेदार को प्रत्येक कार्य का पंजीकरण उप श्रमायुक्त कार्यालय हापुड़ में कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा प्रपत्र के साथ 100रू क नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर रसीदी टिकिट के साथ लाने।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटौतिया की जायेगी।
8. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान
ग्राम पंचायत भटियाना
वि0ख0 हापुड़

सचिव
ग्राम पंचायत भटियाना
वि0ख0 हापुड़

जाधव-नदीम ने बनाया इंडिया बी को चैंपियन

●देवधर ट्राफी : इंडिया सी को 51 रन हराया

एजेंसी। रांची

अनुभवी केदार जाधव की शानदार बल्लेबाजी के बाद शाहबाज नदीम की कमाल की फिरकी गेंदबाजी से इंडिया बी ने सोमवार को यहां देवधर ट्राफी के फाइनल में इंडिया सी को 51 रन हराकर खिताब अपने नाम किया। जाधव की 94 गेंद में 86 रन की पारी के दम पर इंडिया बी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 283 रन बनाने के बाद इंडिया सी को नौ विकेट पर 232 रन पर रोक दिया। अपने घरेलू मैदान पर नदीम ने 10 ओवर में 32 रन देकर चार विकेट चटकाए। इंडिया सी के लिए तेज गेंदबाज इशान पोरेल ने 10 ओवर में 43 रन देकर पांच विकेट लिए थे लेकिन उनका यह प्रदर्शन टीम के काम नहीं आ सका। बीसीसीआई ने भी ट्वीट कर इंडिया बी को देवधर ट्राफी का विजेता बनने पर बधाई दी। टास जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया बी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पोरेल के पहले ओवर में ही सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। पोरेल ने इसके बाद पारी के नौवें ओवर में कप्तान पार्थिव पटेल को विकेटकीपर दिनेश कार्तिक (14) के हाथों कैच कराया। टीम के 28 रन पर दो विकेट गिरने के बाद युवा यशस्वी जयसवाल (54) और बाबा अपराजित (13) ने संभल कर बल्लेबाजी की। दोनों की तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी को जलज सक्सेना (42 रन पर एक विकेट) ने अपराजित को आउट कर तोड़ा। इसके कुछ समय के बाद अक्षर पटेल (33 रन पर एक विकेट) ने जायसवाल को चलता किया। जयसवाल ने 79 गेंद की पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। जाधव ने एक छोर संभाले रखा और दूसरी छोर से उन्हें नितीश राणा (20) और विजय शंकर (45) को अच्छा साथ मिला। शंकर ने 33 गेंद की पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए। जाधव ने भी 94 गेंद की पारी में चार चौके और इतने ही छक्के लगाए। कृष्णप्पा गौतम ने आखिरी के ओवरों में ताबड़तोड बल्लेबाजी करते हुए 10 गेंद में तीन छक्कों और तीन चौकों की मदद से नाबाद 35 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया सी की टीम भी लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। प्रियम गर्ग ने 77 गेंद में सबसे ज्यादा 74 रन बनाए लेकिन मयंक अग्रवाल (28) अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। कप्तान शुभमान गिल (एक), विराट सिंह (छह), सूर्यकांत यादव (तीन) , दिनेश कार्तिक (तीन) भी बल्ले से कुछ कमाल करने में नाकाम रहे। टीम के आधे खिलाड़ी 77 रन पर पवेलियन लौट गए। गर्ग और पटेल (38) ने इसके बाद सूझबूझ से खेलते हुए पारी को पटरी पर लाने की कोशिश की। दोनों की छठे विकेट के लिए 63 की साझेदारी को तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (43 रन पर दो विकेट) ने तोड़ा। टीम इसके बाद बढ़ती जरूरी रनगति के दबाव में आ गई। सक्सेना (नाबाद 37) और मयंक मार्कंडेय (27) ने आखिरी के ओवरों में संभल कर पूरे 50 ओवर बल्लेबाजी करना बेहतर समझा।

हैमिल्टन को छठा विश्व खिताब

● शुमाकर के रिकार्ड के करीब पहुंचे

एजेंसी। आस्टिन

लुईस हैमिल्टन ने रविवार को यहां अमेरिकी ग्रां प्री में मर्सीडीज टीम के अपने साथी वालटेरी बोटास के पीछे दूसरे स्थान पर रहते हुए छठी बार फार्मूला वन विश्व खिताब जीत लिया। ब्रिटेन के 34 साल के हैमिल्टन ने ग्रिड पर पांचवें जबकि फिनलैंड के बोटास ने पहले स्थान से शुरुआत की थी। हैमिल्टन ने दो बार रेस में बढ़त बनाई लेकिन जब सिर्फ तीन लैप बचे थे तब बोटास ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। हैमिल्टन टीम के अपने साथी ड्राइवर को इसके बाद पीछे नहीं छोड़ पाए लेकिन उन्होंने रेड बुल के मैक्स वेरस्टापेन को आगे नहीं निकलने दिया। हैमिल्टन ने 150वीं बार पोडियम पर जगह बनाई जबकि लगातार 31वीं बार अंक हासिल करने में सफल रहे। हैमिल्टन का यह छठा विश्व खिताब है और वह माइकल शुमाकर के रिकार्ड सात खिताब से सिर्फ एक खिताब पीछे हैं। उन्होंने इससे पहले 2008, 2014, 2015, 2017 और 2018 में खिताब जीता था।

नडाल एक साल बाद फिर बने नंबर एक

एजेंसी। पेरिस

स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल सोमवार को ठीक एक साल बाद फिर से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए। उन्होंने नोवाक जोकोविच की जगह ली है जो दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। नडाल इससे पहले चार नवंबर 2018 को नंबर एक पर काबिज थे। यह आठवां अवसर है जबकि 33 वर्षीय यह खिलाड़ी शीर्ष पर पहुंचा है। वह 1973 के बाद एटीपी रैंकिंग में नंबर एक की कुर्सी पर काबिज होने वाले दूसरे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। फेडरर 2018 में 36 साल की उम्र में नंबर एक बने थे। नडाल का प्रयास अब साल के आखिर में नंबर एक पर बने रहना होगा। अगर वह ऐसा करने में सफल रहते हैं तो साल के आखिर में नंबर एक पर काबिज रहने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। उन्हें हालांकि लंदन में होने वाले एटीपी टूर फाइनल्स के फिट होना होगा। अगर नडाल इसमें नहीं खेलते हैं और जोकोविच फाइनल में पहुंच जाते हैं तो फिर सर्बियाई खिलाड़ी फिर से शीर्ष पर पहुंच जाएगा। नडाल पहली बार अगस्त 2008 में शीर्ष पर पहुंचे थे। वह अब तक 197 सप्ताह (वर्तमान सप्ताह सहित) नंबर एक रह चुके हैं।

बिक्री सूचना

निम्नलिखित सम्पत्ति वाद सं. 53/19 (आईडी नंबर 162/18) में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध जस किरण कौर के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।

1. आस्ति का वर्णन :
मेक : टोयोटा कोरोला ऑल्टिस
रजि. नंबर : HR26CB0660
विनिर्माण वर्ष : 2013
2. नीलामी की तिथि एवं समय :
20–11–2019 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक
3. स्थान : गोदरा यार्ड, खेवट नंबर 166/1, निकट अतुल कटारिया चौक, ज्ञान देवी स्कूल के पीछे, सेक्टर–17, सुखराली, गुरूग्राम–122022
4. सम्पर्क व्यक्ति : अमित भार्गव ;
मोबाइल नंबर : 9205279919

बिक्री की शर्तें

उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।

इच्छुक बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय डीडी/पीओ के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।

सफल अनुमोदित बोलीदाता को बिक्री राशि पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट/ आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से अनुमोदन की तिथि से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।

इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त दृष्टिबंधित वाहन के विस्तृत विवरण तथा निरीक्षण के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रथम तल, एसडी टावर, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नंबर–7, रोहिणी, सेक्टर–8, नई दिल्ली–110085 पधार सकते हैं।

रीजेन्ट एंटरप्राइजेज लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : ई–205 (एलजीएफ), ग्रेटर कैलाश–।।, नई दिल्ली–110048
फोन : 011–29213191
ई–मेल : stradersltd@gmail.com
सीआईएन : एल15500डीएल1994पीएलसी153183
वेबसाइट : www.regententerprises.in

सूचना

सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 47 के साथ पठित विनियम 29 के साथ पठित विनियम 47 के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कम्पनी के निदेशक मंडल की एक बैठक बुधवार, 13 नवम्बर, 2019 को अप. 05.00 बजे 14/17, नया गंज, गाजियाबाद में आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य विषयों के साथ, 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष हेतु कम्पनी के अ–लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम विचारित, अनुमोदित तथा अभिलेखबद्ध किए जाएंगे।

इसके अनुसरण में, अंतरंगियों हेतु व्यापार खिड़की (ट्रेडिंग विन्डो) सभी पदनामित व्यक्तियों, उनके निकट सम्बन्धियों और संबंधित व्यक्तियों यथा संशोधित के लिए परिणामों की घोषणा के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी। कम्पनी के उक्त वित्तीय परिणाम www.regententerprises.in पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

वास्ते रीजेन्ट एंटरप्राइजेज लिमिटेड
हस्ता./–
विकास कुमार
पूर्ण कालिक निदेशक
डीआईएन : 05308192
तिथि : 04–11–2019
स्थान : नई दिल्ली

रवि अंडर कांस्य पदक मुकाबले में हारे

बुडापेस्ट। पहलवान रवि राठी (97 किग्रा) सोमवार को यहां यूडब्ल्यूडब्ल्यू अंडर-23 विश्व चैम्पियनशिप 2019 के कांस्य पदक मुकाबले मे बेलारूस के जिमित्रि कामिन्सकि से 0-8 से हार गए जिससे टूर्नामेंट मे भारत का सफर दो पदक के साथ खत्म हुआ। रवि ने रेपेचेज दौर मे रविवार को किर्गिस्तान के उजुर दहुजुपबकोव को 3-1 से शिकस्त दे कर कांस्य पदक के मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया था लेकिन इस अहम मुकाबले मे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नही कर सके। टूर्नामेंट मे भारत के लिए सिर्फ रविन्द्र (61 किग्रा) और पूजा गहलोत (53 किग्रा) ही रजत पदक जीतने मे कामयाब रहे। फ्रीस्टाइल मे हालांकि भारतीय पुरूष कुश्ती टीम टूर्नामेंट मे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 48 अंक के साथ तालिका मे 11वे स्थान पर रही। महिलाओ के वर्ग मे फ्रीस्टाइल टीम 12वे जबकि ग्रीको-रोमन टीम 15वे स्थान पर रही।

महिला अंडर–17 टीम का शिविर नौ नवंबर से

कल्याणी (पश्चिम बंगाल)। अगले साल देश मे होने वाले फीफा महिला अंडर-17 विश्व कप की तैयारियो के लिए भारतीय महिला टीम का 10 दिवसीय शिविर नौ नवंबर से शुरू होगा। महिला टीम पिछले चार महीने से शिविर मे है और एक छोटे ब्रेक के बाद फिर से एकजुट होगी। शिविर मे संभावित खिलाड़ियो को चार टीमो मे बांटा जाएगा जो राउंड रोबिन आधार मे 11, 13 और 15 नवंबर को एक दूसरे के खिलाफ खेलेगी। पिछले महीने महिला अंडर-15 टीम को सैफ टूर्नामेंट का चैम्पियन बनाने मे अहम भूमिका निभाने वाले कोच एलेक्स एंब्रोस ने कहा कि इन मैचो से कोचिंग स्टाफ को प्रतिभा पूल तलाशने मे मदद मिलेगी। कल्याणी मे टूर्नामेंट हमारे लिए खिलाड़ियो को परखने का मौका देगा। हमारे पास पहले से ही खिलाड़ियो का एक समूह है, लेकिन यह हमे अन्य खिलाड़ियो पर भी एक नजर डालने का अवसर प्रदान करेगा।

भारतीय पुरूष टेटे टीम ने अपनी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की

नई दिल्ली। भारतीय पुरूष टेबल टेनिस टीम आईटीटीएफ रैंकिंग मे सोमवार को नौवे स्थान पर पहुंच गई जो उसकी अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। भारतीय टीम मे विश्व के 30वे नंबर के जी साथियान और विश्व मे 36वे नंबर के शरत कमल शामिल है। वे 272 अंक के साथ आस्ट्रिया के साथ संयुक्त दसवे स्थान पर है लेकिन उन्हे नौवी रैंकिंग दी गई है। भारतीयो मे साथियान और शरत ही शीर्ष 100 मे शामिल है। भारत के नंबर तीन हरमीत देसाई विश्व रैंकिंग मे 104वे स्थान पर है। चीन टीम रैंकिंग मे शीर्ष पर है। उसके बाद जापान और जर्मनी का नंबर आता है।

550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन

चंडीगढ़। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के 550वे प्रकाश पर्व के अवसर पर पंजाब मे 23 नवंबर से सात दिसंबर तक सिख फुटबाल कप का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन गैर-लाभकारी खेल संगठन खालसा फुटबाल क्लब ग्लोबल सिख स्पोर्ट्स फेडरेशन के सहयोग से करेगा। अध्यक्ष ने हरजीत सिंह ग्रेवाल ने जानकारी दी।

पाक से मुकाबले में भारत के गैर खिलाड़ी कप्तान होंगे राजपाल

●डेविस कप मुकाबले के लिए तैयार

एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्व भारतीय खिलाड़ी और अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) की चयन समिति के अध्यक्ष रोहित राजपाल को सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ उसकी सरजमीं पर होने वाले आगामी डेविस कप मुकाबले के लिए भारत का गैर खिलाड़ी कप्तान बनाया गया जिसे महेश भूपति के युग के खत्म होने के तौर पर देखा जा रहा है। इस तरह की अटकलें थी कि अनुभवी लिएंडर पेस को इस पद के लिए चुना जा सकता है क्योंकि शीर्ष खिलाड़ियों और कप्तान महेश भूपति के हटने के बाद 46 साल के इस खिलाड़ी ने खुद को उपलब्ध रखा था। भारत की सुरक्षा संबंधी चिंता जताने के बाद इस्लामाबाद में 29 और 30 नवंबर को होने वाले इस मुकाबले को पहले ही एक बार स्थगित किया जा चुका है। एआईटीए ने चंडीगढ़ में अपनी वार्षिक आम बैठक में राजपाल को नियुक्त करने का फैसला किया। एआईटीए के एक सूत्र ने बताया, पूर्व अध्यक्ष अनिल खन्ना और मौजूदा अध्यक्ष प्रवीण महाजन ने रोहित राजपाल के नाम का प्रस्ताव रखा और सभी इस पर सहमत हो गए। राजपाल गैर खिलाड़ी कप्तान के रूप में पाकिस्तान जाएंगे और फिलहाल यह इंतजाम सिर्फ इस मुकाबले के लिए किया गया है। सूत्र ने बताया कि भूपति का कार्यकाल दिसंबर 2018 में खत्म हो गया था लेकिन कोलकाता में हुए इटली के खिलाफ मुकाबले के लिए उनके कार्यकाल को बढ़ाया गया था। अब राष्ट्रीय टीम के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया जाएगा क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने से मना कर दिया था। भूपति ने दिसंबर 2016 में आनंद अमृतराज की जगह टीम के कप्तान बने थे। इस बैठक में शामिल

रहे अधिकारी ने बताया, भूपति का पाकिस्तान जाने से इनकार करने से एआईटीए खुश नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि भविष्य में कप्तान के तौर पर उनके नाम पर विचार किया जाएगा। एआईटीए गैर-खिलाड़ी कप्तान की परंपरा को जारी रखना चाहता है, इसलिए जब पेस इस खेल को अलविदा कहेंगे तब निश्चित तौर पर कप्तान के लिए उनके नाम पर विचार किया जाएगा। एआईटीए ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) से इस मुकाबले को तटस्थ स्थान पर स्थानांतरित करने का आग्रह किया था और विश्व टेनिस की संचालन संस्था सोमवार को इस संदर्भ में फैसला कर सकती है। इस मुकाबले का आयोजन पहले सितंबर में होना था लेकिन दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव के कारण भारत के अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था। भारत के जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया। राजपाल ने 1990 में सियोल में कोरिया के खिलाफ डेविस कप में पदार्पण किया जहां भारत को 0-5 से व्हाइटवाश का सामना करना पड़ा था। राजपाल ने सिर्फ इसी मुकाबले में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्हें महज औपचारिकता के चौथे मैच में जेई सिक किम के खिलाफ 1-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा था।

मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को मिलेगा बीमा सुरक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश के खेल विभाग ने राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी खिलाड़ियों को बीमा सुरक्षा मुहैया करने का फैसला किया है। राज्य के खेल संचालक डॉ. एस.एल. थाउसेन ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश की विभागीय खेल अकादमियों के खिलाड़ियों की तर्ज पर राज्य के सभी खेल संघों एवं महासंघों से राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को भी जल्द ही चिकित्सा एवं दुर्घटना बीमा पॉलिसी का लाभ मुहैया कराएगी।

ADDI INDUSTRIES LTD.
Regd. Office : 23, Eastern Avenue, Maharani Bagh, New Delhi - 110065
CIN:- L51109DL1980PLC256335
E-MAIL: addiind@gmail.com
NOTICE
Pursuant to Regulation 29 read with Regulation 47 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, we are pleased to inform you that the meeting of the Board of Directors of the Company has been scheduled to be held on **Wednesday, the 13th day of November, 2019 at 1.30 P.M. at B-44, Maharani Bagh, New Delhi-110065,** to consider, inter-alia, the Unaudited Financial Results of the Company for the 2nd quarter & six months ended September 30, 2019.
For ADDI INDUSTRIES LTD.
Sd/-
Date : 02.11.2019 C. L. Jain
Place : New Delhi Managing Director

गुमशुदा की तलाश

रामवती

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक महिला जिसका नाम **रामवती पत्नी जगदीश कुमार** निवासी C-59, त्यागी विहार, नांगलोई, दिल्ली जो थाना नांगलोई, दिल्ली एरिया से दिनांक 21.09.2019 से लापता है। इस बाबत **DD No. 34 A दिनांक 23.09.2019 थाना नांगलोई, दिल्ली** में दर्ज है। इस महिला का शारीरिक ब्यौरा इस प्रकार है :

उम्र : 65 वर्ष, **रंग** : सांवला, **कद** : 5' 1", **चेहरा** : गोल, **पहनावा** : वायलेट रंग की साडी – पीले रंग का ब्लाउज और लाल रंग की चप्पल पहने है। स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस महिला का कोई सुराग नही मिल पाया है। अगर किसी व्यक्ति को इस महिला के बारे में कोई जानकारी मिले तो थानाध्यक्ष नांगलोई, दिल्ली को निम्नलिखित नं. व ई–मेल : cic@cbi.gov.in और वेबसाइटः http://cbi.nic.in पर सूचित करें।

फोन : 011-24368638, 24368641
फैक्स नं.: 011-24368639
हस्ता/- थानाध्यक्ष
थाना : नांगलोई, दिल्ली
फोन : 011-25947225
DP/2747/OD/19

बिक्री सूचना

निम्नलिखित सम्पत्ति वाद सं. 525/17 (आईडी नंबर 4244/17) में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध आजाद राठी के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।

1. आस्ति का वर्णन :
मेक : स्कोडा रैपिड 1.6 टीडीआईएमटी एम्बीशन प्लस
रजि. नंबर : DL8CXA5134
विनिर्माण वर्ष : 2012
2. नीलामी की तिथि एवं समय :
19–11–2019 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक
3. स्थान : गोदरा यार्ड, खेवट नंबर 166/1, निकट अतुल कटारिया चौक, ज्ञान देवी स्कूल के पीछे, सेक्टर–17, सुखराली, गुरूग्राम–122022
4. सम्पर्क व्यक्ति : राजू सिंह ;
मोबाइल नंबर : 9948896944

बिक्री की शर्तें

उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।

इच्छुक बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय डीडी/पीओ के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।

सफल अनुमोदित बोलीदाता को बिक्री राशि पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट/ आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से अनुमोदन की तिथि से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।

इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त दृष्टिबंधित वाहन के विस्तृत विवरण तथा निरीक्षण के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रथम तल, एसडी टावर, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नंबर–7, रोहिणी, सेक्टर–8, नई दिल्ली–110085 पधार सकते हैं।

बाहर होने के डर से विश्राम से बचते हैं भारतीय खिलाड़ी : युवराज

एजेंसी। मुंबई

पूर्व भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह ने सोमवार को दावा किया कि देश के कई क्रिकेटर अपना स्थान गंवाने के डर से थके होने के बावजूद विश्राम नही लेते और उम्मीद जताई कि सौरव गांगुली के बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के बाद इसमें बदलाव आएगा। निजी लीग मे खेलने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले युवराज ने खिलाड़ियों के संघ का भी समर्थन किया। उच्चतम न्यायालय से नियुक्त लोढ़ा समिति की सिफारिशों के अनुसार खिलाड़ियों का संघ इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन पहले ही गठित कर दी गई है। युवराज ने यहां पत्रकारों से कहा, हम इसके हकदार है क्योंकि कई बार हमे क्रिकेट खेलने के लिए कहा जाता है जबकि हम ऐसा नही चाहते। हमे इस दबाव मे खेलना होता है कि अगर हम नही खेलते है तो हमे बाहर कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों पर से यह दबाव खत्म होना चाहिए कि अगर वे थके हुए है या चोटिल है उन्हे तब भी खेलना होगा। युवराज ने आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल का उदाहरण दिया जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मसले के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विश्राम लिया और बोर्ड ने उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा, हमारे खिलाड़ी ऐसा नही कर सकते क्योंकि उन्हे अपनी जगह गंवाने का डर रहता है। इसलिए खिलाड़ियों का संघ बेहद महत्वपूर्ण है। युवराज ने कहा कि गांगुली के अध्यक्ष बनने के बाद बीसीसीआई मे आमूलचूल परिवर्तन होने की संभावना है और अब खिलाड़ियों की भी सुनी जाएगी। उन्होने कहा, सौरव के अध्यक्ष बनने के बाद भारतीय क्रिकेट मे कई नई चीजे होंगे। प्रशासकों की नजर मे क्रिकेट और क्रिकेटरों की नजर मे क्रिकेट मे दोनों मे काफी अंतर है। एक बेहद सफल कप्तान क्रिकेटरों के हितो को ध्यान मे रखेगा जहां खिलाड़ियों की बाते भी सुनी जा सकती है। ऐसा पहले नही हुआ। अब वह क्रिकेटरों की बात भी सुनेंगे कि वे क्या चाहते है।

युवराज ने कहा, निश्चित तौर पर हमें बेहतर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की जरूरत है

मुंबई। पूर्व भारतीय हरफनमौला युवराज सिंह ने एमएसके प्रसाद की अगुवाई वाली राष्ट्रीय चयन समिति पर निशाना साधते हुए कहा कि टीम को निश्चित तौर पर बेहतर चयनसमिति की जरूरत है क्योंकि आधुनिक क्रिकेट को लेकर मौजूदा समिति की सोच का जो स्तर होना चाहिए वैसा नही है। युवराज ने यहां कहा, हमे निश्चित तौर पर बेहतर चयनकर्ताओ की जरूरत है। चयनकर्ताओ का काम आसान नही होता है। जब भी वे 15 खिलाड़ियों का चयन करेंगे तब ऐसी बाते होगी कि उन 15 खिलाड़ियों का क्या होगा जो टीम मे जगह बनाने मे नाकाम रहे। यह मुश्किल काम है लेकिन मेरी समझ मे आधुनिक क्रिकेट को लेकर उनकी सोच उस स्तर तक नही है जैसी होनी चाहिए थी। पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ने कहा, मै हमेशा से खिलाड़ियों के हितो की रक्षा का समर्थन करता हूं और उनके बारे मे सकारात्मक सोचता हूं। आप किसी खिलाड़ी या टीम के बारे मे नकारात्मक सोच कर सही नही करेंगे। आपके असली चरित्र के बारे मे तभी पता चलता है जब खिलाड़ी का समय साथ नही देता है और आप उसे प्रेरित करते है। बुरे समय मे, हर कोई बुरी बात करता है। हमे निश्चित रूप से बेहतर चयनकर्ताओ की जरूरत है। यह पहली बार नही है कि युवराज ने चयन समिति की आलोचना की है। इस वामहस्त बल्लेबाज ने पहले दावा किया था कि यो-यो टेस्ट को पास करने के लिए कहने के बाद चयनकर्ताओ ने उन्हे नही चुना था। युवराज ने विदेशी लीगो मे खेलने के लिए जून मे संन्यास की घोषणा की थी। वह आगामी अबूधाबी टी10 लीग मे हिस्सा लेंगे, जिसका 15 नवंबर से सोनी सिक्स और सोनी टेन 3 पर प्रसारण होगा।

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड

Chola Enter a better life

कार्पोरेट कार्यालय : नंबर 2, 'डेयर हाउस' प्रथम तल, एन.एस.सी. बोस रोड, चेन्नई–600 001
शाखा कार्यालय : प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005, सम्पर्क नंबर : 9899245509, 9818460101

नीलामी–सह–बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कर्जदारो से बकाया राशि की वसूली के लिए **वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002** के अधीन यहां नीचे वर्णित प्रत्याभूत आस्तियों का कब्जा लिए जाने के अनुसरण में, अधोहस्ताक्षरी द्वारा यहां नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति, जोकि कब्जे में है, की बिक्री **"जैसा है जहां है आधार", "जो है जैसा है आधार" "जो भी है वहां है आधार"** पर करने हेतु सीलबंद लिफाफों में ऑफर्स आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण नीचे दिया गया है :–

क्र. सं.	कर्जदार(गण) /सह–कर्जदार(गण)/गारंटर(गण)	मांग सूचना तिथि एवं राशि	अचल सम्पत्ति का वर्णन	सुरक्षित मूल्य	धरोहर राशि जमा	कुल बकाया राशि	कब्जा का प्रकार
1.	ऋण खाता संख्या **(X0HEDHE00001322529 & X0HEDHE00001322517)** **भारत भूषण (कर्जदार), रीता शर्मा, श्रीमती सुचेता, सीमा शर्मा (सह–कर्जदार)** **सभी का पत्राचार हेतु पता** : सी–411, गली नंबर 17, भजनपुरा गढ़ी, मेन्डू नॉर्थ ईस्ट, नई दिल्ली–110053	10–10–2017 रू. 98,71,946.46/– (रूपए अठ्ठानवे लाख इकहत्तर हजार नौ सौ छियालीस तथा पैसे छियालीस मात्र)	सम्पत्ति परिमाप 189 वर्ग गज, सम्पत्ति सं. सी–411, खसरा नंबर 361, ग्राम घोंडा गूजरान खादर, आबादी सी–ब्लॉक, गली नंबर 17, भजनपुरा, शाहदरा, नई दिल्ली–110053	रू. 1,20,00,000/– (रूपए एक करोड़ बीस लाख मात्र)	रू. 12,00,000/– (रूपए बारह लाख मात्र)	रू. 98,71,946.46/– (रूपए अठ्ठानवे लाख इकहत्तर हजार नौ सौ छियालीस तथा पैसे छियालीस मात्र) + ब्याज,	भौतिक

नीलामी के नियम एवं शर्तें

1. **सीलबंद बिड/ऑफर प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि** : सीलबंद बिड/ऑफर निर्धारित निविदा प्रपत्र में ईएमडी तथा केवाईसी सहित शाखा कार्यालय : **प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005 में 19–11–2019** तक अप. 05.30 बजे से पूर्व प्रस्तुत की जा सकती है। अधूरी निविदाएं अथवा अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त निविदाएं अवैध मान्य होंगी और तदनुसार अस्वीकृत होंगी। ईएमडी पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा।
2. **बिड/ऑफर खोलने की तिथि (नीलामी तिथि)** : सम्पत्ति हेतु बिड/ऑफर उपरोक्त पते पर स्थित शाखा कार्यालय में **20–11–2019** को पूर्वा. 10.00 बजे खोली जाएगी। निविदा प्राधिकृत अधिकारी की उपस्थिति में खोली जाएगी।
3. **अचल सम्पत्ति की निरीक्षण की तिथि 12–11–2019** को **पूर्वा. 10.00 बजे** से **अप. 03.30 बजे** के बीच है।
4. इसके अतिरिक्त, सूचना में वर्णित बकाया राशि पर, इसकी पूर्ण वसूली तक, ऋण अनुबंध के अनुसार ब्याज तथा अनुषंगी व्यय, लागत इत्यादि प्रभारित किए जाएंगे।
5. एतद्द्वारा कर्जदारों तथा गारंटरों को बिक्री के समय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने की सूचना दी जाती है तथा वे बिक्री के नियम एवं शर्तों के अनुसार उपरोक्त अचल सम्पत्ति के क्रय हेतु इच्छुक क्रेता/खरीदार ला सकते हैं।
6. **एतद्द्वारा कर्जदार(रों)/तथा गारंटर(रों) को सरफासी ऐक्ट, 2202 के तहत बिक्री के संबंध में 15 दिन का नोटिस दिया जाता है** कि वे उपरोक्त राशि नीलामी की तिथि से पहले चुकता कर दें, जिसमें असफल रहने पर सम्पत्ति की नीलामी की जाएगी तथा शेष राशि, यदि कोई होगी, ब्याज एवं लागत सहित वसूल की जाएगी। यदि कर्जदार चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड की बकाया पूरी राशि बिक्री से पहले चुका देता है, तो नीलामी रोक दी जाएगी।
7. नीलामी के विस्तृत नियम एवं शर्तें निर्धारित निविदा प्रपत्र में दी गई हैं। निविदा प्रपत्र उपरोक्त शाखा कार्यालय में उपलब्ध हैं।
8. अचल सम्पत्ति उच्चतम निविदादाता को बेची जाएगी। तथापि प्राधिकृत अधिकारी को आवश्यक समझे जाने पर परस्पर बोलीदान की अनुमति देने का विवेकाधिकार प्राप्त है। उपरोक्त सम्पत्ति सुरक्षित मूल

'लोगों के नकारात्मक कमेंट मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं'

डीजे साहिल शर्मा को प्यार से ज़ेडेन नाम से भी जाना जाता है। **पायनियर संवाददाता शालिनी सक्सेना** से एक विशेष बातचीत में उन्होंने बताया कि वो गायक क्यों और कैसे बने और उनका नवीनतम गाना 'तेरे बिना...' किस बारे में है। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश–

■ आप गायक कैसे बने?

– जिसने ये गाना बनाया था उसने बताया कि ये हमनें बनाया था। उसने अपने अगले गाने के लिए एक आधिकारिक कवर बनाने के लिए भी कहा। हमारा काम उसे पसंद आया। इससे मुझे बहुत प्रेरणा मिली और सबसे बड़ी बता ये थी कि उसने मेरे काम को सराहा। आप जिससे प्रेरणा प्राप्त करते हैं यदि वो आपकी प्रशंसा करे तो आप समझिये कि इसका क्या प्रभाव हो सकता हैं। फिर मैंने सोचा कि क्यों न मैं अपना एक अलग मौलिक गाना बनाऊं। ये बदलाव इस तरह से आया।

■ क्या आपने गायक बनने के लिए जरूरी व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है?

– नहीं, मैंने कोई व्यावसायिक प्रषिक्षण नहीं लिया है। संगीत से मेरा संबंध केवल इतना है कि मेरे पिता अच्छे गायक थे और किशोर कुमार द्वारा गाए गानों को गाकर उनके कैसेट बनाकर अपने मित्रों और संबंधियों में वितरित करते हैं। वो एक प्रकार से कवर आर्टिस्ट माने जा सकते हैं। संगीत में मैंने कोई औपचारिक प्रषिक्षण नहीं लिया है।

■ क्या डीजे से गायक बनने की राह में आपको बाधाओं का सामना भी करना पड़ा?

– नहीं ऐसी बात तो नहीं थी। ये मेरा सौभाग्य था कि वीवाईआरएल ऑरिजिनल्स ने मेरा समर्थन किया। हमनें पिछली नवंबर में गाने पूरे कर लिये थे लेकिन छः महीनें बाद हमनें उनसे संपर्क किया और उन्होंने तुरंत सभी गानों को अनुमोदित कर दिया। मैं तो उसमें कई बदलाव करने के लिए पहले से ही तैयार था लेकिन उन्होंने गानें जस के तस स्वीकार कर लिये।

■ फिर गानों को रिलीज़ करने में इतना विलंब क्यों हुआ?

–वास्तव में मैं कई अन्य लेबल्स से भी बात कर रहा था। उनमें से एक लेबल ने बताया कि ये अगले ही साल हो सकता है। इस प्रकार से हम उसमें सफल नहीं हो सके। ऐसे देखें तो वीवाईआरएल एक बड़ा लेबल है। उनके काम करने का ढंग मुझे अत्यधिक अच्छा लगता है वे बहुत व्यावसायिक दृष्टिकोण रखते हैं। उन्होंने मेरे गाने का मूल रूप में बनाए रखा। हमारे लिए ये एक वरदान के समान था। मैं मंच पर उपस्थित सभी तरह की कलाओं तथा कलाकारों को पसंद करता हूं। हमारा उनसे जुड़ाव मेरे मैनेजर आयुष्मान सिन्हा तथा एआई ने लेबल से बात की और तब उन्होंने गाने के लिए मेरे साथ अनुबंध किया। उन्हीं के साथ मैंने अपने अगले गाने के लिए भी अनुबंध किया।

■ आपका गाना 'तेरे बिना...' किस बारे में है?

–मैं प्रसन्न मुद्रा में था। मैं एक रोमांटिक गाना बनाना चाहता था। मैंने अपने गिटार के साथ अपने स्टूडियो में ये गाना केवल 15 मिनट में बनाया था। मेरे मित्र, परिवार तथा मित्रों ने मेरे गाने की भूरि भूरि प्रषंसा की थी। फिर मैंने कुणाल से बैठक की वो अद्भुत गीतकार थे। तो इस प्रकार इस गाने का जन्म हुआ।

■ क्या आप किसी विशिष्ट जॉनर को चुनना चाहते हैं?

–देखिये मैं हर तरह के गाने गाना चाहता हूं। यदि मुझे ये प्रिय लगता है तो मैं इसे करूंगा। लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या तुम बॉलिवुड में गाना चाहते हो। लेकिन मैं तो हर प्रकार के गानें गाना चाहता हूं लेकिन यदि वो मेरी आवाज़ के अनुकूल हो। फिर ये भी है कि मेरे हिस्से कितना आता है।

■ तो क्या ये समझा जाए कि आपका लक्ष्य फिल्मी उद्योग ही है?

–मैं तो यही कहूंगा कि मेरा लक्ष्य अच्छा संगीत देना है और संगीत के माध्यम से जितना संभव हो अधिक से अधिक लोगों के बीच पहचान बनाना चाहता हूं।

■ भविष्य को लेकर आपकी क्या योजनाएं हैं?

–मैं हिंदी और अंग्रेजी गाने पर काम कर रहा हूं जिसमें मैं एक अंतर्राष्ट्रीय साझेदार का सहयोग कर रहा हूं। मैं कई अन्य गानों पर भी काम कर रहा हूं जो वीवाईआरएल पर जल्दी ही आ सकते हैं।

■ आजकल प्रतिस्पर्धा तगड़ी हो गई है। तो क्या इससे रचनात्मकता प्रभावित होती है?

–मैं सदैव से नए और ताज़े गानों और प्रयोग करने में विश्वास करता हूं। मैं दूसरों से प्रतिस्पर्धा में नहीं पड़ना चाहता। मैं केवल स्वयं से ही प्रतिस्पर्धा में रहता हूं।

■ जब आपने अपनी नौकरी छोड़ी थी तो क्या आपका परिवार कुछ आशंकित हो गया था?

–मैं इस बात की चिंता नहीं करता कि लोग क्या कह रहे हैं। मेरा पूरा ध्यान संगीत बनाने पर रहता है। जो लोग कुछ कह भी रहे थे, उन्होंने भी मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्तिक को पछतावा नहीं होता

बॉलिवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन का कहना है कि वो फिल्म के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से पहले किसी से भी राय नहीं करते। उनका कहना है कि वो अपनी अंतरात्मा की आवाज के अनुसार काम करते हैं और इस प्रकार लिये गए निर्णय उनके लिए अभी तक अच्छे साबित हुए हैं। कार्तिक ने अपनी फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी की सफलता के बाद उन्हें फीस के तौर पर 10 करोड़ रुपये ऑफर किये गए थे। लेकिन उनके लिए पहली प्राथमिकता उत्कृष्टता न कि धन। उन्होंने फिल्म का नाम न बताते हुए जानकारी दी कि उन्होंने उस रोल को अस्वीकार कर दिया था क्योंकि वो भूमिका उनके अनुरूप नहीं थी। आर्यन ने बताया, 'मैंने उस फिल्म को अस्वीकार कर दिया क्योंकि मुझे उसका विषय अच्छा नहीं लगा। अब लगता है कि यदि मैंने उसमें काम किया होता तो आज वो सुपर हिट फिल्म होती। अपने विकल्पों को लेकर मुझे कोई पछतावा नहीं होता, फिर चाहे बात उन फिल्मों की हो जिन्हें मैंने अस्वीकार कर दिया था या फिर वे जिनमें मैंने काम करना पसंद किया था।

व्यस्त रहकर स्वयं को बोर होने से बचाते हैं अक्षय

हिंदी फिल्मों के सुपरहिट अभिनेता अक्षय कुमार का कहना है कि उन्हें किसी फिल्म की सफलता से अधिक प्रसन्नता नहीं होती क्योंकि उस फिल्म के रिलीज़ होते ही मैं दूसरी और अगल जॉनर की फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हो जाता हूं। मेरा विचार है कि जीवन में व्यक्ति को एक से दूसरे जॉनर और विषय में आते-जाते रहना चाहिये। मुझे लगता है कि अपने कॅरियर के प्रारंभ में मैंने लगातार ऐक्षन फिल्में करते रहने की त्रुटि की थी। मेरा मानना है कि यदि आपको लंबे समय तक कुछ करते रहना है तो आपको बोर होने से स्वयं को बचाना होगा।

रकुलप्रीत को फ्लर्ट करना नहीं आता

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह स्वीकार करती हैं कि उन्हें फ्लर्ट करना नहीं आता उनका कहना है कि लोग भी उनसे ऐसी अपेक्षा नहीं करते।

रकुल ने बताया, 'मैं बातचीत कर सकती हूं लेकिन किसी से फ्लर्ट नहीं कर सकती।'

किसी पुरुष में उनके अनुसार क्या गुण होने चाहिये? प्रष्न का उत्तर देते हुए रकुल ने कहा, 'मेरे अनुसार उसे बुद्धिमान होना चाहिये। मैं रोचक बातचीत करना चाहती हूं और ये मजेदार हो तो अच्छा है, अन्यथा दिन, सप्ताह, महीनों का क्या वे तो बीत ही जाते हैं, लेकिन आप जीवन भर किसी नीरस व्यक्ति के साथ नहीं रह सकते। मेरे अनुसार ऐसे पुरुषों की कमी है जो अच्छे ढंग से वार्तालाप कर सकें।

जन्मदिन पर केटी पैरी ने की मिस्त्र में मस्ती

हॉलिवुड गायिका केटी पैरी ने हाल ही में अपना 35वां जन्मदिन हवाईयात्रा द्वारा अपने 64 दोस्तों के साथ मिस्त्र जाकर मनाया।

25 अक्तूबर को उनका जन्मदिन था और उन्होंने नील नदी में एक क्रूज़ द्वारा दसदिवसीय यात्रा का आनंद लिया। इसके अलावा उन्होंने ऊंट से रेगिस्तान की यात्रा और पिरामिडों के समक्ष सूर्यास्त भी देखा। इन सब के चित्र उन्होंने सोषल मीडिया पर अपने प्रषंसकों से साझा भी किये।

उनके अतिथियों में उनके मंगेतर ऑरलेंडो ब्लूम भी थे। उन्होंने भी ऐसे कई चित्र इंस्टाग्राम पर साझा किये, इनमें से एक में सूर्यास्त की पृष्ठभूमि में पेरी को रोमांटिक ढंग से आलिंगन का चित्र भी शामिल था।

यहां शूटिंग करना बेहद मुश्किल, दिल्ली में प्रदूषण पर बोली प्रियंका चोपड़ा

एजेंसी। नई दिल्ली

अपनी आगामी फिल्म द वाइट टाइगर की शूटिंग के लिए राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास ने शहर में बढ़ते प्रदूषण स्तर पर चिंता जताई है।

प्रियंका ने रविवार को अपने ऑधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर एक सेल्फी पोस्ट की जिसमें वह एक मास्क लगाए नजर आ रही हैं। फोटो के लिए कैप्शन में अभिनेत्री ने कहा शहर में फिल्म की शूटिंग करना मुश्किल है। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता राजकुमार राव भी हैं। प्रियंका ने पोस्ट में लिखा, द वाइट टाइगर के लिए शूटिंग के दिन। अभी यहां शूटिंग करना बेहद मुश्किल है और मैं यह सोच भी नहीं सकती कि इन परिस्थितियों में यहां रहना कैसा लगता होगा। उन्होंने लिखा, हमारे पास एयर प्यूरीफायर और मास्क हैं। बेघरों के लिए प्रार्थना कीजिए। सब लोग सुरक्षित रहें। वायु प्रदूषण, दिल्ली का प्रदूषण, हमें समाधान चाहिए, सांस लेने का अधिकार। प्रियंका की यह फिल्म इसी नाम से लिखे गए अरविंद अडिगा के उपन्यास पर आधारित है।

पति-पत्नी और वो के निर्माण को लेकर सचेत रहे हैं निर्माता : भूमि

एजेंसी। मुंबई

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने सोमवार को कहा कि 'पति पत्नी और वो' के निर्माता इस बात को लेकर बेहद सचेत रहे हैं कि कहीं यह फिल्म लैंगिकतावादी और निराधार न बन जाए। मुदस्सर अजीज निर्देशित यह फिल्म 1978 में इसी नाम से आई फिल्म का रीमेक है। फिल्म में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे भी अभिनय करते नजर आएंगे। पिछली फिल्म में संजीव कुमार, विद्या सिन्हा और रंजीता कौर ने अभिनय किया था। भूमि ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म की पटकथा पढ़ी तो इसके लैंगिक पहलुओं को लेकर उनकी सारी शंकाएं दूर हो गईं। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों की वजह से उत्पन्न होने वाले हास्य के कारण यह एक कॉमेडी फिल्म है लेकिन मनगढ़ंत नहीं है। यह दोनों लिंगों के सशक्तिकरण से जुड़ी है। मुझे लगता है कि निर्माता इस बात को लेकर सचेत रहे हैं कि यह लैंगिकतावादी और निराधार फिल्म न बन जाए। भूमि ने कहा कि 'पति पत्नी और वो' लैंगिकतावाद पर आधारित फिल्म नहीं है।फिल्म छह दिसंबर को रिलीज होनी है।

फिल्म में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे भी अभिनय करते नजर आएंगे।

शर्मीले, संकोची लोगों के लिए बॉलीवुड में जगह नहीं : तारा सुतारिया

एजेंसी। मुंबई

नवोदित फिल्म अभिनेत्री तारा सुतारिया मानती हैं कि अगर उन्हें बॉलीवुड में कदम जमाना है, तो उन्हें शर्मीला तथा संकोची स्वभाव छोड़ कर अधिक पेशेवर बनने की जरुरत है।

फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अपने करियर की शुरुआत करने वाली तारा ने कहा हिंदी फिल्म उद्योग में हर किसी के लिए काम के अवसर हैं, चाहे वह बाहरी व्यक्ति हो या फिल्म उद्योग के कलाकारों के बच्चे हों।

उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि मेरे लिए कोई ज्यादा संघर्ष है। बात सिर्फ इतनी है कि मैं अपने सुरक्षित आवरण से थोड़ा निकलना चाहती हूं। इस उद्योग में लोग जबरदस्त क्षमतावान हैं। मुझे शर्मीलापन छोड़ना होगा। तारा ने यहां एक साक्षात्कार में कहा, वे बहुत कठोर हैं, पूरी तरह पेशेवर हैं और यहां संकोची या संवेदनशील लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। इसलिए मुझे इस पर काम करने की जरूरत है। तारा की अगली फिल्म मरजावाँ है, जिसमें वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म का निर्देशन मिलाप जवेरी ने किया है।फिल्म 15 नवंबर को रिलीज होगी।

बुद्धदेब दासगुप्ता की उरोजहाज का केआईएफएफ में चयन

कोलकाता। बुद्धदेब दासगुप्ता की उरोजहाज (द फ्लाइट) का चयन 25वें कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की मास्ट्रो श्रेणी के लिए गया है। अन्य वैश्विक फिल्म महोत्सवों में खासी सराहना बटोर चुकी इस फिल्म की कहानी एक गांव में रहने वाले मैकेनिक की है, जिसका सपना विमान उड़ाने का है। दासगुप्ता ने रविवार को कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय उत्सवों में अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के बाद उन्हें अब घरेलू जनता की प्रतिक्रिया का इंतजार है। उरोजहाज सरकारी नंदन फिल्म परिसर में 11 नवम्बर को प्रदर्शित की जाएगी।दासगुप्ता ने कहा, मैं हमेशा सपनों के सफर...पर फिल्म बनाना चाहता था। उरोजहाज आम इंसान के सपनों और ऐसे सपने देखने वालों की कहानी है।

विनीत कुमार ने 'थिरुट्टू पायले 2' के रीमेक की शूटिंग शुरू की

एजेंसी। मुंबई

अभिनेता विनीत कुमार ने हिट तमिल फिल्म थिरुट्टू पायले 2 के हिंदी रीमेक की वाराणसी में शूटिंग शुरू की। इस फिल्म का निर्देशन सूसी गणेशन कर रहे हैं, जिन्होंने 2017 में आई इसकी मूल फिल्म का भी निर्देशन किया था। यह थ्रिलर फिल्म एक पुलिस अधिकारी के बारे में है, जो एक ऐसे व्यक्ति के बारे में पता लगाने की कोशिश करता है, जो पैसे के लिए महिलाओं को ब्लैकमेल करता है और उसे बेनकाब करने की कोशिश करता है। फिल्म को लेकर विनीत ने कहा, फिल्म की शूटिंग का कार्यक्रम मेरे लिए काफी अच्छा है। दिवाली का जश्न अभी खत्म हुआ है और कैमरे के सामने नई ऊर्जा के साथ आना मुझे बहुत अच्छा लग रहा हैष मैं बहुत उत्साहित हूं कि हम वाराणसी में शूट कर रहे हैं। इस फिल्म ने मुझे उस जगह पर रहने का मौका दिया है जो मेरे दिल के बेहद करीब है। फिल्म में उनके साथ उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय भी हैं। विनीत हाल ही में सांड की आंख में नजर आए थे। उनकी अगली फिल्म आधार है।

अक्षय खन्ना की फिल्म सब कुशल मंगल तीन जनवरी 2020 को होगी रिलीज

एजेंसी। मुंबई

अक्षय खन्ना की आने वाली फिल्म सब कुशल मंगल तीन जनवरी 2020 को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

फिल्म निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इसकी पहली झलक साझा करते हुए यह जानकारी दी।

निर्देशक करण विश्वनाथ कश्यप की इस फिल्म में अक्षय खन्ना लंबे समय बाद कॉमेडी करते नजर आएंगे।

अदाकारा पद्मिनी कोल्हापुरे के बेटे प्रियांक शर्मा और अभिनेता एवं सांसद रवि किशन की बेटी रीवा किशन इस फिल्म से अपने फिल्मी करियर का आगाज कर रहे हैं।